@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 3 अगस्त 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 264 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

### अमेरिकी टैरिफ के बीच बोले पीएम मोदी, कहा-

## किसानों और छोटे उद्योगों का कल्याण हमारी 'सर्वोच्च प्राथमिकता'

**• प्रधानमंत्री के अनुसार, सरकार देश के सर्वोत्तम हित में हर संभव प्रयास कर रही है।**

एजेंसी

**वाराणसी ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि किसानों, छोटे उद्योगों और युवाओं का कल्याण सरकार की 'सर्वोच्च प्राथमिकता' है। साथ ही कहा कि देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 7 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की गई है। अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी से पैदा हुई उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती की पुष्टि करते हुए कहा कि देश को अपने आर्थिक हितों के प्रति सतर्क रहना चाहिए और 'स्वदेशी' उत्पादों को

अपनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने वाराणसी में एक रैली के दौरान कहा, 'वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का माहौल है। सभी देश अपने-अपने हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और इसलिए भारत को अपने आर्थिक हितों के प्रति सतर्क रहना होगा।' इस सप्ताह की शुरुआत में, ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। साथ ही कहा था कि रूसी तेल खरीदने पर भारत को अतिरिक्त टैरिफ दंड का भी सामना करना पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा यह दावा किए जाने के बाद कि भारत ने संभवतः रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है, सरकारी सूत्रों ने शनिवार को स्पष्ट किया कि रूस से तेल आयात पर ऐसी कोई रोक नहीं है। सूत्रों के अनुसार, 'भारत की ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की ताकतों से प्रेरित है। हमारे पास भारतीय तेल कंपनियों द्वारा रूसी आयात रोकने की कोई रिपोर्ट नहीं है।' प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, सरकार देश के सर्वोत्तम हित में हर संभव प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने रैली में अपने भाषण के दौरान कहा, 'जो लोग देश का भला चाहते हैं और भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना चाहते हैं, उन्हें अपने मतभेदों को भुलाकर 'स्वदेशी' उत्पादों के लिए संकल्प लेना चाहिए। हम केवल वही चीजो खरीदेंगे जो भारतीयों द्वारा बनाई गई हैं। हमें वोकल फॉर लोकल को अपनाने की जरूरत है।'

## रेप मामले में प्रज्वल रेवन्ना को आजीवन कारावास की सजा

### 10 लाख रुपए का जुर्माना

एजेंसी

**बेंगलुरु ।** दुष्कर्म और अश्लील वीडियो मामले में बेंगलुरु की एमपी/एमएलए विशेष अदालत ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते और पूर्व जेडी (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने प्रज्वल रेवन्ना को मृत्यु तक आजीवन कारावास के साथ-साथ 10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने प्रज्वल रेवन्ना को बार-बार रेप के लिए आईपीसी की धारा 376 (2) (एन) के तहत मृत्यु तक आजीवन कारावास और 5 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने आईपीसी की धारा 376 (2) (के) के तहत एक महिला पर नियंत्रण या प्रभुत्व रखने और उस महिला के साथ रेप करने के लिए भी उम्रकैद और 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अदालत ने निर्देश दिया है कि जुर्माने की राशि में से 7 लाख रुपए पीड़िता को दिए जाएं। सजा सुनाए जाने के समय प्रज्वल रेवन्ना अदालत के सामने दोनों हाथ जोड़कर खड़े थे। विशेष लोक

अभियोजकों ने शनिवार को सजा की अवधि पर अंतिम बयान देते हुए अदालत से पूर्व सांसद और दोषी प्रज्वल रेवन्ना को अश्लील वीडियो और बलात्कार मामले में अधिकतम सजा आजीवन कारावास देने का आग्रह किया। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी सजा समाज को एक कड़ा संदेश देगी और इसी तरह के अपराध करने वाले अन्य लोगों को रोकने का काम करेगी। सजा सुनाए जाने से पहले अपना अंतिम बयान देते हुए प्रज्वल रेवन्ना भावुक हो गए और अदालत में रो पड़े। प्रज्वल रेवन्ना ने कहा, यह मामला चुनाव के दौरान ही क्यों सामने आया? जब मैं सांसद था, तब मेरे खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। अब वे कह रहे हैं कि मैंने कई बार यौन उत्पीड़न किया। तब कोई सामने क्यों नहीं आया? यह मामला चुनाव के दौरान ही क्यों सामने आया? उन्होंने आगे आरोप लगाया, पुलिस ने ऐसा किया है। यह राजनीति से प्रेरित है। मैं अदालत के फैसले को स्वीकार करूंगा। मैंने छह महीने से अपने माता-पिता को नहीं देखा है। जब न्यायाधीश संतोष भट्ट ने प्रज्वल से उनकी शैक्षणिक योग्यता के बारे में पूछा तो प्रज्वल ने जवाब दिया कि उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। उन्होंने आगे कहा, ÷आप मेरे शैक्षणिक रिकॉर्ड की पुष्टि कर सकते हैं। मैं एक मेधावी छात्र हूं। मेरी एकमात्र गलती यह है कि मैं राजनीति में बहुत जल्दी आगे बढ़ गया। मैं मीडिया को दोष नहीं दूंगा।

### देश को 'तिरंगा' देने वाले पिंगली वेंकैया को याद किया मोदी ने

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का प्रारंभिक डिजाइन तैयार करने वाले पिंगली वेंकैया को उनकी जयंती पर नमन किया है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से हर वर्ष की तरह इस बार भी 'हर घर तिरंगा' आंदोलन को मजबूत करते हुए अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने और अपनी सेल्फी या तस्वीरों को हर घर तिरंगा डाट कॉम पर साझा करने को कहा है। श्री मोदी ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, पिंगली वेंकैया जी को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। उन्हें हमें तिरंगा देने में उनकी भूमिका के लिए याद किया जाता है, जो हमारा गौरव है! हमेशा की तरह, आइए 'हरघरतिरंगा' आंदोलन को मज़बूत करें और तिरंगा फहराएँ। अपनी सेल्फी या तस्वीरें हर हर तिरंगा डाट कॉम पर अपलोड करें। राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग की क्षैतिज पट्टियों के बीच नीले रंग के एक चक्र द्वारा सुशोभित ध्वज है। इसकी कल्पना पिंगली वैंकैया ने की थी। राष्ट्रीय ध्वज को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता कुछ दिन पहले 22 जुलाई 1947 को आयोजित भारतीय संविधान-सभा की बैठक में अपनाया गया था।

### बिहार में प्रारूप मतदाता सूची जारी होने के बाद राजनीतिक दलों ने नहीं दर्ज कराई आपत्ति : चुनाव आयोग

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** भारत निर्वाचन आयोग ने शनिवार को बिहार राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) 2025 को लेकर विस्तृत जानकारी दी। आयोग ने एक प्रेस नोट जारी किया, जिसमें 1 अगस्त दोपहर 3 बजे से 2 अगस्त दोपहर 3 बजे तक के आंकड़ों और घटनाक्रमों का विस्तृत ब्यौरा दिया गया है। प्रेस नोट के अनुसार, 24 जून से 25 जुलाई तक चले गणना चरण के बाद बिहार की प्रारूप मतदाता सूची 1 अगस्त को आम जनता के लिए प्रकाशित कर दी गई। राज्य के सभी 38 जिलों के डीएम ने 243 विधानसभा क्षेत्रों के कुल 90,712 मतदान केंद्रों पर यह सूची तैयार कर साझा की। यह सूची सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को 1 अगस्त को प्रदान कर दी गई है। जो मतदाता 24 जून की मतदाता सूची में दर्ज थे, लेकिन 1 अगस्त की प्रारूप सूची से उनका नाम हट गया है, उनके नामों की अलग से सूची तैयार कर सभी राजनीतिक दलों को दी गई है ताकि वे उसका परीक्षण कर सकें। इस विशेष सत्यापन अभियान में भाग लेने के लिए 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों द्वारा नियुक्त किए गए करीब 1.6 लाख बूथ लेवल एजेंट्स भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। आयोग ने बताया कि जन सामान्य को इस प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए अखबारों, टेलीविजन और सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया है। मतदाता सूची को और अधिक पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए हर प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय और शहरी निकाय कार्यालय में 1 सितंबर 2025 तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं, जिसमें लोग आकर अपने नाम की पुष्टि कर सकते हैं या फिर दावा व आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

### शाह ने त्रिपक्षीय समझौते पर चर्चा करने के लिए टिपरा मोथा नेताओं से की मुलाकात

**अगरतला।** त्रिपुरा में सत्तारूढ़ सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और टिपरा मोथा के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर - भाजपा समर्थकों पर हिंसक हमलों की एक श्रृंखला के बाद - केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी संस्थापक प्रद्योत किशोर देबबर्मन के नेतृत्व में टिपरा मोथा नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। पिछले हफ्ते टिपरा मोथा कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर भाजपा के दो कार्यक्रमों में बाधा डाली। पहली घटना 27 जुलाई को खोवाई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान हुई जबकि दूसरी घटना 31 जुलाई को जम्पुइजाला में हुयी जहाँ कई भाजपा कार्यकर्ताओं के गंभीर रूप से घायल होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गयी जब भाजपा की आदिवासी शाखा ने चेतावनी दी कि अगर ऐसे हमले जारी रहे तो जवाबी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य और अन्य पार्टी नेताओं ने टिपरा मोथा पर हमलों की साजिश रचने और प्रधानमंत्री के नाम पर भाजपा के प्रचार अभियान को रोकने की धमकी देने का आरोप लगाया।

## 'मेरे पिता का देहांत 2019 में हुआ, कृषि कानून 2020 में लागू हुए'

### रोहन जेटली ने राहुल गांधी के 'धमकी' दावे को ठहराया गलत

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** भारत के अब निरस्त हो चुके विवादास्पद कृषि कानूनों को लेकर शनिवार को राजनीतिक बहस एक बार फिर गर्म हो गई, जब दिवंगत अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के इस दावे पर उनकी आलोचना की कि भाजपा के दिग्गज नेता ने उन्हें 'धमकी' दी थी।

रोहन जेटली ने आईएएनएस से विशेष बातचीत में कहा कि इस मामले में दो बातें महत्वपूर्ण हैं। पहली, राहुल गांधी जिस विषय पर बात कर रहे हैं, वह मेरे पिता के निधन के बाद का है। दूसरी, धमकाने की बात मेरे पिता के स्वभाव में नहीं थी। वह विपक्ष का भी सम्मान करते थे। उनका निधन अगस्त 2019 में हुआ था, और उनके बारे में ऐसा आरोप लगाना पूरी तरह गलत है। उन्होंने आगे कहा कि इससे पहले मनोहर पर्रिकर के बारे में भी राहुल गांधी ने इसी तरह की टिप्पणी की थी। वे एक संवैधानिक पद पर हैं। उन्हें

चाहिए कि वे सोच-समझकर बोलें। वे बार-बार झूठ बोलते हैं। इस बयान के लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।इससे पहले, एक एक्स पोस्ट में रोहन जेटली ने कहा, 'राहुल गांधी का दावा है कि मेरे दिवंगत पिता अरुण जेटली ने उन्हें कृषि कानूनों को लेकर धमकाया था। मैं उन्हें याद दिला दूं कि मेरे पिता का देहांत 2019 में हुआ था। कृषि कानून 2020 में पेश किए गए थे।' उन्होंने आगे कहा, 'इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरे पिता के स्वभाव में किसी को भी विरोधी विचार के लिए धमकाना नहीं था। वह एक कट्टर लोकतांत्रिक व्यक्ति थे, जो हमेशा आम सहमति बनाने में विश्वास करते थे। अगर कभी ऐसी कोई स्थिति आती भी, जैसा कि राजनीति में अक्सर होता है, तो वह परस्पर स्वीकार्य समाधान पर पहुंचने के लिए

> **'मैं राहुल गांधी से निवेदन करूंगा कि जो अब हमारे बीच नहीं हैं, उनके बारे में बोलते समय संयम बरतें।'**

स्वतंत्र और खुली चर्चा का आह्वान करते थे। वह बस ऐसे ही थे और आज भी उनकी यही विरासत है।' रोहन जेटली ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से उन लोगों के बारे में बोलते समय सावधानी बरतने का भी आग्रह किया जो अब जीवित नहीं हैं।

### चुनाव आयोग की हकीकत पूरे देश को बताएंगे : राहुल

एजेंसी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि चुनाव आयोग की गतिविधियों पर उन्हें 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली जबरदस्त जीत के बाद से ही संदेह पैदा हो गया था और जब उन्होंने इसकी सच्चाई जानने का प्रयास किया तो जो हकीकत सामने आयी उसको वह पूरे देश को अवगत कराएंगे। श्री गांधी ने शनिवार को यहां विज्ञान भवन में पार्टी के विधि विभाग के वार्षिक अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से ही उन्हें चुनाव प्रणाली पर संदेह हो रहा है। उस समय भाजपा का इतनी बड़ी जीत हासिल करने पर उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ था। बाद में भी इसी तरह की स्थिति वह देखते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र में जो हुआ, उसने मुझे इस मुद्दे को गंभीरता से लेने पर मजबूर कर दिया। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह सकता था लेकिन अब मैं बिना किसी संदेह के कहता हूँ कि हमारे पास सबूत हैं।

### जेल में मुझे इतना प्रताड़ित किया जाता था, जिसके लिए शब्द नहीं हैं : प्रज्ञा ठाकुर

एजेंसी

**मुंबई ।** महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए की विशेष अदालत से 17 साल बाद बरी होने के बाद पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने जेल में बिताए अपने दिनों को याद करते हुए कहा कि मुझ पर इतना अत्याचार किया गया कि इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि एटीएस अधिकारियों ने मुझे 13 दिनों तक अवैध रूप से रखा। इस हिरासत के दौरान मुझे जितनी यातनाएं दी गईं, ऐसे अत्याचार किए गए जिसके लिए शब्द कम पड़ जाएंगे। शब्दों की भी अपनी मर्यादा होती है। उन्होंने कहा, 'मुझे नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ, मोहन भागवत, सुदर्शन, इंद्रेश, रामजी माधव

जैसे लोगों के नाम लेने के लिए मजबूर किया जाता था। वे कहते रहे कि इन लोगों के नाम लो तो हम तुम्हें नहीं मारेंगे। उनका मुख्य उद्देश्य मुझे प्रताड़ित करना था। मुझसे सब कुछ असत्य बोलने के लिए कहा जा रहा था। इसलिए मैंने किसी का नाम नहीं लिया। इन लोगों ने प्रताड़ित करके बहुत कुछ कहलवाना चाहा, लेकिन हम असत्य बोलेंगे नहीं। राष्ट्र को भयभीत होने की जरूरत नहीं है। देशभक्त अपने देश के लिए जीता और मरता है। प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि कई एटीएस अधिकारियों ने कानून के नाम पर गैर कानूनी काम किए हैं। जेल में मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कोर्ट के फैसले पर कहा कि यह भगवा की जीत है, धर्म की जीत है और सनातन धर्म की जीत है।

## प्रधानमंत्री के लिए कृषि एवं किसान कल्याण ही प्राथमिकता : सीएम

एजेंसी

**बांसवाड़ा।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य स्तरीय सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषक कल्याण और ग्रामीण विकास की नई कहानी लिखी जा रही है। उन्होंने किसान भाइयों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त की सौगात दी है। इसी कड़ी में राजस्थान के 76 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 600 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई है।

#### 10 हजार से अधिक नए एफपीओ बनाए गए

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पीएम-किसान सम्मान निधि योजना शुरू कर लघु एवं सीमांत किसानों की जिंदगी बदलने का काम किया है। उन्होंने लाखों करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी देकर किसानों को राहत दी है। 10 हजार से अधिक नए एफपीओ बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानो के लिए ऑनलाइन व्यापार की व्यवस्था ई-नाम शुरू की है। लागत पर कम से कम 50

प्रतिशत मुनाफा जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को सरल बनाकर इसका विस्तार किया गया है।

#### राज्य सरकार ने किए किसान कल्याण के लिए विभिन्न कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया है और इसे 12 हजार रुपये तक बढ़ाने का संकल्प है। राज्य के 76 लाख से अधिक किसानों को अब तक मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की 6 हजार 800 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। वर्ष 2025-26 में 35 लाख किसानों को 25 हजार करोड़ का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण का वितरण एवं भूमि विकास और सहकारी बैंकों के माध्यम से इस वर्ष 400 करोड़ रुपये का दीर्घकालीन ऋण 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान के साथ उपलब्ध करवाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमने करीब 32 लाख मीट्रिक टन गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद की है। इसी क्रम में पिछले वर्ष 125 रुपये और इस वर्ष 150 रुपये बोनस देकर गेहूं की खरीद पर करीब साढ़े चार सौ करोड़ रुपये की बोनस राशि का भुगतान किया है।

## हमारे छात्र ही देश के सबसे बड़े भाग्यविधाता हैं: मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली- 2 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिज़नेस स्टडीज़ के 39वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि देश के भविष्य को गढ़ने का सबसे बड़ा केंद्र हमारे कॉलेज हैं और छात्र ही देश के सबसे बड़े भाग्यविधाता हैं। मुख्यमंत्री ने न केवल कॉलेज में दाखिला लेने वाले छात्रों को शुभकामनाएं दीं, बल्कि उन्हें शिक्षा की असली भावना को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि 140 करोड़ लोगों में से हर व्यक्ति अगर देश के लिए एक छोटा सा काम भी कर ले, तो भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ देश बनने से कोई नहीं रोक सकता। कार्यक्रम में सांसद श्री योगेंद्र चंदोलिया, विधायक कुलवंत राणा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉलेज की पढ़ाई सिर्फ डिग्री लेने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने विचार, ऊर्जा और सहभागिता के माध्यम से देश की राजनीति और नीति-निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा बनें। साथ ही मुख्यमंत्री ने छात्रों से आग्रह किया कि वे दिल्ली सरकार के स्कूलों से

जुड़ें और वहां पढ़ने वाले वंचित बच्चों के साथ संवाद करें। उन्होंने कहा कि जब आप जैसे छात्र झुग्गियों के बच्चों से जुड़ेंगे, तो उन्हें एक विज़न, एक प्रेरणा मिलेगी। हम सब मिलकर तभी आगे बढ़ सकते हैं जब हम अपने पीछे वालों का हाथ पकड़ें। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अफसोस जताया कि पिछले 15 वर्षों में दिल्ली में एक भी नया कॉलेज नहीं खोला गया। जिसके कारण लाखों छात्रों को दिल्ली से बाहर पढ़ाई के लिए जाना पड़ता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अब यह स्थिति बदलेगी और दिल्ली उच्च शिक्षा का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से शिक्षा को सर्वांगीण विकास का मूल माना गया है और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार निरंतर प्रयास किए जा रही है कि छात्र सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं बल्कि व्यवहारिक नेतृत्व और सामाजिक समझ से भी परिपूर्ण हों।

## नया भारत पहलगाम के अपराधियों को 'मिट्टी में मिलाने' का माद्दा रखता है: मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ

**सीएम योगी ने कहा कि सक्षम भारत की कल्पना को साकार करने में दिव्यांगजनों का भी बड़ा योगदान है।**

एजेंसी

**वाराणसी ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास किया है। नया भारत पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर और दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने का माद्दा रखता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में शनिवार को वाराणसी में आयोजित को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत पावन श्रावण मास में देवाधिदेव महादेव के धाम और अपने संसदीय क्षेत्र काशी में आने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत-अभिनंदन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य,

ब्रजेश पाठक, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, प्रदेश सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सुरेश खन्ना, अनिल राजभर, रविंद्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र 'दयालु' आदि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की काशी में उपस्थिति और उनका मार्गदर्शन सावन महीने के ऐसे समय में हुआ है, जब पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत के सामर्थ्य और शक्ति का अहसास किया है। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन के उपरांत प्रधानमंत्री मोदी का आगमन यहां हुआ है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशवासियों की ओर से मैं उनका स्वागत करता हूं। सीएम योगी ने कहा, 'सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री संसद में इस अविनाशी काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री कहते हैं कि काशी की आत्मा सनातन और आत्मीयता वैश्विक है। काशी 11 वर्ष में नूतन व पुरातन के साथ आध्यात्मिकता व आधुनिकता के नए संगम के रूप में दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनी है।

## इंफाल में अंतरराज्यीय साइबर अपराध गिरोह के दो लोग गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल में अंतरराज्यीय साइबर अपराध गिरोह में शामिल होने के आरोप में असम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ने बताया कि दोनों को शुक्रवार को जिले के खुमन लम्पक इलाके के पास से गिरफ्तार किया। ये लोग कथित तौर पर म्यूल बैंक खातों का उपयोग करके साइबर अपराध गिरोह संचालित कर रहे थे। म्यूल खाते वे बैंक खाते होते हैं जिनका इस्तेमाल साइबर अपराधी गैरकानूनी गतिविधियों से प्राप्त धन को प्राप्त करने और हस्तांतरित करने के लिए करते हैं। उन्होंने बताया कि वे असम के बारपेटा और चिरांग जिलों के निवासी थे। गिरफ्तार किए गए लोग एक आपराधिक गिरोह के सदस्य हैं और उन्हें लोगों के आधार कार्ड तथा बैंक खाते के विवरण जैसे संवेदनशील विवरण एकत्र करने का काम सौंपा गया था।

## आयरलैंड में रह रहे भारतीयों के लिए दूतावास ने जारी की सुरक्षा सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के डबलिन में भारतीय समुदाय के लोगों पर बढ़ते हमलों के कारण, डबलिन स्थित भारतीय दूतावास ने रह रहे भारतीयों के लिए सुरक्षा सलाह जारी की है। यह सलाह विशेष रूप से डबलिन के तलाग्ट उपनगर में एक 40 वर्षीय भारतीय व्यक्ति पर हुए नस्लीय हमले के बाद आई है। हमले में पीड़ित भारतीय नागरिक के चेहरे पर कई बार चाकू से वार हुआ और भारतीय को नग्न करके छोड़ दिया गया था। वह कई घंटों तक बेसहारा पड़ा रहा। घटना को स्थानीय लोगों द्वारा विवेकहीन और नस्ली हिंसा बताया गया है। भारतीय दूतावास ने बताया है कि आयरलैंड में भारतीयों पर हो रहे हमलों में वृद्धि हुई है और वे इस मामले को लेकर आयरिश प्रशासन के संपर्क में हैं। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से सुनसान इलाकों में अकेले जाने से बचने की अपील की है। दूतावास ने भारतीयों के लिए एक आपातकालीन नंबर भी जारी किया है। हमले के बाद पूरे आयरलैंड में विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें भारतीय, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी और आयरिश नागरिकों ने भी हिस्सा लिया और न्याय की मांग की। आयरलैंड ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आयरलैंड में भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्रा ने भी सोशल मीडिया पर इस हमले पर आश्चर्य व्यक्त किया है।

## आईआईटी बॉम्बे के छात्र ने छत से कूदकर की आत्महत्या

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे में पढ़ाई कर रहे 26 वर्षीय एक छात्र ने देर रात छात्रावास की बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या कर ली है। पीड़ित, दिल्ली निवासी रोहित सिन्हा, संस्थान में मेटा साइंस के चौथे वर्ष का छात्र था। घटना कथित तौर पर सुबह करीब 2ः30 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, छात्र ने हॉस्टल की बिल्डिंग की छत से छलांग लगा दी। छात्र को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। पुलिस ने बताया, जब रोहित ने छलांग लगाई, तब हॉस्टल में रहने वाला एक अन्य छात्र छत पर कॉल कर रहा था। पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मृत्यु की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस फिलहाल आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

## शराब के नशे में सपेरे ने मचाया उत्पात.... सांप को गले में डालकर दुकानों में घुसने लगा

मुंबई (एजेंसी)। कल्याणपुर इलाके में एक सपेरा नशे की हालत में था और उसके पास सांप का पिटारा था। सपेरे ने अचानक पिटारा खोलकर एक सांप निकाल और हाथ में लेकर घूमने लगा। वह दुकानों में घुसने की कोशिश करने लगा, जिससे लोग घबरा गए और दुकानदारों ने इसका विरोध शुरु किया। जब दुकानदारों ने सपेरे को दुकान से बाहर निकाला, तब गुस्से में आकर सांप को पास के चौराहे पर खड़ी एक महिला पुलिसकर्मी की ओर उछाल दिया। सांप को अपनी ओर आता देख महिला कॉन्स्टेबल घबराकर दौड़ने लगी। इसके बाद सांप एक अन्य पुलिसकर्मी की ओर बढ़ा, जो घबराकर अपनी बाइक से उतरा और दूर हट गया। घटना के दौरान मौजूद दुकानदारों ने बताया कि सपेरा नशे में था। जब लोगों ने वहां से भगाया, तब सपेरे ने नशे में धुत एक अन्य युवक को पकड़ा और उसके गले में सांप लपेट दिया। यह देखकर आसपास के लोग भी दुकानें छोड़कर बाहर आ गए। हालात बिगड़ते देखने पर सपेरा सांप को वापस पिटारे में बंद करके मौके से फरार हो गया।

## ऑपरेशन मुस्कान-11 के तहत बाल श्रम से आजाद हुए 7,678 बच्चे

**-केंद्रीय गृह मंत्रालय की राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा**

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में ऑपरेशन मुस्कान-11 के तहत जुलाई महीने में 7,678 बच्चों को मुक्त कराया गया, इसमें 6,000 से ज़्यादा बच्चे बाल श्रम में लिप्त थे। यह अभियान केंद्रीय गृह मंत्रालय की राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ) चारु सिन्हा ने बताया कि अभियान में 28 संभागीय टीमों को लगाया गया था। इन टीमों ने विभिन्न कारोबारी प्रतिष्ठानों, निर्माण स्थलों, यातायात जंक्शनों, बस और रेलवे स्टेशनों, धार्मिक स्थलों, ईंट भट्ठों, मैकेनिक की दुकानों और चाय की दुकानों जैसे स्थानों का निरीक्षण किया, जहाँ बच्चों के शोषण का संदेह था।

ऑपरेशन मुस्कान-11 के तहत कुल 7,678 बच्चों को बचाया गया, जिसमें 7,149 लड़के और 529 लड़कियाँ शामिल हैं। इन बच्चों में 12 राज्यों के बच्चे शामिल थे, और नेपाल के 14 बच्चे भी मिले हैं, जो इस समस्या के सीमा पार होने का संकेत देता है। बचाए गए बच्चों में से 673 तेलंगाना के मूल निवासी थे, जबकि 560 अन्य राज्यों के थे। इस अभियान के दौरान 1,713 प्राथमिकी दर्ज की गईं और 1,718 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इतना ही नहीं 6,593 बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया गया, जबकि 1,049 बच्चों को आश्रय गृहों में भेजा गया। अवैध बाल श्रम में लिप्त नियोक्ताओं के खिलाफ 55 प्राथमिकी दर्ज की गईं। 939 मामले दर्ज किए गए और उल्लंघनकर्ताओं पर 47,75,921 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

# महाकुंभ के दौरान दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ की वजह बना यात्री का बैग

**– रेलमंत्री ने संसद को बताया कैसे हुआ हादसा**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रयागराज महाकुंभ मेले के दौरान दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मची थी जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई थी। भगदड़ को लेकर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद को बताया है कि एक यात्री के सिर से बड़ा बैग गिरने की वजह से वह हादसा हुआ, जिसमें 18 लोगों की जान चली गई। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रात के समय मची इस भगदड़ में 4 बच्चों और 11 महिलाओं की भी मौत हुई थी। मंत्री ने समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन की ओर से पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि 15 फरवरी को हुए दुखद हादसे की उच्च स्तरीय जांच समिति ने पाया कि एक यात्री के सिर से सामान गिरना भगदड़ की प्राथमिक वजह बनी।

प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में सवार होने के लिए हजारों लोग रेलवे स्टेशन पर पहुंचे थे। रात करीब 9ः30 बजे के बीच प्लैटफॉर्म 14-15 को जोड़ने वाली सीढ़ी पर भगदड़ मची। वैष्णव ने संसद में दिए जवाब में बताया, एक यात्री के सिर से भारी सामान गिरा, जिससे दबाव प्लेटफॉर्म 14/15 की सीढ़ियों पर आ गया और यात्री गिरने लगे। फुटओवर ब्रिज 3 पर यह हादसा हुआ था। पोस्टमार्टम जांच के अनुसार पीड़ितों की मौत ट्रॉमैटिक एस्फिक्सिया (दम घुटने) से हुई। जांच समिति ने पाया कि भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे लेकिन 8ः15 बजे के बाद फुट ओवर ब्रिज पर यात्रियों की संख्या बहुत बढ़ गई थी। कई यात्रियों के सिर पर भारी सामान थे, जिसकी वजह से 25 फुट चौड़ी फुटओवरब्रिज पर आवाजाही में रुकावट हो रही थी। घटना के बाद एचटी ने रेलवे रिकॉर्ड्स के हवाले से बताया था कि शाम छह बजे से ही 1500 प्रति घंटे के हिसाब से 7600 अनारक्षित टिकट बेचे गए थे।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ मुंबई में 2017 की घटना के बाद सबसे बड़ी है। मुंबई के एलफिंस्टन रोड भगदड़ कांड में 23 लोग मारे गए थे। फरवरी में हुई भगदड़ के बाद सरकार की बहुत आलोचना हुई और भीड़ नियंत्रण के इंतजाम को लेकर सवाल उठे। रेलमंत्री ने संसद को बताया कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए भीड़भाड़ वाले 73 स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के उपाय लागू

मंत्री ने कहा कि इन स्टेशनों के बाहर स्थायी होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और गाजियाबाद में पायलट प्रॉजेक्ट चल रहे हैं। यात्रियों को तभी प्लैटफॉर्म पर जाने की अनुमति दी जाएगी जब ट्रेन आ जाएगी, जिससे स्टेशन एरिया में भीड़ कम रखने में

मदद मिलेगी। मंत्री ने बताया कि 73 स्टेशनों पर कंप्लीट एक्सेस कंट्रोल की शुरुआत की जाएगी। कंफर्म टिकट वाले यात्रियों को सीधे प्लैटफॉर्म पर जाने दिया जाएगा, जबकि बिना टिकट और अनारक्षित टिकट वाले यात्रियों को एक निश्चित क्षेत्र में रोका जाएगा। सभी अवैध रास्ते बंद किए जाएंगे। सभी स्टेशनों पर चौड़े फुटओवर ब्रिज बनाए जाएंगे।

## झारखंड के मंत्री रामदास सोरेन बाथरूम में फिसलकर गंभीर रूप से घायल

**रांची (एजेंसी)।** झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन शनिवार सुबह अपने आवास के बाथरूम में फिसलकर गिर गए, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। उन्हें पहले जमशेदपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच में पाया कि उनके दिमाग में खून का थक्का जम (ब्लड क्लॉट) गया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मीडिया को बताया कि सोरेन की हालत स्थिर बनी हुई है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली स्थित अस्पताल में एयरलिफ्ट कर भेजा जा रहा है। अंसारी ने कहा, कि मैं खुद लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए हूं। डॉक्टरों के मुताबिक सिर में गंभीर चोट के कारण खून का थक्का बना है, जिसे लेकर सतर्कता जरूरी है। सूत्रों के अनुसार, रामदास सोरेन सुबह के समय निजी निवास के बाथरूम में अचानक फिसल गए थे। इसके बाद परिवार और सहयोगियों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर लेकिन गंभीर बताई जा रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय भी उनके स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए है और राज्य सरकार की ओर से हरसंभव चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। राज्य के साथ ही देशभर में मौजूद तमाम शुभचिंतक उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

## ट्रंप सरकार में हर रोज अमेरिका से 8 भारतीयों को वापस भेजा जा रहा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद पर संभालते ही अमेरिका से भारतीय नागरिकों की वापसी (डिपोर्टेशन) में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 के पहले सात महीनों में ही 1,703 भारतीयों को अमेरिका से जबरन भारत भेजा गया, यानी हर दिन औसतन आठ भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। यह आंकड़ा बाइडेन सरकार और ट्रंप के पहले कार्यकाल के अंतिम वर्ष की तुलना में तीन गुना ज्यादा है। 2025 में डिपोर्ट किए गए 1,703 भारतीयों में से 90त्न केवल 5 राज्यों से हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक पंजाब से 620 फिर हरियाणा के 604, गुजरात के 245. उत्तर प्रदेश के 38 और गोवा के 26 लोग भारत वापस भेजे गए। अन्य राज्यों में यह संख्या काफी कम रही। जैसे कि महाराष्ट्र और दिल्ली से 20-20, तेलंगाना के 19, तमिलनाडु के 17, आंध्र प्रदेश व उत्तराखंड के 12-12 और कर्नाटक के मात्र 5 लोग वापस भेजे गए हैं। इन आंकड़ों देखते हुए विदेश मंत्रालय ने अमेरिका से अपील की है कि डिपोर्टेशन की प्रक्रिया मानवीय होनी चाहिए। मंत्रालय ने महिलाओं और बच्चों पर बेड़ियों के इस्तेमाल तथा धार्मिक-सांस्कृतिक संवेदनशीलता के उल्लंघन पर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ÷हम अमेरिकी अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं और अपेक्षा करते हैं कि भारतीय नागरिकों के साथ गरिमामयी व्यवहार किया जाए।

रिपोर्ट में विदेश मंत्रालयय के हवाले से कहा है कि 2025 में अब तक 1,703 भारतीयों को विभिन्न माध्यमों से डिपोर्ट किया गया, जिसमें से 864 लोग चार्टर्ड और सैन्य विमानों से वापस भेजे गए। फरवरी में 333 भारतीयों को तीन अलग-अलग तारीखों को अमेरिकी सीमा सुरक्षा बल ने भेजा। अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट ने मार्च और जून में 231 नागरिकों को चार्टर्ड फ्लाइट से भेजा। वहीं, डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने जुलाई में 300 लोगों को दो फ्लाइट्स से भारत भेजा। 747 भारतीयों की वापसी व्यावसायिक फ्लाइट्स के माध्यम से व्यक्तिगत या छोटे समूहों में हुई। पनामा से भी 72 लोगों की वापसी भी इसी दौरान हुई। ये अमेरिका में अवैध रूप से घुसने की कोशिश में पकड़े गए थे। डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने 2025 की शुरुआत से ही आव्रजन नीति को कड़ा करते हुए अवैध प्रवासियों और वीजा शर्तों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। 26 जून को अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि वीजा मिलने के बाद भी निगरानी जारी रहती है। नियमों का उल्लंघन करने पर वीजा रद्द कर डिपोर्ट किया जा सकता है। इसके साथ ही अमेरिकी सरकार ने चेतावनी दी है कि अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने पर गिरफ्तारी, डिपोर्टेशन और भविष्य में वीजा पर स्थायी प्रतिबंध लगेगा।

# चुनाव आयोग का तेजस्वी को पलटवार, आंख खोलकर देख लो... सूची में अपना नाम

**–बीजेपी का तंज, आपकी काबिलियत पर पूरे बिहार और हम सभी को शंका**

**पटना (एजेंसी)।** राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने दावा किया कि उनका नाम इलेक्शन कमीशन द्वारा बिहार के लिए जारी ड्राफ्ट वोटर सूची में नहीं है। तेजस्वी ने कहा, मैंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान गणना फॉर्म भरा था। लेकिन अब ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मेरा नाम नहीं है। मैं आगामी विधानसभा चुनाव कैसे लड़ूंगा? तेजस्वी ने कहा कि उन्होंने आयोग के पोर्टल पर अपना ईसीआईपी इलेक्ट्रॉनिक इलेक्टोरल फोटो पहचान पत्र) नंबर आरएबी2916120 डालकर सर्च करने पर कोई रिकॉर्ड नहीं हैं ऐसा लिखा आ रहा है।

हालांकि, चुनाव आयोग ने तेजस्वी के दावे का फैक्ट चेक कर बताया कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में उनका नाम शामिल है। आयोग ने इसके लिए बाकयदा मतदाता सूची का वह प्रारूप भी जारी किया है, जिसमें तेजस्वी की फोटो के साथ उनका नाम, उम्र, पिता का नाम, मकान संख्या दर्ज है। राजद नेता के आरोपों पर चुनाव आयोग ने फौरन डेटा शेयर कर कहा, तेजस्वी ने आरोप लगाया कि उनका नाम वोटर लिस्ट से काट दिया गया है। हमारे द्वारा लिस्ट शेयर की है और उनसे अनुरोध कर रहे हैं कि वे ध्यान से अपना नाम देख लें। आयोग ने जो रिकॉर्ड

शेयर किया उसमें तेजस्वी यादव का ईसीआईपी नंबर आरएबी 0456228 था। आयोग द्वारा शेयर किए गए ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में तेजस्वी यादव का नाम सीरियल नंबर 416 पर दर्ज दिखाई दिया।

तेजस्वी के दावे का आयोग द्वारा फैक्ट चेक होने के बाद बीजेपी नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उन पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, तेजस्वी आपकी योग्यता पर मुझे ही नहीं, आपके परिवार और पूरे बिहार को भी शंका है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में अपना नाम खोजना आपके लिए बहुत मुश्किल लग रहा होगा। आपका नाम ससम्मान पिताजी के साथ दर्ज है, आप देख सकते हैं। भ्रामक और फर्जीवाड़े की दुकानदारी बंद करे। राजद का भ्रम और डर दोनों बार-बार बोगस साबित हो रहा है।

चुनाव आयोग के मुताबिक बिहार में एसआईआर प्रक्रिया 1 सितंबर, 2025 को फाइनल वोटर सूची प्रकाशित होने के साथ समाप्त होगी। यानी जो ड्राफ्ट वोटर लिस्ट आयोग ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड की है, वह फाइनल नहीं है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने आश्वासन दिया है कि बिहार के सभी मतदाताओं और राजनीतिक दलों को संशोधित वोटर लिस्ट पर 1 अगस्त से 1 सितंबर तक दावे और आपत्तियां देने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

सीईसी ने कहा कि बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन अधिकारी (ईआरओएस) राज्य में मतदाताओं या किसी भी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को 1 अगस्त से 1 सितंबर तक आगे आकर ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने और हटाने तथा मतदाताओं से जुड़ी जानकारी में सुधार के लिए दावे और आपत्तियां देने के लिए आमंत्रित करेगा। अगर तेजस्वी यादव का नाम सही में वोटर लिस्ट में नहीं होता, तब भी उन्हें इस गलती को ठीक कराने के लिए दो महीने का समय मिलता। बिहार में 24 जून से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया के बाद अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी। चुनाव आयोग ने 27 जुलाई को बताया था कि बिहार में मतदाता सूची में पंजीकृत 91.69 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने गणना फॉर्म जमा कर दिए हैं और 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाले ड्राफ्ट में उनका नाम शामिल होगा। चुनाव आयोग ने कहा कि 24 जून, 2025 तक 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं ने गणना फॉर्म जमा कर दिए थे, जो एसआईआर प्रक्रिया में लोगों की भारी भागीदारी का संकेत है। इसका मतलब है कि 65 लाख मतदाताओं के नाम 1 अगस्त की मसौदा सूची में शामिल नहीं होगा। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदाता सूची में नाम न होने के कारणों में मतदाता की मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत होना शामिल है।

## जम्मू-कश्मीर में केंद्र की नीति पूरी तरह विफल, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती का भाजपा पर भाजपा पर निशाना

**श्रीनगर (एजेंसी)।** अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण की छठी वर्षगांठ से पहले, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीनने की नीति पूरी तरह विफल हो गई है। शनिवार को जम्मू में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, मुफ्ती ने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को पूरे छह साल बीत चुके हैं। उस समय, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीन लिया गया था और अनुच्छेद 370 को इस दावे के साथ रद्द कर दिया गया था कि जम्मू-कश्मीर में सब कुछ ठीक हो जाएगा। लेकिन हमने देखा है कि यह नीति पूरी तरह विफल रही है।

मुफ्ती ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में आंतरिक स्थिति सुधरने के बजाय और बिगड़ गई है, और उन्होंने सुरक्षा बलों की लगातार हो रही कार्रवाई की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आंतरिक स्थिति खराब है। पिछले छह सालों से रोज़ाना गिरफ़्तारियाँ हो रही हैं। जम्मू-कश्मीर में हालात पहले से भी बदतर हो गए हैं, हालाँकि आज लोग चुप हैं। यही वजह है कि हमारा देश पाकिस्तान से टकराव की स्थिति में आ गया है। पाकिस्तान की हैसियत क्या है? उनकी अर्थव्यवस्था हमारी अर्थव्यवस्था का दसवाँ हिस्सा भी नहीं है, फिर भी आज पूरी दुनिया हमारी तुलना उनसे कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा की आक्रामक नीति और क्षेत्रीय कूटनीति पर इसके व्यापक प्रभाव की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से, भाजपा ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि आज सभी समूह कह रहे हैं, आप युद्धविराम पर क्यों सहमत हुए? यह भाजपा की आक्रामक नीति है। अगस्त 2019 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया, जिससे जम्मू और कश्मीर को दिया गया विशेष दर्जा प्रभावी रूप से समाप्त हो गया और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया।अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित करने के बाद से जम्मू और कश्मीर में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की ओर से राज्य का दर्जा बहाल करना एक प्रमुख मांग रही है।

## अब पश्चिम बंगाल में होगा वोटर लिस्ट में सुधार, सियासी हलचल हुई शुरु

**कोलकाता (एजेंसी)।** बिहार में वोटर लिस्ट सुधार को लेकर चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर विवादों के बाद अब पश्चिम बंगाल में भी सियासी पारा चढ़ने के आसार हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी का यह निर्देश ऐसे समय आया है, जब राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और चुनावी तैयारियों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो चुकी है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या बिहार की तरह बंगाल में भी चुनाव आयोग की इस कार्रवाई से सियासी बवाल मचने वाला है?

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल ने शुक्रवार को सभी राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) की लिस्ट जल्द भेजने को कहा है, जिससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की जा सके। चुनाव आयोग के नए निर्देशों के अनुसार, किसी भी वोटर का नाम वोटर लिस्ट से हटाने से पहले संबंधित बूथ लेवल एजेंट की सहमति अनिवार्य होगी। यानी अब कोई भी नाम मनमाने ढंग से

सूची से हटाया नहीं जा सकेगा। यह फैसला मतदाता सूची में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। पिछले कुछ चुनावों में टीएमसी और चुनाव आयोग के बीच तनातनी के कई उदाहरण सामने आए हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस नई प्रक्रिया को किस तरह लेती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार की तर्ज पर पश्चिम बंगाल में भी अब मतदाता सूची पर राजनीतिक टकराव तेज हो सकता है। खासकर तब जब ममता बनर्जी सरकार अक्सर चुनाव आयोग पर तटस्थता को लेकर सवाल उठाती रही है। टीएमसी पहले ही आरोप लगाती रही है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और इस तरह के फैसले बंगाल में राजनीतिक संतुलन को बिगाड़ सकते हैं।

माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में बूथों की कुल संख्या 80,000 से बढ़कर 1 लाख से अधिक हो सकती है। इसका मतलब यह है कि अब राजनीतिक दलों को हर नए बूथ के लिए भी एक स्थानीय मतदाता को बीएलए के तौर पर नियुक्त करना होगा, जो न सिर्फ चुनावी प्रबंधन बल्कि नाम हटाने या जोड़ने जैसे कामों पर भी नजर रखेगा। इस प्रक्रिया से टीएमसी समेत सभी दलों पर अतिरिक्त प्रशासनिक दबाव बनेगा, क्योंकि बीएलए वही व्यक्ति हो सकता है जो उस बूथ का रजिस्टर्ड वोटर हो। इससे न केवल मानव संसाधन की चुनौती बढ़ेगी बल्कि बूथ लेवल पर राजनीतिक मुकाबला भी और तीखा हो सकता है। चुनाव आयोग के इस फैसले से बंगाल की राजनीति में नई खींचतान की शुरुआत हो सकती है। अब ममता बनर्जी के लिए यह चुनौतीपूर्ण वक्त है कि वह कैसे अपने संगठन को तेजी से पुनर्गठित करती हैं और नए बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्ति सुनिश्चित करती हैं। साथ ही यह भी देखना होगा कि क्या यह प्रक्रिया निष्पक्ष ढंग से आगे बढ़ती है या राजनीतिक विवादों में उलझ जाती है।

# ऐसा ही चलता रहा तो एक दिन हिमाचल प्रदेश नक्शे से गायब हो जाएगा

**–सुप्रीम कोर्ट ने कहा– आपदाओं के लिए प्रकृति नहीं, बल्कि इंसान जिम्मेदार**

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** बारिश के मौसम में पहाड़ी राज्यों में पर्यटकों की भीड़भाड़ उमड़ रही है। पहाड़ों में ज्यादातर टूरिस्ट स्पॉट्स पर सालभर लोग नजर आते हैं। बढ़ते पर्यटकों के बोझ का असर पहाड़ी राज्यों पर पड़ रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश को लेकर एक अहम टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से कहा है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो एक दिन हिमाचल प्रदेश देश के नक्शे से गायब हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को याद दिलाते हुए कहा कि सिर्फ टैक्स वसूलना पर्यावरण के मुद्दे से ऊपर नहीं हो सकता। कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश में बेरोकटोक तेजी से हो रहे निर्माण और पर्यटकों की बढ़ती तादाद पर चिंता जताई। इस मामले में जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेव की पीठ ने सुनवाई की। पीठ ने कहा कि पिछले कुछ सालों में राज्य ने कई प्राकृतिक आपदाएं झेली हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बाढ़, पहाड़ों और जमीन के लगातार खिसकने, घरों और इमारतों के ढहने के लिए प्रकृति नहीं, बल्कि इंसान जिम्मेदार हैं। इन घटनाओं में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है, लेकिन इसके लिए प्रकृति को दोष देना ठीक नहीं है। केंद्र और राज्य सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करके इसे रोकना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा कि प्रकृति ने हिमाचल प्रदेश को प्रचुर सौंदर्य दिया है। इसका फायदा उठाकर सरकार ने इसे पर्यटन स्थल के रूप में प्रचारित किया और अब फोर लेन वाली सड़कों का निर्माण किया जा रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सड़कों के निर्माण के लिए पहाड़ काटे जा रहे हैं। इसके लिए भारी मशीनरी और विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है। इससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ने लगा है। कोर्ट ने कहा कि हम राज्य सरकार और भारत संघ को यह समझाना चाहते हैं कि राजस्व कमाना ही सब कुछ नहीं है। पर्यावरण और पारिस्थितिकी की कीमत पर राजस्व नहीं कमाया जा सकता। अगर हालात आज की तरह ही चलते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब पूरा हिमाचल हवा में साफ हो जाएगा।

## दुकान खाली करवाने के विवाद में तीन भाइयों पर गोलीबारी

नई दिल्ली। हजरत निजामुद्दीन इलाके में शुक्रवार देर रात दुकान खाली करवाने के विवाद में कुछ लोगों ने तीन भाइयों पर गोलीबारी कर दी। गोली लगने से एक भाई घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल युवक की पहचान फुरकान (32) के रूप में हुई है। फुरकान दो भाइयों वसीम व अब्दुल खालिद के साथ निजामुद्दीन में परफ्यूम की दुकान चलाता है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। भागे हुए अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने बताया कि हजरत निजामुद्दीन पुलिस को शुक्रवार रात गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। जांच में पता चला कि बदमाशों ने यहां दुकानदार भाइयों पर पांच गोलियां चलाई है जिसमें फुरकान के पैर में एक गोली लगी है। शुरुआती जांच में पता चला कि दुकान खाली करवाने के विवाद में गोलियां चलाई गई। छानबीन के दौरान पुलिस को मौके से दो कारतूस व दो खोखे मिले। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया है। फुरकान ने अपनी दुकान एहसान नाम के एक शख्स को किराये पर दी थी। करीब 15 दिन पहले फुरकान ने दुकान खाली करवा ली। इसी बात को लेकर उन दोनों के बीच विवाद चल रहा था। शुक्रवार की रात को फुरकान का भाई वसीम व एक अन्य निजामुद्दीन मरकज के सामने मौजूद था। इसी दौरान एहसान अपने साथियों के साथ वहां पर पहुंचा और झगड़ा करने लगा। इसी दौरान आरोपियों ने पिस्टल निकालकर गोलियां चलाना शुरू कर दी।

### सीआरपीएफ का असिस्टेंट कमांडेंट बताकर बुजुर्ग से ठगी

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिले में सीआरपीएफ का असिस्टेंट कमांडेंट बताकर एक बुजुर्ग से ठगी की गई। आरोपी ने फेसबुक मैसेंजर पर अपना जम्मू कश्मीर तबादला होने की बात कही और फिर घरेलू सामान कम कीमत में बेचने का झांसा दिया था। बुजुर्ग के हामी भरने पर आरोपी ने उनसे अपने बैंक खाते में 50 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। सामान नहीं आने पर बुजुर्ग को ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने उत्तरी-पश्चिमी जिला साइबर सेल में शिकायत दे दी।

# राजा गार्डन से पानी निकासी कराने पहुंची मेयर, अंबाला से सुपर सकर मशीन मंगाकर कराई

यमुनानगर। वार्ड नंबर 16 के राजा गार्डन में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए नगर निगम की टीम दो दिन से लगातार कार्य कर रही है। शुक्रवार को मेयर सुमन बहमनी ने निगम अधिकारियों के साथ राजा गार्डन कॉलोनी का जायजा लिया। निरीक्षण में यहां नाला जाम होने व वार्ड 20 समेत अन्य वार्डों का बरसाती पानी आने से जलभराव होता मिला। मेयर से नाले की स्लैब हटवाकर पानी की निकासी कराई। इसके अलावा निचली सतह पर जमा पानी की निकासी के लिए अंबाला से सुपर शकर मशीन मंगवाई। जिसके द्वारा राजा गार्डन से पानी की निकासी कराई जा रही है। मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जब तक कॉलोनी से पूरे पानी की निकासी न हो जाए, तब तक पानी निकासी कराने का कार्य लगातार जारी रखें। दो दिन से हो रही बारिश के चलते वार्ड नंबर 16 के राजा गार्डन में जलभराव हो गया था। पार्षद संदीप धीमान की सूचना पर बुधवार रात को ही नगर निगम की टीम पानी निकासी कराने पहुंची। उसी रात मेयर ने भी मौका निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए थे। तब से निगम की टीम पानी निकासी कराने में जुटी हुई थी। शुक्रवार को फिर मेयर सुमन बहमनी, पार्षद संदीप धीमान,

एक्सईएन विकास धीमान, एमई सुरेंद्र दहिया, सीएसआई अनिल नैन अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंची। मेयर सुमन बहमनी ने अधिकारियों के साथ कॉलोनी का जायजा लिया। जांच में सामने आया कि जहां पानी जमा है, वहां काफी समय से नाले की सफाई नहीं हुई। नाले में कई जगह मिट्टी व गंदगी भरी हुई थी। जिससे पानी की निकासी रुकी हुई थी। मेयर सुमन बहमनी ने जेसीबी के माध्यम से पानी निकासी के इंतजाम कराए। नाले पर लगी स्लैब को हटवाकर सफाई कराई। जिससे कुछ पानी की निकासी हुई। इसके बाद मेयर ने अंबाला नगर निगम से सुपर सकर मशीन मंगवाई। दोपहर बाद अंबाला से मशीन पहुंची और पानी की निकासी में जुट गई। देर शाम तक नगर निगम सीएसआई अनिल नैन व अभियंता शाखा की टीम पानी निकासी कराने में जुटी हुई थी। मेयर सुमन बहमनी ने अभियंता शाखा के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अंडरग्राउंड नालों के चैंबर बनाए, ताकि नाले जाम न हो। वहीं, सफाई अधिकारियों को नियमित सफाई करने के निर्देश दिए। मेयर बहमनी ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर को साफ, सुंदर व स्वच्छ बनाने का कार्य किया जा रहा है। बारिश में जलभराव होने पर उसका भी समाधान किया जा रहा है। शहर में जलभराव के स्थाई समाधान के लिए भी योजना तैयार की जा रही है। बारिश में जलभराव की स्थिति न हो, इसके लिए वह खुद नालों के निरीक्षण कर सफाई करवा रहे हैं। निरीक्षण में देखने को मिल रहा है कि कुछ शहरवासी जलभराव की समस्या पैदा करने में खुद जिम्मेदार है। कुछ लोग नालों में ही गद्दा, रजाई, बोरिया, बैग, लकड़ी व अन्य ठोस कचरा डालते है। जिससे नाले व सीवरेज जाम व ब्लॉक होते है। कुछ लोगों द्वारा नालों पर ही कब्जा किया हुआ है, जिससे वहां से पानी पूरी तरह से नहीं निकल पा रहा है। लोगों से अपील है कि वे कचरा नालों, खुले में व खाली प्लाटों में न डालकर नगर निगम के डोर टू डोर आने वाले वाहनों में ही डाले। सभी शहरवासी यह आदत बनाए। ऐसा करने से हमारा शहर भी सुंदर, साफ, स्वच्छ बनेगा और हमें जल निकासी की समस्या से भी जूझना नहीं पड़ेगा। सभी नागरिक अपने आसपास के एरिया को साफ रखें। इससे हम स्वच्छ बनेंगे और बीमारियों से बचे रहेंगे।

# कृषि मंत्री के शिष्ट व्यवहार व बातचीत से बढ़ा मनोबल और मिली नई ऊर्जा- प्रगतिशील किसान

यमुनानगर। हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है और यही कारण है कि हमारा प्रदेश कृषि उत्पादन के क्षेत्र में देश में अव्वल स्थान पर है। त्याग और तपस्या का दूसरा नाम है किसान और यह बात हरियाणा के मेहनती किसान पर बेहतर लागू होती है। किसान देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता, किसान को अन्नदाता बनाती है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश की भाजपा सरकार किसान की समस्याओं से भली-भांति परिचित है। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा बताया कि केन्द्र व प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा मन की बात कार्यक्रम में दो बार जिक्र किए गए जिला प्रगतिशील किसान हाफिजपुर निवासी सुभाष काम्बोज और राष्ट्रपति से सम्मानित एवं

मल्टीपर्पज फूड प्रोसेसिंग मशीन के आविष्कारक गांव दामला निवासी प्रगतिशील किसान धर्मबीर को अपने चण्डीगढ़ आवास पर विशेष मेहमान के तौर पर एक दिन के लिये ठहराया। कृषि मंत्री ने न सिर्फ इन प्रगतिशील किसानों का आतिथ्य सत्कार किया, बल्कि उनके साथ बैठकर जलपान, भोजन और सुबह की सैर भी की। इस दौरान उन्होंने किसानों से उनके अनुभव सांझा किए और गांव के विकास से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने प्रगतिशील सुभाष काम्बोज और धर्मवीर काम्बोज की सराहना की। उन्होंने अन्य किसानों को खेती से अधिक से अधिक आमदनी प्राप्त करने एवं किसान की मदद करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह पहल दर्शाती है कि हरियाणा सरकार किसानों को कितना महत्व देती है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने को लेकर गंभीर है। सरकार की इन योजनाओं से नवयुवकों को रोजगार के अवसर मिल रहे है और वें प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। प्रगतिशील किसान सुभाष काम्बोज एवं धर्मबीर ने बताया कि प्रदेश के कृषि मंत्री के शिष्ट व्यवहार व बातचीत से उनका मनोबल बढ़ा है और उन्हें नई ऊर्जा मिली है। इस मौके पर प्रगतिशील किसान धर्मबीर ने कृषि मंत्री से कहा कि उनके द्वारा बनाई गई मल्टीपर्पज फूड प्रोसेसिंग मशीन पर हरियाणा सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाए। उसी प्रकार यदि उत्तर प्रदेश सरकार भी इस मशीन पर अनुदान प्रदान करें तो इससे उत्तर प्रदेश के किसानों को इसका लाभ मिल सकेगा। वही सुभाष काम्बोज ने मंत्री जी को मधुमक्खी पालकों को आ रही समस्याओं को हर तरह से अवगत करवाया और मधुमक्खी पालन में सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं की सराहना की।

# जटिल मामलों में भी सफल होगा कॉर्निया प्रत्यारोपण

नई दिल्ली। अब जटिल मामलों में भी कॉर्निया प्रत्यारोपण सफल होगा। कई मामलों में सर्जरी के बाद भी मरीज को पूरा आराम नहीं मिल पाता। ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए तकनीक में सुधार किया जा रहा है। साथ ही पुरानी तकनीक में कुछ बदलाव किए गए हैं जिससे सर्जरी की सटीकता बढ़ी है, साथ ही परिणाम बेहतर हुए हैं। दरअसल, आंखों से जुड़े रोगों को दूर करने के लिए इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केरेटोरेफ्रेक्टिव सर्जन्स ने दिल्ली में वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें देश-विदेश से आए चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों ने अपने शोध रखे। साथ ही कॉर्निया और अपवर्तक सर्जरी में बदलाव के बारे में बताया। सम्मेलन में कॉर्निया से संबंधित विकार, अपवर्तक त्रुटियां और उनके उचित शल्य चिकित्सा और गैर-शल्य चिकित्सा उपचार, जटिल मोतियाबिंद सर्जरी, कॉर्निया प्रत्यारोपण, स्टेम सेल प्रत्यारोपण और विभिन्न नई तकनीकों और प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की। इस मौके पर एम्स के डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र के प्रोफेसर डॉ. राजेश सिन्हा ने बताया कि कई मामलों में कॉर्निया प्रत्यारोपण फेल हो जाता है। ऐसी सर्जरी में होने वाली कमी पर चर्चा की गई। साथ ही कमी को दूर करने के लिए नई तकनीक पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि कॉर्निया से जुड़े रोग किसी भी उम्र में हो सकते हैं। इसके क्षतिग्रस्त होने के पीछे चोट, संक्रमण, और कुछ बीमारियां कारण हो सकती हैं। दूरदराज से आने वाले मामलों में बैक्टीरिया, वायरस या फंगस के कारण होने वाला संक्रमण बड़ा कारण है। इसे केराटाइटिस भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि यदि मरीज ध्यान रखें और लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल आए तो ऐसी समस्याओं को कम किया जा सकता है। नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और प्रौद्योगिकियों व विभिन्न रोगों के प्रबंधन के प्रोटोकॉल को तैयार करने का निर्णय लिया गया। इसमें कॉर्निया प्रत्यारोपण के परिणामों को कैसे बेहतर बनाया जाए, ग्राफ्ट अस्वीकृति को कैसे रोका जाए और ग्राफ्ट अस्वीकृति के जोखिम को कैसे कम किया जाए इस पर भी चर्चा की गई। साथ ही स्टेम सेल प्रत्यारोपण के लाभ और विभिन्न प्रतिरक्षा-मध्यस्थ रोगों में इम्यूनोसप्रेसिव और इम्यूनोमॉड्यूलेटर की भूमिका के बारे में भी बताया गया। सम्मेलन में बढ़ते स्क्रीन टाइम पर विशेष रूप से चर्चा की गई। बताया गया कि कोरोना महामारी के बाद से लंबे समय तक लोग स्क्रीन के सामने रहते हैं खासकर बच्चे। कोरोना महामारी में बच्चों का स्कूल फोन पर चला जिससे आंखों में समस्या बढ़ी।

## हरियाणा मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जाति की मृतक महिला के आश्रित को अनुकंपा आधार पर नियुक्ति को दी मंजूरी

चंडीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहाँ हुई मंत्रिमंडल की बैठक में सत्र न्यायालय, रोहतक द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में, अनुसूचित जाति की एक मृतक महिला के आश्रित पुत्र को अनुकंपा आधार पर नियुक्ति प्रदान करने को घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। यह मामला अनुसूचित जाति की महिला श्रीमती मुकेश देवी से संबंधित है जो गाँव लिजावाना, तहसील जुलाना, जिला जींद की निवासी थी। एक दुखद घटना में उसकी हत्या कर दी गई और उसका जला हुआ शव रोहतक जिले के जसिया गाँव के पास बरामद हुआ। घटना के बाद, 2016 में भारतीय दंड संहिता और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। रोहतक स्थित सत्र न्यायालय ने अपने निर्णय में राज्य सरकार को मृतक के दो आश्रितों को स्वीकार्य महंगाई भत्ते के साथ 5,000 रुपये की मूल मासिक पेंशन प्रदान करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि मृतक के परिवार के एक सदस्य को राज्य सरकार द्वारा रोजगार दिया जाए। न्यायालय के आदेशों की अनुपालना में इसे एक विशेष केस मानते हुए, मृतक के पुत्र राजू, जिसने अपनी 12वीं कक्षा की शिक्षा और कंप्यूटर शिक्षा प्रोग्राम पूरा कर लिया है, को 2 मई, 2025 को सेवा विभाग, हरियाणा में उपलब्ध क्लर्क के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है।

## परीक्षा शुरू होते ही निरीक्षण के लिए परीक्षा केंद्र पहुंचे आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह

चंडीगढ। सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के दूसरे दिन हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने आज प्रात:परीक्षा शुरू होते ही गौड़ ब्राह्मण सेंट्रल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पहुंच कर परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। परीक्षा केंद्र के निरीक्षण के दौरान रोहतक के उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह भी उनके साथ रहे।आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह व उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों व ड्यूटी देने वाले स्टाफ से भी बातचीत की। परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर दोनों अधिकारियों ने संतुष्टि जताई। चेयरमैन हिम्मत सिंह इससे उपरांत सामान्य बस स्टैंड रोहतक भी पहुंचे। यहां उन्होंने परिवहन व्यवस्था का भी जायजा लिया । परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों से बातचीत भी की। उन्होंने स्वयं अभ्यर्थी बनकर सेवा डायल 112 पर फोन किया। दूसरी ओर से उन्हें सकारात्मक जवाब मिला तो वे इस सुविधा को लेकर भी संतुष्ट हो गए और मौके पर मौजूद विद्यार्थियों से कहा कि वे भी इस तरह की सेवाओं का प्रयोग किया करें। इसके अलावा उन्होंने स्थानीय राजीव गांधी खेल स्टेडियम में जाकर शटल बस सेवा का भी निरीक्षण किया।

# कल्याणकारी राज्य की परिकल्पना के अनुरूप कार्य करें प्रशासन- भगवान दास कबीरपंथी

यमुनानगर। जिला सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में विधानसभा समिति द्वारा अनुसूचित जातियों, जनजातियों एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण के हितों में चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक की अध्यक्षता यमुनानगर विधानसभा समिति के अध्यक्ष एवं नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने की। बैठक में अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए विधानसभा समिति के अध्यक्ष एवं नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि हरियाणा विधानसभा में गठित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए विधानसभा समिति गठित की है। इसी कड़ी में इन जातियों के लोगों के उत्थान के लिए समय-समय पर सरकार की योजनाएं जो धरातल पर चल रही योजनाओं के बारे संबंधित विभागों के अधिकारियों से विस्तार विधानसभा समिति की कमेटी द्वारा जानकारी ली जाती है। उन्होंने कहा कि विधानसभा समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों की जिम्मेदारी है कि संविधान एवं कानून के दायरे में रहते हुए इन वर्गों के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं का समय-समय पर अवलोकन व निरीक्षण करें ताकि इन वर्गों के लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिल सकें। विधानसभा समिति के अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश और जनता के हितों को ध्यान में रखकर पूरे प्रदेश का बजट पारित किया जाता है, बजट के इस पैसे का सही तरीके से इस्तेमाल हो और जो व्यक्ति इसके योग्य है, उन तक इसका लाभ पहुंचे। इसके लिए कमेटियों का गठन किया जाता है। इसलिए आज विधानसभा समिति की कमेटी संबंधित विषयों का अवलोकन करने के लिए यमुनानगर में बैठक का आयोजन किया गया है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से इन वर्गों से जुड़े विषयों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित जानकारी कि अनुसूचित जाति, जन जाति एवं पिछड़ा वर्गों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उन तक पहुंच रहा है, के बारे

विस्तार से देंगे। विधानसभा समिति की बैठक में पुलिस विभाग से संबंधित जानकारी पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने दी। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक को कहा कि वे इन वर्गों के पीड़ित लोगों द्वारा दी गई शिकायत की सबसे पहले एफआईआर दर्ज करें और इस बारे दूसरे संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी सूचित करें ताकि पीड़ित व्यक्ति को जल्द से जल्द राहत मिल सकें और सरकार की योजनाओं के अनुसार उन्हें मुआवजा राशि दी जा सकें। उन्होंने कहा कि जब भी विधानसभा समिति की बैठक का आयोजन हो, सभी संबंधित विभाग अपने-अपने विभाग से संबंधित दस्तावेज लेकर समिति की बैठक में आएं और कोई भी अधिकारी अधूरी जानकारी लेकर समिति की बैठक में न आए। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के डीडीए आदित्य प्रताप डबास ने अनुसूचित जाति के किसानों को दी जा रही योजनाओं के बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में लगभग 7 हजार अनुसूचित जाति के किसान हैं। प्रशासन जनकल्याणकारी राज्य की परिकल्पना के अनुरूप कार्य करें, ताकि लोगों को राहत मिलें। बैठक में महात्मा गांधी ग्रामीण आवास योजना पर अध्यक्ष ने पंचायती राज, जनस्वास्थ्य विभाग इत्यादि विभागों के अधिकारियों से इन बस्तियों में रहने वाले लोगों के लिए पीने के पानी, बिजली, सड? इत्यादि के बारे जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि महात्मा गांधी ग्रामीण बस्तियों में सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध करवाना जल्द से जल्द सुनिश्चित करें, इस प्रकार के कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी विभाग इन बस्तियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए आपसी तालमेल से कार्य करें। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सरकार द्वारा इन चलाई जा रही योजनाओं का लाभ इन वर्गों के व्यक्तियों तक अवश्य पहुंचे। बैठक में यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि आगामी होने वाली विधानसभा समिति की बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगें कि उन्होंने पिछली बैठक की अपेक्षा आगामी बैठक के लिए क्या-क्या उचित कदम उठाए हैं, उन द्वारा किए गए कार्यों की पूरी सूचि साथ लेकर आए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का दायित्व बनता है कि वे अनुसूचित जाति, जन जाति एवं पिछड़ा वर्गों के हित में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उन तक अवश्य पहुंचाएं। बैठक में सढौरा की विधायक रेणूबाला, विधायकगण रामकरण, जरनैल सिंह, पवन खरखौदा, विधानसभा के अवर सचिव कंवर सिंह सहित विधानसभा समिति के सदस्यों ने भी अपने विचार रखें। इस मौके पर उपायुक्त पार्थ गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल, नगर निगम के आयुक्त अखिल पिलानी, अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, व्यासपुर के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, रादौर के एसडीएम नरेन्द्र कुमार, सीटीएम पीयूष गुप्ता, डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहें।

## गो ग्रीन टीम फगवाड़ा ने पौधों का लंगर लगाया

फगवाड़ा 31 जुलाई (शिव कौड़ा) गो ग्रीन टीम फगवाड़ा ने बढ़ते प्रदूषण को रोकने और पर्यावरण की शुद्धता बनाए रखने के लिए फगवाड़ा में बस स्टैंड के सामने पौधों का लंगर लगाया। इस अवसर पर मनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह संगरूर, प्रदीप सिंह, जगजीत सिंह रानीपुर, प्यारा सिंह, जुगराज सिंह जग्गा, पवन, सनी भट्टी, सनी पिपरंगी, परमिंदर, मनदीप, अजय, हैप्पी, कमल, जिम्मी, विजय विरका आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर 2000 से अधिक पौधों का लंगर लगाया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारा जीवन वृक्षों में है, पवन गुरु, पानी पिता माता धरती महत, इसलिए स्वस्थ समाज के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना आवश्यक है। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि प्रत्येक व्यक्ति एक वृक्ष अवश्य लगाए। पंजाब के राज्यपाल ने विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम के तहत युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु कुलपतियों के साथ की बैठक चंडीग?, 1 अगस्त: पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीग? के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज पंजाब के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए 'विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम' के क्रियान्वयन पर चर्चा करना था, जिसका लक्ष्य 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को सक्रिय रूप से जो?ना है।

## हरियाणा मंत्रिमंडल ने केंद्रीय दिशा निर्देशों के अनुरूप जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण के नए नियमों को दी मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण नियम, 2025 को मंजूरी दी गई। ये नियम राज्य की पंजीकरण प्रणाली को नवीनतम राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने के लिए भारत के महापंजीयक से प्राप्त मॉडल के अनुसार तैयार किए गए हैं। नए नियम भारत के महापंजीयक द्वारा जारी केंद्रीय आदर्श जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) नियम, 2024 पर आधारित हैं। इसके अनुसार, मौजूदा हरियाणा जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण नियम, 1972 के कई प्रावधानों में संशोधन किया गया है।


**पगारिया एनर्जी लिमिटेड**
CIN: L67120DL1991PLC043677
रजि. कार्यालय : 9/18, बाज़ार गली, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032
E-mail: info@pagariaenergy.com, Website : www.pagariaenergy.com
30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए असंपरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश। (लाखों रुपये में)

| क्र. नं. | विवरण | तिमाही ख़त्म 30.06.2025 अलेखापरीक्षित | 31.03.2025 लेखापरीक्षित | 30.06.2024 अलेखापरीक्षित | वर्ष समाप्त 31.03.2025 लेखा परीक्षित |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | संचालन से कुल आय | 2.00 | 9.23 | 1.70 | 18.38 |
| 2 | अवधि के लिए शुद्ध लाभ / (हानि) (कर, असाधारण और/या असाधारण मदों से पहले) | 0.42 | 6.34 | 0.37 | 7.41 |
| 3 | कर से पहले की अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण मदों के बाद # )0.42 | 6.34 | 0.37 | 7.41 | |
| 4 | कर के बाद की अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण मदों के बाद #)0.42 | 5.08 | 0.37 | 6.15 | |
| 5 | अवधि के लिए कुल व्यापक आय [इसमें अवधि के लिए लाभ/हानि (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद) शामिल है] | 0.42 | 5.08 | 0.37 | 6.15 |
| 6 | इक्विटी शेयर पूंजी | 434.97 | 434.97 | 434.97 | 434.97 |
| 7 | पिछले वर्ष की लेखापरीक्षित बैलेंस शीट में दर्शाए अनुसार आरक्षित निधियाँ (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि को छोड़कर) | | | | 195.85 |
| 7 | प्रति शेयर आय (10 रुपये प्रति शेयर) (जारी और बंद परिचालनों के लिए) बुनियादी और पतला: | 0.010 | 0.117 | 0.008 | 0.141 |

टिप्पणियाँ: उपरोक्त 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों में दाखिल किए गए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक अंश है। तिमाही के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज पर www.bseindia.com पर उपलब्ध है।
उपरोक्त वित्तीय परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई है और 1 अगस्त, 2025 को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है।
स्थान: कोलकाता
दिनांक: 1 अगस्त, 2025
पगारिया एनर्जी लिमिटेड के लिए
एसडी/- अर्पण सिंघा रॉय, प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 10983936


## सीआईएसएफ यूनिट लाइन, पंजाब एवं हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में जवान चौपाल का उद्घाटन

चंडीगढ़: सैनिकों के कल्याण को बढ़ाने और तनावमुक्त पारस्परिक जुड़ाव को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम के रूप में, आज सीआईएसएफ यूनिट लाइन, पंजाब एवं हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में जवान चौपाल नामक एक नई पहल का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में सभी रैंकों के सीआईएसएफ कर्मियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। उल्लेखनीय है कि उद्घाटन समारोह का रिबन पिछले महीने सेवानिवृत्त हुए कर्मियों द्वारा औपचारिक रूप से काटा गया, जो सेवा की पीढ़ियों के बीच एकता के बंधन का प्रतीक है। सीआईएसएफ वेट कैंटीन के निकट रणनीतिक रूप से स्थित, जवान चौपाल को एक अनौपचारिक, समुदाय-अनुकूल स्थान के रूप में डिज़ाइन किया गया है जहाँ कर्मी जन्मदिन, अनौपचारिक चर्चा और विश्राम जैसे छोटे समारोहों के लिए एकत्र हो सकते हैं। चौपाल की सदियों पुरानी भारतीय परंपरा पर आधारित - एक ग्रामीण बैठक स्थल जो खुले संवाद को बढ़ावा देता है - यह पहल सुरक्षा बलों के भीतर उस भावना को पुनर्जीवित करने का प्रयास करती है। यूनिट के कई कर्मियों ने जवानों के बीच सौहार्द, तनाव मुक्ति और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में इस तरह के अनौपचारिक आयोजनों के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि आज की तेज़-तर्रार, डिजिटल जीवनशैली में, सार्थक मानवीय जुड़ाव अक्सर खो जाता है, जिससे तनाव और अलगाव का स्तर बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, जवान चौपाल न केवल एक सामाजिक केंद्र के रूप में कार्य करेगा, बल्कि सीआईएसएफ के तनाव प्रबंधन कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी होगा। यह पहल सीआईएसएफ यूनिट पी एंड एचसीएस चंडीगढ़ के अपने कर्मियों के समग्र कल्याण को सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है, चाहे वे ड्यूटी पर हों या ड्यूटी से बाहर।


**कौमी पत्रिका**
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma



**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**
धारा 82 सीआरपीसी देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राकेश उर्फ गजनी**, पुत्रः **महेन्द्र प्रताप**, निवासः **गली नं. 9, मास्टर पार्क, खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 697/2013, U/s 379/411/34 IPC, थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त **राकेश उर्फ गजनी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राकेश उर्फ गजनी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 697/2013, U/s 379/411/34 IPC, थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राकेश उर्फ गजनी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 01.09.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।
आदेशानुसार
श्री सार्थक पवार
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी – 05, (उत्तर)
कोर्ट रूम नं. 114, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, नई दिल्ली
DP/10258/ON/2025 (Court Matter)

## स्तनपान मां और शिशु दोनों के लिए एक प्राकृतिक का अनमोल उपहारः डॉ अशोक कुमार

एजेंसी

**नारनौल।** नारनौल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.अशोक कुमार ने विश्व स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ किया। जिसका थीम 'स्तनपान को प्राथमिकता दें, स्थायी सहायता प्रणालियां बनाएं' रहा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.अशोक कुमार ने कहा कि विश्व स्तनपान सप्ताह मनाने का उद्देश्य माताओं को स्तनपान के लिए प्रेरित करना और उनके लिए एक सहायक वातावरण का निर्माण करना है। यह अभियान प्रदेश भर में नवजात शिशुओं और माताओं के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि स्तनपान मां और शिशु दोनों के लिए एक प्राकृतिक और अनमोल उपहार है। शिशु के जन्म के तुरंत बाद या जितनी जल्दी हो सके एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मां का पहला दूध जिसे कोलेस्ट्रम कहा जाता है, नवजात को बीमारियों से बचाने और उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का काम करता है। उन्होंने कहा कि पहले छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध ही देना चाहिए। यह एक संपूर्ण आहार है जिसमें शिशु के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्व होते हैं। इस दौरान पानी की भी आवश्यकता नहीं होती है। स्तनपान शिशु को निमोनिया, दस्त और अन्य संक्रमणों से बचाता है। साथ ही यह आजीवन होने वाले गैर.संचारी रोगों के जोखिम को भी कम करता है।

## सोनीपत में सीवर जाम से राहत दिलाएगी नई पाइपलाइन योजना

**सोनीपत।** सोनीपत की प्रमुख कालोनियों में लंबे समय से चल रही सीवरेज समस्या को लेकर नगर निगम ने ठोस कदम उठाए हैं। नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अब स्थायी समाधान की दिशा में कार्य शुरू किया गया है। सोनिपत कालूपुर, कीर्तिनगर और दहिया कॉलोनी की वर्षों पुरानी सीवरेज समस्या के स्थायी समाधान के लिए 600 फुट लंबी जाम पड़ी लाइन को बदला जाएगा। जब तक नई पाइपलाइन नहीं डाली जाती, तब तक पंप सेट के माध्यम से गंदे पानी को ककरोई रोड स्थित सीवर लाइन में बाईपास के जरिए डाला जाएगा। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने पार्षद मोनिका नागर, उपमंडल अभियंता देवेंद्र खासा और कनिष्ठ अभियंता सचिन शर्मा के साथ मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रगति नगर में भी सीवर ओवरफ्लो की समस्या को रोकने के लिए अतिरिक्त पंप लगाया जाएगा, जिससे विशेषकर वर्षा ऋतु में लोगों को राहत मिल सके। दरअसल, कालूपुर और प्रगति नगर की महिलाओं ने नगर निगम कार्यालय पहुंचकर सीवर जाम की शिकायत की थी, जिसके बाद मेयर स्वयं मौके पर पहुंचे और कार्य प्रारंभ करवाया।

## पलवल में भूकंप और बाढ़ को लेकर मॉक ड्रिल

**पलवल।** पलवल में भूकंप और बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के लिए एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। हरियाणा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की देखरेख में जिला नागरिक अस्पताल परिसर में आयोजित इस मॉक ड्रिल में जैसे ही सायरन बजा, लोग चौंक गए और पूरे परिसर में अचानक हलचल मच गई। 'अभ्यास सुरक्षा चक्र' नामक इस मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, पुलिस, एनसीसी, एनएसएस, स्वास्थ्य विभाग और सिविल डिफेंस के वॉलंटियर्स ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी एजेंसियों ने आपसी समन्वय के साथ आपातकालीन स्थिति में राहत और बचाव कार्यों का अभ्यास किया। जिला उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि इस तरह की मॉक ड्रिल का मकसद विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल को परखना और मौजूदा आपदा प्रबंधन योजनाओं की समीक्षा करना है। उन्होंने कहा कि भूकंप, बाढ़ और आगजनी जैसी आपदाओं में त्वरित और संगठित प्रतिक्रिया बेहद जरूरी है। यह अभ्यास हमें सजग रहने और कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का अवसर देता है। मॉक ड्रिल के दौरान मौके पर मौजूद विशेषज्ञों और अधिकारियों ने लोगों को आपदाओं से बचाव के उपाय बताए।

## बरसाती पानी से डूबी फसलों का जेजेपी नेता अजय चौटाला ने लिया जायजा

**सिरसा।** जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ सिरसा जिला के ऐलनाबाद हलके के गांव शाहपुरिया, शक्करमंदौरी, रूपाणा जाटान रूपाणा बिश्नोइयां आदि में बरसाती पानी के कारण प्रभावित हुई फसलों का जायजा लिया और किसानों से मिलकर हालात जानें। किसानों की नरमा कपास की फसलों में जलभराव की स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए अजय चौटाला ने राज्य सरकार से अविलंब सिरसा जिला में प्रभावित हुई नरमा कपास की फसलों की स्पेशल गिरदावरी करवाकर प्रभावित किसानों के खातों में 60 हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से मुआवजा राशि देने की मांग की। चौटाला ने कहा कि हिसार घग्घर ड्रेन में भी पानी का स्तर बढ़ा हुआ है और यदि यह ओवरफ्लो हो गई तो समीपवर्ती करीब 25 गांवों के किसानों की फसलों व मकानों पर मार पड़ेगी। इसलिए राज्य सरकार को इस दिशा में गंभीरता से कार्य करते हुए इसका स्थाई समाधान खोजना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि समय पर हिसार घग्घर ड्रेन की सफाई व उचित रखरखाव किया गया होता तो यह नौबत न आती और पानी का जमाव न होता। अजय चौटाला ने कहा कि पिछली बार भी जब सिरसा जिला में बरसाती पानी के कारण फसलें डूबी थीं।

# उपनिदेशक की सीधी भर्ती में यूजीसी व नेट जरूरी नहीं

### हरियाणा में नए नियमों से होंगी ग्रुप बी की भर्तियां

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा सरकार ने ग्रुप बी की भर्तियों के संबंध में नए नियमों को मंजूरी प्रदान की है। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में उप निदेशक पद की सीधी भर्ती में यूजीसी-नेट योग्यता की आवश्यकता को भी कैबिनेट की मंजूरी के बाद हटा दिया है।

हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग, ग्रुप बी सेवा नियम, 1997 में प्रमुख संशोधनों को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद बताया कि इस फैसले से वर्तमान प्रशासनिक और भर्ती आवश्यकताओं के हिसाब से बनाया जा सकेगा। इन संशोधनों में पद नामकरण, वेतनमान, शैक्षणिक योग्यताओं में अपडेट और विभागीय सर्विस रूल में नव सृजित पदों को शामिल करना शामिल है। पहले की सरकारी नोटिफिकेशन के अनुसार, बाल विकास परियोजना अधिकारी

(महिला) और कार्यक्रम अधिकारी (महिला) के पदों का आधिकारिक नाम महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी (महिला) और जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला) कर दिया गया है। इसे दर्शाने के लिए विभागीय नियमों में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, मौजूदा नियमों में वेतनमानों को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार अपडेट किया गया है। हरियाणा लोक सेवा आयोग की आपत्तियों के बाद, भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी (महिला) के पद के लिए 50 प्रतिशत कोटे वाली दो अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताओं का प्रावधान हटा दिया गया है। इसी प्रकार, उप निदेशक के पद पर सीधी भर्ती के लिए यूजीसी-नेट योग्यता की आवश्यकता को भी हटा दिया गया है, क्योंकि पिछली भर्ती प्रक्रियाएं योग्य उम्मीदवार प्रदान करने में विफल रही थी।

यह कदम एचपीएससी द्वारा योग्यता मानदंडों में संशोधन करने की सलाह के बाद उठाया गया है। इसके अलावा सभी पदों के लिए मैट्रिक या उच्च शिक्षा स्तर पर हिंदी या संस्कृत को एक विषय के रूप में अनिवार्य करने का प्रावधान भी शामिल किया गया है।

# हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना के लिए जल्द खुलेगा पोर्टल

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ऐलान किया है कि प्रदेश सरकार द्वारा जल्द ही लाडो लक्ष्मी योजना में आवेदन के लिए पोर्टल खोला जाएगा। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में नायब सैनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव से महिलाओं को 2,100 रुपये मासिक सम्मान भत्ता देने का ऐलान किया था। सरकार ने अपने पहले ही बजट में इस योजना के लिए पैसों का प्रबंध किया है। सैनी ने महिला सम्मान योजना पर पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को घेरते हुए कहा कि पहले आप ने दिल्ली वासियों को गुमराह किया अब पंजाब के लोगों को कर रहे हैं। पंजाब में आप सरकार को सत्ता में आए तीन साल होने जा रहे हैं लेकिन अभी तक इस योजना को लागू करने पर कोई मंथन नहीं हुआ है। आम आदमी पार्टी दिल्ली की तरह पंजाब के लोगों को भी अब गुमराह कर रही है। इसी प्रकार हिमाचल में भी कांग्रेस सरकार का आधा कार्यकाल बीत चुका है लेकिन अभी तक उन्होंने भी कोई काम नहीं किया है। हरियाणा में भाजपा ने पहले ही साल में इस योजना के लिए बजट का प्रावधान किया और अब इसे जल्द लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने हर चुनाव में अपने संकल्प पत्रों को जनता के बीच लागू करने का काम किया है। साल 2024 में घोषित संकल्प पत्र के सभी वादों को धीरे-धीरे पूरा किया जा रहा है। हर तीन दिन के बाद वे स्वयं इन वादों को पूरा किए जाने के कार्यों की समीक्षा करते हैं।

# समाधान शिविर में समस्याओं का जल्द निस्तारण करेः एपीएस ए.के. सिंह

एजेंसी

**पानीपत।** हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए.के. सिंह व मीनाक्षी राज ने प्रदेश के सभी उपायुक्तों व उपस्थित अधिकारियों से समाधान शिविर में दर्ज मामलों के जल्द से निस्तारण करने को लेकर वीडियो कान्फ्रेंसिग के माध्यम से समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने बारी बारी से प्रदेश के जिला उपायुक्तों से जिले अनुसार शिकायतों के निस्तारण को लेकर अपडेट लिया। समीक्षा बैठक में नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त विवेक चौधरी ने जल्द शेष समस्याओं के निदान करने का आश्वासन दिया। समीक्षा बैठक के बाद नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त विवेक चौधरी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके विभाग की शेष समस्याओं के निस्तारण को लेकर तत्काल कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समस्याओं के

निस्तारण को लेकर अधिकारियों को गंभीरता पूर्वक कार्य करने की बात कही। समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो शिकायतों का तत्परता से निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का निस्तारण हो चुका है, उनकी रिपोर्ट तैयार करके अति शीघ्रता से भेजें। इस मौके पर एसडीएम मनदीप,डीडीपीओ राजेश शर्मा, डीएसपी हेड क्वार्टर सतीश वत्स, डीएचओ शार्दुल शंकर, डीएस डब्ल्यु जयपान हुडडा जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता कर्ण बहल,चीफ इंजीनियर राजकुमार, डिप्टी सीएमओ दिव्या साहनी,आदि मौजूद रहे।

# नए कलेक्टर रेट लागू, सुझाव आमंत्रित

एजेंसी

**सोनीपत।** हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिले में वर्ष 2025-26 के लिए नए कलेक्टर रेट शुक्रवार से प्रभावी हो गए हैं। उपायुक्त सुशील सारवान ने अधिकारियों की बैठक लेकर रजिस्ट्री प्रक्रिया में पारदर्शिता और नियमबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त सुशील सारवान ने जानकारी दी कि हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए तय किए गए नए कलेक्टर रेट जिले में एक अगस्त से लागू कर दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब सभी रजिस्ट्रियां इन्हीं नए रेटों के अनुसार की जाएंगी और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उक्त दिशा-निर्देशों की समीक्षा के लिए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों की बैठक ली और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने बताया कि जिले के सभी शहरों व गांवों के कलेक्टर

रेट जिला वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं, ताकि आमजन आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकें।

यदि किसी नागरिक को इन रेटों पर कोई आपत्ति या सुझाव है, तो वह अपने क्षेत्र के उपमंडल अधिकारी (नागरिक), तहसीलदार या नायब तहसीलदार कार्यालय में लिखित में दावे या आपत्ति साक्ष्य सहित प्रस्तुत कर सकता है। बिना साक्ष्य के दावे अमान्य माने जाएंगे। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि सभी अधिकारी समय पर कार्यालय में उपस्थित रहें और जनसंपर्क के दौरान नागरिकों से सौम्य व्यवहार करें। बैठक में एसडीएम गोहाना अंजलि श्रोत्रिय, एसडीएम सोनीपत सुभाष चंद्र, एसडीएम खरखौदा डॉ. निर्मल नागर, एसडीएम गन्नौर प्रवेश कादियान, डीआरओ कनव लाकड़ा, डीआईओ विशाल सैनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# मन की मलिनता को हटाकर प्रभु के प्रति समर्पित हो जाएं : साध्वी निष्ठानंद सरस्वती

**प्रभु श्रीराम को स्मरण करने के संकल्प के साथ मोक्ष वृद्धाश्रम में पांच दिवसीय श्रीरामकथा शुरूप्रभु तो भाव के भूखे, इसलिए राम-नाम जपने की आदत डालो : साध्वी निष्ठानंद सरस्वती**

एजेंसी

**हिसार।** बुजुर्गों की सेवा व संभाल में जुटे मोक्ष वृद्धाश्रम में पांच दिवसीय श्रीरामकथा का शुभारंभ हुआ। तपोभूमि परमहंस योग आश्रम के परम पूज्य ब्रह्मनिष्ठ स्वामी श्री कृष्णानंद सरस्वती जी की कृपापात्र बालयोगिनी साध्वी निष्ठानंद सरस्वती जी ने प्रभु श्रीराम को स्मरण करने का संकल्प करने का आह्वान किया। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता पंकज संधीर, पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाला, डॉ. वंदना बिश्नोई, डॉ. हिमानी कंसल व डॉ. सविता सिंगला ने शुक्रवार को दीप प्रज्वलन की परम्परा का निर्वहन किया। इस अवसर पर संगिनी ग्रुप की प्रधान सुनीता सिंघल, मधु गोयल, स्वाति

तायल, विभूति तायल व आशा गुप्ता, फिरोजा-ए-शहर की प्रधान डॉ. वेद पूनिया व सरोज बेनीवाल एवं श्रीराधा रस धार से सुनीता सातरोडिया, अनु गुप्ता व ऊषा बंसल सहित काफी गणमान्य लोग मौजूद रहे। दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत प्रभु श्रीराम की प्रतिमा के समक्ष नतमस्तक होकर आराधना करते हुए जनकल्याण की कामना की गई।संगीतमयी श्रीरामकथा के पहले दिन साध्वी निष्ठानंद सरस्वती ने बालकांड व अयोध्याकांड पर प्रकाश डालते हुए बच्चों की तरह नादान और निष्काम बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मन की मलिनता हटाकर प्रभु के प्रति समर्पित होने वाले भक्तों के समस्त कष्टों का निराकरण हो जाता है।

न्होंने कहा कि प्रभु तो भाव के भूखे हैं, वे तो मात्र एक पुष्प से भी प्रसन्न हो जाते हैं। इसलिए राम-नाम जपने की आदत डालो। चाहे थोड़ी देर ही भगवान का नाम लो लेकिन शुरुआत तो करो। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता पंकज संधीर व प्रधान विजय भृगु ने बताया कि बुजुर्गों को आध्यात्मिक माहौल प्रदान करने के लिए समय-समय पर आश्रम में धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। इसी कड़ी में श्रीरामकथा का शुभारंभ किया गया है।

## फसल अवशेष प्रबंधन के लिये अनुदान पर दिए जाएंगे कृषि उपकरणः जिला उपायुक्त

एजेंसी

**पानीपत।** पानीपत में उपायुक्त विरेन्द्र कुमार दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विभाग द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन की कड़ी में फसल अवशेष सप्लाई चेन योजना के तहत आवेदन करने के लिये पोर्टल खोल दिया गया है। इसके लिये इच्छुक कोई भी बायोमास इंडस्ट्रीज, एफ0पी0ओ0, किसान समूह व व्यक्तिगत किसान ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। आवेदन की अन्तिम तिथि सात अगस्त तक निर्धारित की गई है। उन्होने बताया कि इस योजना में कोई भी बायोमास इंडस्ट्रीज किसी भी एग्रीगेटर के साथ द्विपक्षीय समझौता सहित आवेदन कर सकती है। इसके लिये प्रोजेक्ट लागत का 65 प्रतिशत भाग विभाग द्वारा वहन किया जायेगा। इसके अलावा 10 प्रतिशत एग्रीगेटर द्वारा तथा बाकी हिस्सा इंडस्ट्रीज द्वारा वहन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त कोई एफ0पी0ओ0 किसान समूह व व्यक्तिगत किसान यदि द्विपक्षीय के बिना आवेदन करता है तो प्रौजैक्ट लागत का 35 प्रतिशत हिस्सा खुद ही वहन करना होगा व 65 प्रतिशत भाग विभाग द्वारा वहन किया जायेगा। कृषि

विभाग एवं किसान कल्याण विभाग के उप कृषि निदेशक डा0 आत्मा राम गोदारा ने बताया कि इस स्कीम में 3500 एमटी पैडी स्ट्रा पर सीजन के लिये एक करोड प्रोजेक्टर लागत तथा 4500 एमटी पैडी स्ट्रा पर सीजन के लिये एक करोड 50 लाख प्रोजेक्ट लागत रखी गई है।

# मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम और पूर्ण आहार : उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया

जेंसी

**पानीपत।** पानीपत के सिविल अस्पताल में विश्व स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया ने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम और पूर्ण आहार है, जो शिशु को आवश्यक पोषण, रोग प्रतिरोधक क्षमता और संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने माताओं से अपील की कि जन्म के पहले घंटे में स्तनपान की शुरुआत अवश्य करें और पहले छह महीने तक केवल मां का दूध ही दें।

इस अवसर पर डॉ. एकता, बाल रोग विशेषज्ञ ने माताओं को बताया कि मां का दूध शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी है। इसमें सभी आवश्यक पोषक तत्व, एंटीबॉडी और एंजाइम होते हैं, जो बच्चे को विभिन्न संक्रमणों से बचाते हैं और उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि मां के दूध से न केवल शिशु का विकास बेहतर होता है, बल्कि मां को भी प्रसव के बाद स्वास्थ्य लाभ तेजी से होता है और स्तन कैंसर का खतरा कम होता है। सिविल सर्जन डॉ. विजय मलिक ने बताया कि

विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से माताओं को स्तनपान के लाभ, सही तकनीक और जरूरतमंद शिशुओं के लिए व्यक्त स्तनदूध के उपयोग के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. विजय मलिक, डॉ. रिंकू सांगवान, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, डॉ. नवमीत, नोडल अधिकारी बाल स्वास्थ्य एवं टीकाकरण, डॉ. अमित पोरिया, डिप्टी एमएस सिविल अस्पताल, डॉ. एकता, बाल रोग विशेषज्ञ और मुख्य नर्सिंग अधिकारी नीलम कटारिया उपस्थित रहे।

# हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र 22 अगस्त से

### मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया फैसला

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र 22 अगस्त से शुरू होगा। यह निर्णय चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। हरियाणा में राज्यपाल प्रो.असीम घोष की नियुक्ति के बाद यह पहला सत्र शुरू होने जा रहा है। जिसकी स्वीकृति के लिए सरकार की तरफ से प्रस्ताव राज्यपाल को भेजा जाएगा। जिसमें आज की कैबिनेट बैठक का हवाला दिया जाएगा। सत्र की अवधि कब तक होगी इसके संबंध में निर्णय सत्र से पहले होने वाली बिजनेस सलाहकार कमेटी की बैठक में लिया जाएगा। बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बताया कि किसी भी सत्र में विधायकों द्वारा सवाल पूछने के लिए कम से कम 15 दिन का समय होना चाहिए। आज लिए गए फैसले के बाद विधायक अपने-अपने हलकों के सवाल विधानसभा में भेज सकेंगे। विधानसभा संचालन के नियमानुसार राज्यपाल द्वारा सत्र को स्वीकृति प्रदान करने के बाद स्पीकर द्वारा बीएसी की बैठक बुलाई जाएगी।

सैनी ने बताया कि आज की बैठक में कुल 21 एजेंडे रखे गए थे, जिनमें से 17 को पास कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में पूर्व विधायकों की पुरानी मांग को पूरा करते हुए उन्हें मासिक मेडिकल भत्ता देने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि 60 साल से अधिक उम्र के पूर्व विधायकों को अब सरकार द्वारा 10 हजार रुपए मासिक चिकित्सा भत्ता दिया जाएगा। इस संबंध में संबंधित विभाग द्वारा जल्द अधिसूचना जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 61 से 70 साल तक के पेंशनर्स को 5,000 रुपए मासिक भत्ता मिलेगा साथ ही, 70 साल से ऊपर के पेंशनर्स को 10,000 रुपए मासिक भत्ता दिया जाएगा।

# कुल 9545 शिकायतें में से 7991 का हुआ निवारण

एजेंसी

**जींद।** मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा प्रदेशभर के उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविर, सीएम विंडो, जनसंवाद व एसएमजीटी पोर्टल पर लंबित जन शिकायतों की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों ने निर्देश दिए कि जनता की शिकायतों का समाधान निष्पक्ष पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से किया जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों के त्वरित निस्तारण को प्रशासन की प्राथमिकता में सबसे ऊपर रखा जाए। उन्होंने जानकारी दी कि समाधान पोर्टल पर अब तक कुल 9545 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 7991 का निवारण किया जा चुका है। 111 मामले फिलहाल लंबित हैं। उन्होंने शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए विशेष कर 60 दिन से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों का समाधान शीघ्रता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री

नायब सिंह सैनी स्वयं इन शिकायतों की निगरानी कर रहे हैं और समय-समय पर प्रगति की समीक्षा की जा रही है। उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविरों, सीएम विंडो व जनसंवाद पोर्टल के माध्यम से आने वाली शिकायतों का समाधान केवल कानूनी पहलुओं के आधार पर नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण और व्यवहारिक समझ के साथ किया जाए। बैठक में एएसपी सोनाक्षी सिंह, एसडीएम सत्यवान मान, डीएमसी सुरेंद्र सिंह, सीटीएम मोनिका, डीआरओ राज कुमार, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज, कार्यकारी अभियंता आर के नैन समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# अब पानीपत होगा जाम मुक्त, रेहड़ी संचालकों को मिलेगी फ्लाईओवर के नीचे जगह

एजेंसी

**पानीपत।** पानीपत शहर के बाजारों को जाम मुक्त करने के लिए नगर निगम जल्द ही नई योजना शुरू करने जा रहा है। जिसके लिए मेयर कोमल सैनी के साथ नगर निगम अधिकारियों द्वारा रोजाना जीटी रोड फ्लाईओवर समेत अन्य जगहों का निरीक्षण किया। वहीं बाजारों के प्रधानों ने रेहड़ी व फड़ी लगाने वाले संचालकों के फॉर्म भरकर निगम में जमा करवाने शुरू कर दिए हैं। बता दें कि फ्लाईओवर के नीचे निगम द्वारा 100 ब्लॉक तैयार करवाए गए है। जिसमें प्रत्येक रेहड़ी एवं फड़ी संचालक को तीन फीट से लेकर चार फीट तक की जगह दी जाएगी, ताकि उनकी

रेहड़ी और फड़ी बाजार में न लगे और बाजारों में दुकानदारों समेत आने-जाने वाले ग्राहकों को खुला वातावरण मिल सके। नगर निगम अधिकारियों द्वारा बाजारों के हिसाब से फ्लाईओवर के नीचे हर एरिया में 100 ब्लॉक तैयार करवाए जा रहे हैं, ताकि एक जगह पर करीब 100 रेहड़ी एवं फड़ी लग सके। वहीं बाकी बचे रेहड़ी एवं फड़ी संचालकों के लिए भी अन्य जगहों पर इंतजाम के प्रयास किया जा रहा है, ताकि शहर के किसी भी बाजार में रेहड़ी एवं फड़ी दिखाई न दें। वहीं रेहड़ी संचालकों ने कहा कि हमारे द्वारा कई बार बाजार के प्रधानों और अधिकारियों से रेहड़ी लगाने के लिए जगह की मांग की जा चुकी थी। क्योंकि बाजारों में भी फड़ी लगाने के लिए दुकानदार को किराया देना पड़ता है, अगर हम उस किराए को शुल्क रूप में निगम को देंगे और निगम हमें जगह देगा, तो बाजारों में समस्या खत्म हो जाएगी और हमारा रोजगार भी चलता रहेगा।

# बीएसएनएल ने घटाई एक और सस्ते प्लान की वैलिडिटी, लोग उठा रहे सवाल

## -4जी या 5जी आने तक बीएसएनएल कितना किफायती रह जाएगा?

**नई दिल्ली।**

बीएसएनएल ने एक बार फिर अपने सस्ते प्लान की वैलिडिटी को घटा दिया है। अभी पिछले दिनों ही बीएसएनएल ने अपने 99 रुपए वाले सबसे सस्ते प्लान की वैलिडिटी घटा दी थी। इसके बाद अपने दूसरे सबसे सस्ते प्लान की वैलिडिटी को भी बीएसएनएल ने घटा दिया। ऐसे में उन लोगों को चिंता सताने लगी है जिन्होंने बीएसएनएल को एक सस्ता ऑप्शन मान कर अपने नंबर पोर्ट करवाए थे। वहीं लोगों का कहना है कि बीएसएनएल आने वाले 5जी की तैयारी इस तरह से कर रहा है कि उसके मौजूदा प्लान महंगे हो जाएं?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 99 रुपए वाले प्लान की वैलिडिटी घटाने के बाद बीएसएनएल ने अब अपने 147 रुपए वाले प्लान की वैलिडिटी को भी घटा दिया है। अब इस 147 रुपए वाले प्लान में 10जीबी हाई स्पीड इंटरनेट डेटा और अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग के फायदे मिलेंगे। इस प्लान में एसएमएस नहीं मिलेंगे। अब ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इस प्लान में बदला क्या है? दरअसल पहले यह प्लान 30 दिन की वैलिडिटी के मिलता था। वहीं अब यह प्लान 25 दिन की वैलिडिटी के साथ मिलेगा। बता दें इसका असर उन लोगों पर पड़ेगा जो लो इनकम ग्रुप में आते हैं। जाहिर है सस्ते रिचार्ज प्लान का टार्गेट यूजर वही लोग होते हैं जो एक महीने के 350 से 600 रुपए तक का प्लान रिचार्ज नहीं करवा सकते। इन सस्ते प्लान की वैलिडिटी 5 दिन घटाने की वजह से अब इन लोगों को महीने में इस प्लान को दो बार चार्ज करवाना पड़ेगा, ताकि सिम पूरे महीने एक्टिव रहे। इससे आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ेगा। इसके अलावा इस प्लान की कीमत न बदल कर सिर्फ चुपचाप वैलिडिटी घटाने से यूजर को पता ही नहीं चलेगा कि उसके फायदे घट चुके हैं। एक सा दाम दिखने के चलते कई यूजर्स बिना इसके फायदे चेक किए सीधा रिचार्ज करवा लेंगे।

पहले 99 रुपए के प्लान की वैलिडिटी 18 दिन से घटाकर 15 दिन करने के बाद और अब 147 वाले प्लान की वैलिडिटी 30 दिन से घटा कर 25 दिन करने के बाद लोगों सवाल कर रहे हैं कि आखिरकार 4जी या 5जी आने तक बीएसएनएल कितना किफायती रह जाएगा?

# महिंद्रा कंपनी ने अपने हजारों कर्मचारियों के लिए शुरु किया ईएसओपी प्लान

***कंपनी के शेयर के मालिक बनेंगे कर्मचारी, मिलेंगे 450 करोड़ के शेयर***

**नई दिल्ली।**

महिंद्रा ग्रुप ने अपने कर्मचारियों के लिए एक खास तोहफा दिया है, जिसे सुनकर हर कोई खुश हो जाएगा। कंपनी ने पहली बार हजारों कर्मचारियों के लिए स्टॉक ओनरशिप प्लान (ईएसओपी) शुरू किया है। इसमें खास बात ये है कि इस बार ऑफिस में बैठने वाले कर्मचारियों के साथ फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर भी शामिल हैं। ये योजना महिंद्रा ग्रुप की तीन मुख्य कंपनियों- महिंद्रा एंड महिंद्रा, महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल और महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी के कर्मचारियों के लिए लाई गई है। बता दें पिछले कुछ सालों में महिंद्रा ने जबरदस्त तरक्की की है।

कंपनी की गाड़ियां, खासकर थार जैसे एसयूवी बाजार में धूम मचा रही है। इसकी वजह से कंपनी का स्टॉक पिछले पांच साल में 12 गुना बढ़ा है। यही नहीं महिंद्रा ने ह्यूंडई को पीछे छोड़कर भारत में दूसरी सबसे बड़ी यात्री व्हीकल कंपनी का तमगा भी हासिल कर लिया है। इस प्रदर्शन से कंपनी ने अपने कर्मचारियों को इस कामयाबी का हिस्सा बनाने का फैसला किया है। ये कदम दीवाली से पहले कर्मचारियों के लिए एक बड़ा तोहफा है, जो न सिर्फ उनकी जिंदगी को बेहतर बनाएगा, बल्कि कंपनी के भविष्य को भी और मजबूत करेगा।

इस ईएसओपी योजना के तहत कर्मचारियों को रिस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट्स दिए जाएंगे। मतलब यह है कि कर्मचारी कंपनी के शेयर के मालिक बन सकते हैं, जो उनकी मेहनत और कंपनी की तरक्की को जोड़ता है। कंपनी ने एक पत्र जारी कर कहा कि ये योजना कर्मचारियों के बीच संपत्ति बनाने का मौका देगी।

# जीएसटी संग्रह जुलाई में बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपए हुआ

## यह वृद्धि घरेलू लेन-देन और आयात से मिले राजस्व के कारण हुई

**मुंबई।**

भारत का वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जुलाई में बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 7.5 फीसदी ज्यादा है। यह आंकड़े शुक्रवार को सरकारी ने जारी किए थे। यह वृद्धि घरेलू लेनदेन और आयात दोनों से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के कारण हुई, जो स्थिर आर्थिक गतिविधि को दर्शाता है, हालांकि विकास की गति हाल के महीनों की तुलना में धीमी रही।

इस साल अप्रैल और जुलाई के बीच ग्रॉस जीएसटी राजस्व 8.18 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 2024 की इस अवधि के 7.39 लाख करोड़ रुपए से 10.7 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। जुलाई में कुल ग्रॉस जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी से 35,470 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी से 44,059 करोड़ रुपए, इंटीग्रेटेड जीएसटी से 1,03,536 करोड़ रुपए और सेस से 12,670 करोड़ रुपए शामिल थे।

जुलाई में लगातार सातवां महीना रहा, जिसमें संग्रह 1.8 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा, लेकिन यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 2.1 लाख करोड़ रुपए के औसत से कम था। अप्रैल में जीएसटी प्राप्तियां रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई थी, जो मई में घटकर 2.01 लाख करोड़ रुपए रह गई। रिफंड के एडजस्टमेंट के बाद जुलाई में नेट जीएसटी राजस्व 1,68,588 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले के 1,65,800 करोड़ रुपए से केवल 1.7 फीसदी ज्यादा है। यह मामूली वृद्धि रिफंड में 66.8 फीसदी की वृद्धि के कारण हुई, जो जुलाई 2024 में 16,275 करोड़ रुपए की तुलना में इस महीने 27,147 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। अप्रैल-जुलाई की अवधि में नेट जीएसटी राजस्व पिछले साल के 6.56 लाख करोड़ रुपए से 8.4 फीसदी बढ़कर 7.11 लाख करोड़ हो गया है। राज्यों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। छोटे पूर्वोत्तर राज्यों ने मजबूत वृद्धि दर्ज की, जिसमें त्रिपुरा 41 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद 26 फीसदी के साथ मेघालय, 23 फीसदी के साथ सिक्किम और 22 फीसदी के साथ नागालैंड रहा। बड़े राज्यों में मध्य प्रदेश में 18 फीसदी, बिहार में 16 फीसदी, आंध्र प्रदेश में 14 फीसदी और पंजाब एवं हरियाणा में 12-12 फीसदी की वृद्धि रही।

# नए अमेरिकी टैरिफ से भारत का जीडीपी का 0.3 से 0.4 फीसदी तक हो सकता है नुकसान!

**नई दिल्ली।**

नए अमेरिकी टैरिफ से भारत का निर्यात नुकसान जीडीपी का 0.3 फीसदी से लेकर 0.4 फीसदी के बीच रह सकता है। इसकी वजह है भारत की अर्थव्यवस्था का घरेलू बाजार पर केंद्रित होना और अमेरिका को गुड्स निर्यात में देश की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम होना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि न केवल भारत की निर्यात पर निर्भरता कम है, बल्कि अमेरिका को होने वाला गुड्स निर्यात देश की जीडीपी के करीब 2 फीसदी के बराबर है, जो अतिरिक्त मजबूती प्रदान करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का सर्विसेज निर्यात इन टैरिफ के दायरे से बाहर रहेगा और इससे एक्सटर्नल सेक्टर को समर्थन मिलता रहेगा।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026 में चालू खाता घाटा (सीएडी) सकल घरेलू उत्पाद के 0.9 फीसदी पर बना रहेगा।

रूस से भारत के तेल आयात में किसी भी तरह के विविधीकरण का भारत के सीएडी पर न्यूनतम प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि रूसी यूराल और बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड के बीच मूल्य अंतर 2023 के औसत 20 डॉलर प्रति बैरल से घटकर करीब 3 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

वित्त वर्ष 2025 में अमेरिका को भारत का व्यापारिक निर्यात 87 अरब डॉलर था। निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का हिस्सा सबसे ज्यादा 17.6 फीसदी रहा। इसके बाद 11.8 फीसदी के साथ फार्मा उत्पाद और 11.5 फीसदी के साथ रत्न एवं आभूषण का स्थान रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के कुल इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में अमेरिका का हिस्सा 37 फीसदी है। इस क्षेत्र की चुनिंदा वस्तुओं को 25 फीसदी अमेरिकी शुल्क से अस्थायी रूप से छूट दी गई है। इसके अलावा अमेरिका को भारत के फार्मा निर्यात को भी टैरिफ से बाहर रखा गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक वियतनाम, इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया जैसे कई एशियाई देशों की तुलना में अमेरिका को अपने निर्यात के लिए भारत का सापेक्ष टैरिफ लाभ, 25 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के बाद प्रभावी रूप से उलट गया है, साथ ही रूस के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों से जुड़े अलग से पैनल्टी लगने की संभावना भी है। हालांकि, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता जारी रहने की उम्मीद है और इससे कुछ राहत मिल सकती है।

# भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक, बदलाव-चुनौतियों के बावजूद मजबूत है साझेदारी

**विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दोनों देशों के रिश्तों को किया साझा**

**नई दिल्ली।** भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है, जो साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत जनसंपर्क आधारित रिश्तों पर आधारित है। यह साझेदारी समय-समय पर हुए बदलावों और चुनौतियों के बाद भी मजबूत बनी है, यह बात विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कही। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत जनसंपर्क पर आधारित एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। यह साझेदारी कई बदलावों और चुनौतियों से से गुजर चुकी है। हमें विश्वास है कि यह संबंध आगे भी प्रगति करेंगे। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने भारत पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि भारत से आने वाले सामानों पर 25 फीसदी का 'पारस्परिक शुल्क' लिया जाएगा और रूस से ऊर्जा खरीद को लेकर एक अलग दंडात्मक शुल्क भी लगाया जाएगा, जो 1 अगस्त से प्रभावी होगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, भारत 1 अगस्त से 25 फीसदी शुल्क देगा। साथ ही उन्होंने यह कहा कि भारत को रूस से ऊर्जा खरीदने पर अतिरिक्त दंड भी भुगतना होगा। ट्रंप ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध में जब तक रूस युद्धविराम नहीं करता, तब तक जो देश रूस से ऊर्जा खरीदते रहेंगे, उन पर अमेरिका की ओर से 100 फीसदी तक का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप के इस कदम को विशेषज्ञों ने एक रणनीतिक दबाव के रूप में देखा है ताकि भारत को किसी समझौते के लिए प्रेरित किया जा सके, खासकर तब जब अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक जैसे अधिकारी यह संकेत दे चुके हैं कि भारत जल्द ही कोई व्यापारिक समझौता कर सकता है।

# कुल 6 नई कारों के मॉडल भारतीय सड़कों पर देंगे दस्तक

**नई दिल्ली।** चालू महीने में भारतीय सड़कों पर वोल्वो, मर्सिडीज, महिंद्रा और वियतनाम की कंपनी विनफास्ट समेत कुल 6 नए मॉडल दस्तक देंगे। वोल्वो एक्ससी 60 फेसलिफ्ट की लॉन्चिंग जल्द होगी। इसमें 11.2-इंच का बड़ा टचस्क्रीन, क्वालकॉम स्नैपड्रैगन चिपसेट, नया ग्रिल और 250एचपी का टर्बो-पेट्रोल इंजन मिलेगा। 12 अगस्त को मर्सिडीज अपनी एएमजी सीएलई 53 कूपे लॉन्च करेगी, जो बेहद स्पोर्टी लुक और 20-इंच व्हील्स के साथ आएगी। इसमें 11.9-इंच टचस्क्रीन और 12.3-इंच डिजिटल क्लस्टर समेत लग्जरी फीचर्स होंगे। 15 अगस्त को महिंद्रा दो नए मॉडल पेश करेगी। पहला है एक सब-4 मीटर कॉम्पैक्ट एसयूवी, जो 'एनयू' प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और 1.2एल या 1.5एल डीजल इंजन के साथ आ सकती है। दूसरा है 'विजन कॉन्सेप्ट' लाइनअप, जिसमें एसएक्सटी, एक्स, टी और एस नाम के चार प्रोटोटाइप शामिल हैं। अगस्त के अंत में वियतनामी कंपनी विनफास्ट अपनी वीएफ 7 और वीएफ 6 इलेक्ट्रिक एसयूवीएस के साथ भारत में एंट्री करेगी। इन दोनों में अडास, वेंटिलेटेड सीट्स, बड़ा टचस्क्रीन और प्रीमियम इंटीरियर्स मिलेंगे।

# ड्यूटी फ्री आयात से दालों के दामों में गिरावट

## किसान और कारोबारी हैरान और परेशान

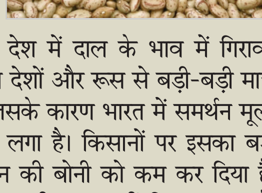

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार ने दालों की कीमतों पर नियंत्रण करने के लिए शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दे दी है।जिसके कारण देश में दाल के भाव में गिरावट देखी जा रही है। कनाडा, अफ्रीकी देशों और रूस से बड़ी-बड़ी मात्रा में दाल आयात की जा रही है। जिसके कारण भारत में समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर दलहन बिकने लगा है। किसानों पर इसका बड़ा प्रभाव पड़ा है। किसानों ने दलहन की बोनी को कम कर दिया है। भारत के किसानों को दलहन का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण किसानों की रुचि दलहन में घटती चली जा रही है। किसान संगठनों द्वारा सरकार से लगातार मांग की जा रही है। विदेश से दलहन का आयात घटाया जाए, लेकिन सरकार ने किसान संगठनों की बात नहीं मानी। जिसके कारण भारत में दलहन के दामो में हर साल बड़ी अस्थिरता देखने को मिलती है। भारतीय बाजारों में चने की कीमत ₹8000 से घटकर 6200 पर आ गई है।तुवर की कीमत ₹11000 से घटकर 6700 पर आ गई है। पीली मटर के दाम 4100 से घटकर 3250 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गए हैं। लगातार दलहन के दामो में गिरावट देखने को मिल रही है। किसान संगठनों के अनुसार इस बार किसान तुवर की बुवाई में कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। जिसके कारण 8 फ़ीसदी रकवा तुवर का घट गया है। पिछले वर्ष 37.99 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में तुवर की बुवाई हुई थी। जो इस साल घटकर 34.90 हेक्टेयर रह गई है। सामान्य तौर पर 45 लाख हेक्टेयर जमीन पर तुवर बोई जाती है। यह रकवा लगातार घटता चला जा रहा है।

# इलेक्ट्रॉनिक और फ़ार्मा पर टैरिफ का कोई असर नहीं?

**नई दिल्ली ।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगातार भारत पर टैरिफ लगाने की धमकी दी जा रही है। इसका असर फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक पर नहीं पड़ेगा। इसलिए भारत को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। अमेरिका का ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) कानून के अनुसार अमेरिका इन दो क्षेत्र के प्रोडक्ट पर अलग से कोई टेरिफ नहीं लगा सकता है। भारत से अमेरिका में जिन उत्पादन का निर्यात होता है। उसका लगभग 50 फ़ीसदी इलेक्ट्रॉनिक और फ़ार्मा का निर्यात है। ऐसी स्थिति में भारत को ट्रंप की धमकियों से डरने की जरूरत नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कृषि और डेयरी क्षेत्र के उत्पाद को भारत के बाजार में भेजना चाहते हैं।जिसके लिए वह दबाव बना रहे हैं। भारत सरकार के लिए यह संभव नहीं है, वह कृषि और डेयरी उत्पाद को अमेरिका से भारत में लाने का समझौता करे। यही एक कारण है, डोनाल्ड ट्रंप भारत के ऊपर मानसिक दबाव बनाकर डील करना चाहते हैं। अमेरिका ने अभी जो 25 फ़ीसदी टैरिफ लगाया है। इसका असर टेक्सटाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी, लेदर फुटवियर, झींगा, एनिमल प्रोडक्ट तथा केमिकल सैक्टर में जरूर इसका असर होगा। यदि यही टैरिफ लग रहा, तो भारत का 50 फ़ीसदी निर्यात व्यापार प्रभावित होगा। जिस तरह की ट्रेड डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ करना चाहते हैं।भारत सरकार डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में यदि वह डील करेगी, तो भारत को भारी नुकसान होना तय है।

# होंडा की घरेलू बिक्री में 19.43प्रतिशत की गिरावट दर्ज

**नई दिल्ली ।** जून 2025 बिक्री के लिहाज से होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) के लिए मिश्रित संकेत लेकर आया। एचएमएसआई की घरेलू बिक्री में 19.43प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो जून 2024 में 4.82 लाख यूनिट्स से घटकर जून 2025 में 3.88 लाख यूनिट्स रह गई। हालांकि एक्टिवा और शाइन जैसी बेस्टसेलिंग टू-व्हीलर्स ने कंपनी की स्थिति को कुछ हद तक संभाला। अकेले एक्टिवा की 1.83 लाख यूनिट्स बिकीं, जो कुल बिक्री का लगभग 47प्रतिशत हिस्सा है। भले ही इसमें पिछले साल के मुकाबले 21.47प्रतिशत गिरावट रही, लेकिन यह अभी भी सबसे ज्यादा बिकने वाला स्कूटर है। वहीं, शाइन 125 और एसपी125 की कुल 1.34 लाख यूनिट्स बिकीं, जो बिक्री में हल्की गिरावट के बावजूद 35प्रतिशत से ज्यादा योगदान देती हैं। सीबी 350 जैसी प्रीमियम बाइक ने भी शानदार प्रदर्शन किया। जून में इसकी 2,361 यूनिट्स बिकीं, जो सालाना आधार पर 103प्रतिशत की वृद्धि है। यह दर्शाता है कि प्रीमियम सेगमेंट में ग्राहक रूचि दिखा रहे हैं। कंपनी की अप्रैल-जून तिमाही में 12.28 लाख यूनिट्स बिकीं, जबकि पिछले साल इसी समय 14.14 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

# आरबीआई ने दिया मौका- अभी भी बदले जा सकते है दो हजार के पुराने नोट

**नई दिल्ली।**

भारतीय रिजर्व बैंक समय-समय पर नोटों से जुड़े हुए बदलाव करता रहता है। आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये के नोट को वापस लेने की घोषणा की थी। उस समय इन नोटों की कुल कीमत 3.56 लाख करोड़ रुपये थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ 6,017 करोड़ रुपये के नोट ही बचे हैं। यानी 98.31 प्रतिशत नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ चुके हैं। फिर भी, कई लोगों के पास ये नोट घर में रखे हो सकते हैं। आरबीआई ने 9 अक्टूबर 2023 से बैंकों में इन नोटों को बदलने की सुविधा बंद कर दी है। अब आप सिर्फ आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस में ही इन्हें जमा या बदल सकते हैं। ये ऑफिस अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं। इन जगहों पर आप अपने नोट जमा कर सकते हैं या अपने बैंक खाते में राशि ट्रांसफर करवा सकते हैं। इसके अलावा आप अपने नजदीकी डाकघर से इन नोटों को किसी भी ऑफिस में भेज सकते हैं। इसके लिए आपको एक आवेदन पत्र भरना होगा, जिसमें आपकी बैंक डिटेल्स और नोटों की जानकारी देनी होगी। इसके साथ पहचान पत्र की कॉपी भी भेजनी होगी। आरबीआई को नोट मिलने के बाद आपके खाते में पैसे जमा हो जाएंगे। यह सुविधा खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो छोटे शहरों या गांवों में रहते हैं। तो, अगर आपके पास 2000 रुपये के नोट पड़े हैं, तो जल्दी से इन्हें जमा कर लें। देर करने से बचें, क्योंकि आरबीआई ने साफ कर दिया है कि ये नोट वैध तो हैं, लेकिन इनका चलन अब लगभग खत्म हो चुका है। अपने पैसे को सुरक्षित रखने के लिए आप ये काम कर सकते हैं।

# बाजार में भारी गिरावट रही लेकिन आईटीसी के शेयरों में आई तेजी

## कंपनी का अप्रैल से जून 2025 में नेट प्रॉफिट 4912 करोड़ रुपए रहा

**नई दिल्ली।**

शुक्रवार को बाजार के बंद होने के बाद आईटीसी ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया। कंपनी की तरफ से दी जानकारी के मुताबिक अप्रैल से जून 2025 में नेट प्रॉफिट 4912 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 4874 करोड़ रुपए था। कंपनी का रेवन्यू 20,911 करोड़ रुपए है। सालाना आधार पर आईटीसी का रेवन्यू 15 फीसदी बढ़ा है। बता दें एक साल पहले इस अवधि में आईटीसी का रेवन्यू 18,266 करोड़ रुपए था।

भले ही शुक्रवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट थी, लेकिन आईटीसी के शेयरों में तेजी थी। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर आईटीसी लिमिटेड के शेयर 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 416.50 रुपए पर बंद हुए थे। आईटीसी लिमिटेड का ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 3 फीसदी की तेजी के साथ 6261 करोड़ रहा था। वहीं, प्रॉफिट (टैक्स भुगतान) 6545 करोड़ रुपए रहा। सालाना आधार पर प्रॉफिट 1.9 फीसदी बढ़ा। एफएमसीजी सेगमेंट का योगदान 5543 करोड़ रुपए रहा।

वहीं, सिगरेट डिविजन में 3.7 फीसदी के इजाफे के साथ 5145 करोड़ रुपए रहा। वहीं, नॉन सिगरेट एफएमसीजी बिजनेस 16.5 फीसदी की गिरावट के बाद 397 करोड़ रुपए था। बीते 6 महीने में यह स्टॉक 9.94 फीसदी गिरा। वहीं, एक साल में आईटीसी लिमिटेड के शेयरों का भाव 10 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है। कंपनी का 52 वीक हाई 500.01 रुपए और 52 वीक लो लेवल 391.50 रुपए है। बता दें कंपनी का शेयर 2 साल में 5 फीसदी से ज्यादा टूटा।

# एमसीए को जांच में मिली कई गड़बड़ी, इंडसइंड बैंक की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

## बैंक खराब कर्ज की पहचान करने और अनियमितताओं जैसी समस्याओं से जूझ रहा है

**नई दिल्ली।**

प्राइवेट सेक्टर के इंडसइंड बैंक की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) को जांच में कई गड़बड़ी मिली है। एमसीए अब इस मामले की जांच महानिदेशालय को सौंपने पर विचार कर रहा है। इसके अलावा गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) को भी मामला सौंपा जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो इंडसइंड बैंक के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो जाएगी। हालांकि, बैंक को इस संबंध में एमसीए से कोई सूचना नहीं मिली है।

बता दें इंडसइंड बैंक पहले से ही आरबीआई, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अलावा भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान सहित कई प्राधिकरणों की जांच के दायरे में है। इंडसइंड बैंक का जून 2025 को खत्म तिमाही का मुनाफा 72 फीसदी से घटकर 604 करोड़ रुपए पर आ गया। बैंक ने एक साल पहले इस अवधि में 2,171 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था।

इंडसइंड बैंक को मार्च 2025 तिमाही में 2,329 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में बैंक की कुल आय घटकर 14,420.80 करोड़ रह गई, जबकि इससे एक साल पहले इसी तिमाही में यह 14,988.38 करोड़ थी। समीक्षा अवधि में मुख्य शुद्ध ब्याज आय भी 5,408 करोड़ रुपए से घटकर 4,640 करोड़ रह गई। हालांकि शुल्क और अन्य आय में अपेक्षाकृत सीमित गिरावट हुई और यह आंकड़ा सालाना आधार पर 2,442 करोड़ से घटकर 2,157 करोड़ रुपए रहा। इंडसइंड बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात जून, 2025 में बढ़कर 3.64 फीसदी हो गया, जो मार्च, 2025 में 3.13 फीसदी था, लेकिन तिमाही आधार पर प्रावधान 2,522 करोड़ रुपए से घटकर 1,760 करोड़ रुपए रह गया। बता दें इंडसइंड बैंक खराब कर्ज की पहचान करने और वायदा-विकल्प खंड में कथित अनियमितताओं से जूझ रहा है।

# बीएसएनएल ने रेलटेल को दिया 166.38 करोड़ का काम, 2028 तक करना होगा पूरा

**नई दिल्ली।** रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को बड़ा प्रोजेक्ट मिला है। कंपनी को बीएसएनएल ने 166.38 करोड़ रुपए का काम दिया है। यह कॉन्ट्रैक्ट सर्विस आधारित है। इस प्रोजेक्ट रेलटेल को 31 जुलाई 2028 तक पूरा करना होना। रेलटेल ने पहली तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। अप्रैल से जून 2025 में रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का नेट प्रॉफिट 66 करोड़ था। सालाना आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 36 फीसदी बढ़ा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 48.60 करोड़ था। बता दें रेवन्यू पहली तिमाही में 743.80 करोड़ रुपए रहा। सालाना आधार पर 33.20 फीसदी रेवन्यू बढ़ा है। ईबीआईटीडीए का कंपनी का 28 फीसदी बढ़ा है। जून क्वार्टर में यह 133 करोड़ था। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 104 करोड़ रुपए रहा है। शुक्रवार को रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के शेयर 3.68 फीसदी की गिरावट के बाद 353.70 रुपए पर बंद हुआ था। बीते तीन महीने में इस स्टॉक की कीमतों में 19 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इसके बाद भी एक साल में यह स्टॉक 28 फीसदी टूटा है। इसके बाद भी 2 साल में कंपनी के शेयरों में 100 फीसदी की उछाल आई। रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयर इस महीने एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 85 पैसे का डिविडेंड देने का फैसला लिया गया है।

# वर्तमान वैश्विक नेतृत्व में विश्व कल्याण के भाव का अभाव है

प्रहलाद सबनानी

**वर्तमान वैश्विक नेतृत्व द्वारा विश्व कल्याण पर विचार किए जाने एवं छोटे छोटे अविकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं की सहायता किए जाने के स्थान पर अन्य देशों, जिनके नेता इन तथाकथित विकसित देशों की अमानवीय शर्तों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, की अर्थव्यवस्थाओं को बर्बाद किये जाने की धमकियां तक दी जा रही हैं। यूरोपीयन यूनियन के अध्यक्ष ने भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने की धमकी इसलिए दी है क्योंकि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है।**

आज विश्व के कुछ देशों में सत्ता उस विचारधारा के दलों के पास आ गई है जो शक्ति के मद में चूर हैं एवं अपने लिए प्रशंसा प्राप्त करना चाहते हैं। उनके विचारों में विश्व कल्याण की भावना का पूर्णतः अभाव है। इन देशों के नेतृत्व की कार्यप्रणाली से कुछ देशों के बीच आपस में टकराव पैदा होता दिखाई दे रहा है। दो देशों के बीच की समस्याओं को हल करने के प्रयास के स्थान पर किसी एक देश का पक्ष लेकर दूसरे देश के विरुद्ध खड़े हो जाना भी इन देशों की कार्यप्रणाली का हिस्सा बनता जा रहा है। इस कार्यप्रणाली से कुछ देशों के बीच आपस में युद्ध की स्थिति निर्मित हो रही है। इजराईल एवं ईरान के बीच एवं रूस एवं यूक्रेन के बीच तथा कम्बोडिया एवं थाईलैंड के बीच छिड़ा हुआ युद्ध इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। दरअसल, दो देशों के बीच युद्ध छिड़ने से चौधराहट करने वाले देशों द्वारा अपने देश में निर्मित हथियारों को युद्ध करने वाले देशों को बेचा जाता है जिससे इन देशों में प्रभावशाली लाबी संतुष्ट होती है और वह इन देशों में चुनाव के समय राजनैतिक दलों की मदद करने का प्रयास करती है। पूंजीवादी देशों में कोरपोरेट जगत द्वारा ही सत्ता की स्थापना की जाती है। सत्ता प्राप्त करने के बाद इन्हीं राजनैतिक दलों द्वारा इस कोरपोरेट जगत के हितों को साधने का प्रयास किया जाता है। इस प्रकार इन देशों में राजनैतिक दलों एवं कोरपोरेट जगत का एक नेक्सस अपने अपने हितों का ध्यान रखने के लिए सक्रिय रहता है। अमेरिका में भी आज यही स्थिति दिखाई दे रही हैं। अमेरिका में हथियारों का उत्पादन करने वाली कम्पनियों की, वर्तमान सत्ता के गलियारे में, अच्छी पैठ दिखाई देती है।

वर्तमान वैश्विक नेतृत्व द्वारा विश्व कल्याण पर विचार किए जाने एवं छोटे छोटे अविकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं की सहायता किए जाने के स्थान पर अन्य देशों, जिनके नेता इन तथाकथित विकसित देशों की अमानवीय शर्तों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, की अर्थव्यवस्थाओं को बर्बाद किये जाने की धमकियां तक दी जा रही हैं। यूरोपीयन यूनियन के अध्यक्ष ने भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने की धमकी इसलिए दी है क्योंकि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है। इसी प्रकार, ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत एवं रूस की अर्थव्यवस्थाओं को मृत अर्थव्यवस्था की श्रेणी का बताया है एवं भारत द्वारा अमेरिका में किए जाने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का टैरिफ 1 अगस्त 2025 से लागू कर दिया

है क्योंकि भारत, रूस से कच्चे तेल एवं सुरक्षा उपकरणों का भारी मात्रा में आयात करता है। जबकि, भारत एवं अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार संधि अपने अंतिम चरण में हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूजनीय श्री गुरुजी (श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर) ने आज से 65/70 वर्ष पूर्व ही साम्यवादी एवं पूंजीवादी विचारधारा पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा था कि ह्न तो साम्यवाद और न ही पूंजीवाद संसार को एक सूत्र में बांध सकेंगे। इसके पीछे उन्होंने कुछ बुनियादी कारण बताए थे। भौतिकवादी दर्शन, जो मनुष्य को एक प्राणी मात्र समझता है और मनुष्य की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति को ही सर्वोच्च लक्ष्य मानता है, वह मनुष्य में स्पर्धा और संघर्ष का भाव तो उत्पन्न कर सकता है, उसमें एकता और सौहार्द पैदा नहीं कर सकता। कारण स्पष्ट है - भौतिकता की भूमि पर मतभेद और मार्गों की भिन्नता अनिवार्य हो जाती है। वे अलगाव और वर्चस्व की धारा को बल प्रदान करते हैं। जो लोग संसार को भौतिकता के यथार्थ से देखते हैं उनके लिए समन्वय और एकात्मता का कोई महत्व नहीं है। वे सहयोग के विषय में सोच ही नहीं सकते। यह तो भारत की दृष्टि है, जब हम इन विभिन्नताओं के भीतर छिपी आंतरिक एकता का अनुभव करते हैं, जब हम सम्पूर्ण एकात्मता की अनुभूति कर पाते हैं। भौतिकवादी दृष्टिकोण में हम अपना अलग और बिरला अस्तित्व समझने लगते हैं, जिनमें पारस्परिक प्रेम और अपनत्व का कोई स्थान नहीं होता। ऐसे प्राणियों में अपनी स्वार्थपरता पर नियंत्रण करने और समस्त मानवजाति की भलाई में बाधक तत्वों को नष्ट करने की भी कोई प्रेरणा नहीं होती हैं।ह्व आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों की सत्ता में बैठे विभिन्न राजनैतिक दलों की स्थिति को देखते हुए, 65/70 वर्ष पूर्व प्रकट किए गए पूजनीय गुरुजी के उक्त विचार आज कितने सटीक बैठते हैं।

पूजनीय श्री गुरुजी का यह दृढ़ विश्वास था कि भारतीय जीवन पद्धति ही एक मात्र ऐसी पद्धति है जो सामाजिक विकास को अवरुद्ध किए बिना वैयक्तिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करती है। पश्चिमी दर्शन दो पद्धतियों पर विश्वास करता है - लोकतंत्र और साम्यवाद। लोकतंत्र ने स्वार्थ परता को बढ़ावा दिया और एक मनुष्य को दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर दिया। यह सर्वविदित है। इसमें मनुष्य के लिए कहीं भी शांति नहीं है। इस व्यवस्था में आध्यात्मिकता के विकास का कोई अवसर अथवा मार्ग नहीं है। आत्म-प्रशंसा और पर निंदा जो प्रायः चुनावों के समय देखी जा सकती है, आध्यात्मिकता की हत्या कर देती है। यह विचार भारत की वर्तमान राजनैतिक स्थिति पर भी सटीक बैठते हैं। दूसरी ओर, साम्यवाद मस्तिष्क को एक ही विचारधारा से ग्रसित कर देता है। यह मनुष्य की वैयक्तिकता का विनाश कर देता है किन्तु मनुष्य केवल पशु नहीं है जो खाते पीते है और संतानोत्पति मात्र करते हैं। मनुष्य में सोचने, विचारने, चिंतन एवं मनन करने की शक्ति भी होती है जिसके माध्यम से कर्म एवं अर्थ सम्बंधी कार्य को धर्म के साथ जोड़कर सम्पन्न करने की क्षमता विकसित होती है। इस शक्ति को भौतिक वस्तुओं की सम्पन्नता के बीच भी प्राप्त किया जा सकता है यदि व्यक्ति का झुकाव आध्यात्म की ओर हो।

पूंजीवादी एवं साम्यवादी विचारधारा के ठीक विपरीत भारतीय दर्शन में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामाजिक एकता को परस्पर आश्रितता के माध्यम से दोनों को ही सुनिश्चित किया गया है। प्राचीन काल में भारत के नागरिक आर्थिक दबाव से मुक्त रहते थे, क्योंकि किसी भी परिवार में शिशु के जन्म के साथ ही उसे एक पुश्तैनी व्यवसाय को चलायमान रखने की गारंटी रहती थी। उस खंडकाल में परिवार में पुश्तैनी व्यवसाय को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी आने वाली पीढ़ी के कंधो पर रहती थी। अतः युवा पीढ़ी पर आर्थिक दृष्टि से दबाव अथवा तनाव नहीं रहता था। अब तो पश्चिमी दार्शनिक भी भारतीय आर्थिक दर्शन के विभिन्न आयामों पर गम्भीरता से विचार करने लगे हैं। दरअसल, इसी पद्धति के चलते भारत में वर्ण व्यवस्था (क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र एवं ब्राह्मण) पनपी थी जिसे बाद में अंग्रेजों ने दुर्भावनावश जाति व्यवस्था का नाम दे दिया था तथा हिंदू समाज में जाति व्यवस्था के नाम पर तथाकथित विभिन्न जातियों (अंग्रेजी शासन की देन) के बीच आपस में मतभेद पैदा करने में सफलता पाई थी ताकि उन्हें भारत पर अपना शासन स्थापित करने में आसानी हो।

वैश्विक स्तर पर पूंजीवादी एवं साम्यवादी व्यवस्थाओं में आ रही समस्याओं के समाधान में असफल रहने के बाद अब कई देश भारत के दर्शन पर रिसर्च कर रहे हैं एवं इस व्यवस्था को अपने देश में लागू करने पर गम्भीरता से विचार कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी लगातार इस बात को दोहराता रहा है कि सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों से ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है। अतः भारत का विश्व गुरु बनना केवल भारत के लिए ही नहीं बल्कि विश्व के भले के लिए भी आवश्यक है। भारत में पनपी हिंदू सनातन संस्कृति मनुष्य को सांसारिक आवश्यकताओं से चिंतामुक्त करके ईश्वरोन्मुखी बनाती है। भारत में समस्त वर्णों में उच्च श्रेणी के संत महात्माओं का जन्म हुआ है। यही कारण है कि सभी जातियों में आध्यात्मिकता के आधार स्तम्भ पर खड़ा यह एक आश्चर्यजनक लोकतंत्र है। इस पृष्ठभूमि में भारत में सभी नागरिक समान और एकात्म हैं। इसी आध्यात्म के बल पर कालांतर में भारत विश्व गुरु बन गया था। आज के परिप्रेक्ष्य में एक बार पुनः पूरे विश्व को एक बार पुनः भारतीय आध्यात्म की आवश्यकता है

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संपादकीय

### सत्रह साल बाद राहत

करीब सत्रह साल पहले हुए मालेगांव विस्फोट मामले में सभी सातों अभियुक्तों को विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अदालत ने बरी कर दिया है। इस घटना में सात जान गई थीं और सौ से ज्यादा लोग घायल हुए थे। मामले में 323 गवाहों से पूछताछ की गई जिनमें से 37 बयान से मुकर गए। अदालत ने कहा कि कोई धर्म हिंसा नहीं सिखाता। अदालत सिर्फ धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहरा सकती। आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस सबूत न मिलने की बात कहते हुए अदालत ने जांच की खामियों को उजागर किया और आरोपियों को संदेह का लाभ पाने की हकदार बताया। सितम्बर, 2008 में महाराष्ट्र के मालेगांव में मस्जिद के पास खड़ी मोटरसाइकिलों में रखे विस्फोटकों में हुए धमाकों की जांच शुरूआत में महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ता कर रहा था जिसे 2011 में एनआईए को सौंप दिया गया था। अभी कुछ ही दिन पहले मुंबई लोकल ट्रेन में हुए विस्फोट के मामले में बरी सभी अभियुक्तों के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई है। अदालत द्वारा संदेह का लाभ देना और ठोस सबूत देने में सफल न होने को इंगित करना बेशक, न्याय के दायरे में आता है। मगर असल सवाल तो ज्यों का त्यों है कि बेकसूरों की मौत का जिम्मेदार आखिर, कौन है। साक्ष्यों, विश्वसनीय प्रमाणों व प्रत्यक्षदर्शियों के अतिरिक्त अन्य एंगल से जांच करने में कोताही क्यों और किसके कहने पर की गई। अगर यह जानबूझकर हुआ तो इसके पीछे किसकी साजिश थी, और मंशा क्या थी। ऐसे ढेरों सवाल हैं जो इन दोनों विस्फोटों की घटनाओं की बुनियाद में दबे हैं, जिन्हें अनुत्तरित नहीं छोड़ा जा सकता। हिन्दुत्ववादी संगठनों और धार्मिक चोला ओढ़ने वालों पर लगाए गए आरोपों के पीछे की साजिश का परत-दर-परत खुलासा किया जाना देश और समाज के हित में होगा। बरी किए गए अभियुक्तों पर लगाई गई मकोका यानी महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम की धाराएं 2017 में ही हटाए जाने के पीछे का मकसद समझना भी पेचीदा है। इतने लंबे वक्त में विस्फोटों में इस्तेमाल आरड़ीएक्स का स्रोत जांच एजेंसियां क्यों नहीं ढूंढ़ पाई। साजिश रचने के आरोपों में हुई बैठकों से संदिग्ध मसौदा या साक्ष्य नहीं मिलने के बावजूद मामले को तूल किसके कहने पर दिया गया। विस्फोट हुआ इसमें संदेह नहीं है तो असल अपराधियों की धरपकड़.के प्रति न्याय प्रक्रिया को कड़ाई से पक्षपात के बगैर कदम उठाना होगा।

## चिंतन-मनन

### सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी। ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- ह्यबोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

# अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आपसी मित्रता बढ़ाने की सख़्त जरूरत

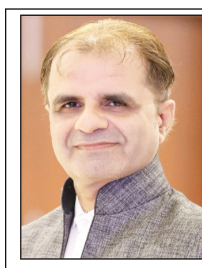

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज विभिन्न देशों के बीच कटुता बढ़ती जा रही है। विभिन्न समुदायों के बीच नफरत का दायरा बढ़ता जा रहा है। आंदोलनों का जाल अनेकों देश में घटित समस्याओं के चलते बढ़ता जा रहा है जो हम भारत- पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इसराइल -हमास कंबोडिया- थाईलैंड,अमेरिका-ईरान,चीन- ताइवान व अन्य देशों के बीच सहित अनेको देशों में देख रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इन सब समस्याओं को पाटनें का सबसे सरल सस्ता सटीक उपाय है,मित्रता! दोस्ती, अपनापन, यदि इस सटीक अस्त्र का उपयोग दुनियां के सभी देश करें तो यूक्रेन-रूस, हमास-इजरायल ईरान- इजरायल के बीच युद्ध व विभिन्न अंतरराष्ट्रीय यूनियनों के बीच कटुता कभी नहीं बढ़ेगी। विश्व के चारों ओर शांति रूपी स्नेह की बारिश होगी तो, खुशहाली को आना ही पड़ेगा। जिसपर हर देश का नागरिक खुशहाल जीवन का लुफ्त उठाएंगे। इसलिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 27 अप्रैल 2011 को अपने 65 वें सेशन में एजेंडा आइटम नंबर 15 कल्चर ऑफ पीस के अंतर्गत 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। जबकि भारत अमेरिका बांग्लादेश सहित अनेकों देश अंतर्राष्ट्रीय फ्रेंडशिप डे अगस्त के पहले रविवार को मनाते आ रहे हैं जो इस वर्ष 2025 के अगस्त का पहला रविवार 3 अगस्त 2025 आया है। वर्तमान परिपेक्ष में अगर मित्रता का वैश्विक परिपेक्ष लेकर, दुनियां के पूरे देशों और नागरिकों द्वारा वर्ष 2025 में अपनाया जाती है तो मेरा मानना है कि आपसी युद्ध की नौबत कभी नहीं आएगी। चूंकि अच्छे मित्र का साथ हो तो बड़ी से बड़ी चुनौतियों सेआसानी से निपटा जा सकता है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,राजनीति और मित्रता - आदर्श या अवसरवाद?-अच्छे मित्र का साथ हो तो,बढ़ी से बढ़ी चुनौतियों से आसानी से निपटा जा सकता है।

साथियों बात अगर हम मित्र के महत्व को समझने की करें तो, कोई व्यक्ति जन्म के बाद खुद से अपने बल पर जो पहला रिश्ता बनाता है, उसे दोस्ती कहते हैं। परिवार से बाहर एक दोस्त ही हमारा मार्गदर्शक,सलाहकार, राजदार और शुभचिंतक होता है। इसी दोस्ती के नाम एक खास दिन समर्पित किया गया है,जिसे फ्रेंडशिप डे के तौर पर मनाया जाता है। हालांकि दुनियां भर में साल में दो बार दोस्ती दिवस मनाते हैं। ऐसे में कई लोग असमंजस में हैं कि असली मित्रता दिवस किस दिन मनाएं। आमतौर पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अंतर्राष्ट्रीय फ्रेंडशिप डे 30 जुलाई को मनाया जाता है, जबकि भारत में हर साल अगस्त माह के पहले रविवार को मनाया जाता है, इस दिन हर कोई अपने दोस्तों के साथ एंजॉय करता है, इस साल भारत में 3 अगस्त को फ्रेंडशिप डे मनाया जा रहा है।व्यक्ति के जीवन में दोस्त जरूर होते हैं। अगर न हों तो एक दोस्त जरूर बनाना चाहिए। दोस्ती कभी भी हो सकती हैं, उसमें उम्र, लिंग या किसी अन्य तरीके का कोई भेद नहीं होता। दोस्त आपका ऐसा समर्थक होता है जो हमारी तरक्की के लिए अच्छी सलाह देता है और हमारी खुशी में खुश होता है। ऐसे में हमारे जीवन को सरल, सुलझा हुआ और अधिक मनोरंजक बनाने के लिए दोस्ती दिवस मनाते हैं और इस मौके पर दोस्त को खास महसूस कराते हैं।दोस्ती जीवन के सबसे अनमोल बंधनों में से एक है।यह रिश्ता खून का न होते हुए भी बढ़-चढ़कर साथ निभाता है।सात अक्षरों का शब्द फ्रैंड्स बेशक बहुत सरल हो, लेकिन जब हम किसी परेशानी में होते हैं तो दोस्त हमारे साथ होते हैं। वैसे तो दोस्ती को सेलिब्रेट करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं है,फिर भी इस दिन को और खास बनाने के लिए हर साल फ्रेंडशिप-डे मनाया जाता है।यह दिन दोस्तों के महत्व और हमारे जीवन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी सम्मान और मान्यता देता है। यह दिन प्रशंसा व्यक्त करने, रिश्तों को मजबूत करने और दोस्ती से मिलने वाली खुशी का जश्न मनाने का अवसर है। इस दिन,लोग आम तौर पर उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं, संदेश भेजते हैं और एक साथ समय बिताते हैं, ये सभी मजबूत और सहायक दोस्ती के महत्व को मजबूत करने में मदद करते हैं। जबकि विशिष्ट तिथि देश के अनुसार अलग-अलग हो सकती है, मूल विचार एक ही रहता है, यानी हमारे जीवन को समृद्ध करने वाले रिश्तों का जश्न मनाना और उन्हें संजोने को रेखांकित करना जरूरी है।

साथिया बातें अगर हम 3 अगस्त 2025 को अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस के परिपेक्ष में राजनीति और मित्रता एक आदर्श या अवसरवाद के रूप में देखे तो,भारत और अमेरिका की दोस्ती को राजनीति और अवसरवाद दोनों के नजरिए से देखा जा सकता है। जिसका सटीक उदाहरण ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ जो 1 अगस्त 2025 से लागू था उसको 7 अगस्त तक एक्सटेंशन कर दिए हैं कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह एक रणनीतिक साझेदारी है जो दोनों देशों के हितों को साधने का काम करती है,जबकि अन्य इसे अवसरवादी संबंधों के रूप में देखते हैं, जहां दोनों देश अपने- अपने फायदे के लिए एक-दूसरे का इस्तेमाल करते हैं। जो रेखांकित करने वाली बात है

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस को मनाने के विचार व उद्देश्यों की करें तो, संयुक्त राष्ट्र ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर लिखा,संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2011 में अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस की घोषणा इस विचार के साथ की गई थी कि लोगों, देशों, संस्कृतियों और व्यक्तियों के बीच मित्रता शांति प्रयासों को प्रेरित कर सकती है और समुदायों के बीच सेतु का निर्माण कर सकती है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों, देशों, संस्कृतियों और व्यक्तियों के बीच मैत्री को संजोना था, जो शांति प्रयासों को प्रेरित कर सकें और समुदायों के बीच सेतु का निर्माण कर सकें। अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस मनाने के लिए,संयुक्त राष्ट्र सरकारों राष्ट्रों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और अन्य सामाजिक समूहों को मित्रता और इसके महत्व के बारे में लोगों के बीच संवाद को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम,प्रतियोगिताएं और अन्यगतिविधियां आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारा विश्व अनेक चुनौतियों, संकटों और विभाजनकारी शक्तियों का सामना कर रहा है,जैसे गरीबी, हिंसा, मानवाधिकारों का हनन,तथा अन्य अनेक जो विश्व के लोगों के बीच शांति, सुरक्षा, विकास और सामाजिक सद्भाव को कमजोर करते हैं।उन संकटों और चुनौतियों का सामना करने के लिए, मानव एकजुटता की साझा भावना को बढ़ावा देने और उसका बचाव करके उनके मूल कारणों का समाधान किया जाना चाहिए, जिसके कई रूप हैं, जिनमें से सबसे सरल है मित्रता।मित्रता के माध्यम से,सौहार्दपूर्ण संबंधों को संचित करके और विश्वास के मजबूत संबंध विकसित करके,हम उन मूलभूत बदलावों में योगदान दे सकते हैं जो स्थायी स्थिरता प्राप्त करने के लिए तत्काल आवश्यक हैं, एक सुरक्षा जाल बुन सकते हैं जो हम सभी की रक्षा करेगा, और एक बेहतर विश्व के लिए जुनून पैदा करेगा जहां सभी लोग व्यापक भलाई के लिए सटीकता से एकजुट होंगे।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस की पृष्ठभूमि की करें तो,प्रस्ताव में युवा लोगों को भावी नेताओं के रूप में सामुदायिक गतिविधियों में शामिल करने पर जोर दिया गया है, जिसमें विभिन्न संस्कृतियां शामिल हों और अंतर्राष्ट्रीय समझ और विविधता के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिले।अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और नागरिक समाज समूहों को ऐसे आयोजन, गतिविधियां और पहल करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो सभ्यताओं के बीच संवाद, एकजुटता, आपसी समझ और सामंजस्य को बढ़ावा देने की दिशा में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों में योगदान दें।

# सुनामीः रूस में जापान जैसा कहर

प्रमोद भार्गव

तीन साल से भी अधिक समय से यूक्रेन से युद्ध लड़ रहे रूस में 8.8 तीव्रता के भीषण भूकंप ने नई त्रासदी खड़ी कर दी है। रूस के पूरब में स्थित कामचटका प्रायद्वीप में 30 जुलाई, 2025 को आए भूकंप के झटकों से कामचटका और पास के कुरील द्वीप समूह के भूखंड हिल गए। इसे विश्व में आए सबसे तीव्र भूकंपों में दर्ज किया गया है। इस प्राकृतिक आपदा से भारी नुकसान और अनेक लोगों के घायल होने की सूचनाएं हैं। इसके असर से प्रायद्वीप के समुद्र तटों से 16 फीट ऊंची सुनामी जैसी लहरें टकराई जिससे तटीय इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। इसकी तुलना मार्च, 2011 में जापान में आए 9.0 तीव्रता के भूकंप से की जा रही है। इसे समुद्री सुनामी कहा गया था। इस सुनामी से जापान के फुकुशिमा, दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र का कूलिंग सिस्टम निष्क्रिय करना पड़ा था।

अलास्का स्थित राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र के समन्वयक डेव स्नाइडर का कहना है कि सुनामी जैसी लहरों का प्रभाव कई घंटों या एक दिन से भी अधिक समय तक रह सकता है। सुनामी केवल एक लहर नहीं होतीङ्क बल्कि यह लंबे समय तक चलने वाली शक्तिशाली लहरों की एक श्रृंखला होती है। सुनामी एक विमान की गति से सैकड़ों मील प्रति घंटे की रफ्तार से समुद्र पार करती है किंतु जब लहरें किनारे के निकट पहुंचती हैं, तब उनकी गति धीमी पड़ जाती है किंतु किनारे पर इनके एकत्रीकरण से जल प्रलावन की आशंका बढ़ जाती है। इस कारण पानी की ये लहरें धरती पर पहुंचती हैं, और आगे-पीछे होती रहती हैं। दुनिया में अब तक 8.6 तीव्रता से 9.5 तीव्रता के भूकंप चिली, अलास्का, सुमत्रा, तोहोकू, कामचटका (1952), चिली (2010), इक्वाडोर, अलास्का (1965), अरुणाचल प्रदेश भारत और सुमात्रा (2012) आए हैं। इनमें जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।

दरअसल, दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविद् की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में हमारा भी हाथ होता है। प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन से छोटे स्तर के भूकंपों की पृश्ठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। पहले 13 सालों में एक बार भूकंप आने की आशंका बनी रहती थी, लेकिन अब यह घट कर 4 साल हो गई है। भूकंपों का वैज्ञानिक आकलन करने से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली हुई है। 25 अप्रैल, 2015 को नेपाल में जो भूकंप आया था, उससे 20 थर्मान्यूक्लियर हाइड्रोजन बमों के बराबर ऊर्जा निकली थी। यहां हुआ प्रत्येक विस्फोट हिरोशिमा-नागाशाकी में गिराए गए परमाणु बमों से भी कई गुना ज्यादा ताकतवर था। 2011 में जापान और फिर क्योटो में आए सिलसिलेवार भूकंपों से पता चलता है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रहीं भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं। ये हलचलें भारत, पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की धरती के नीचे भी अंगड़ाई ले रही हैं। इसलिए इन देशों के महानगर भी भूकंप के मुहाने पर हैं।

भूकंप आना कोई नई बात नहीं है। जापान, इक्वाडोर और नेपाल समेत पूरी दुनिया इस अभिशाप को झेलने के लिए जब-तब विवश होती रही है। बावजूद हैरानी इस बात पर है कि विज्ञान की आश्चर्यजनक तरक्की के बाद भी वैज्ञानिक आज तक ऐसी तकनीक ईजाद करने में असफल रहे हैं, जिससे भूकंप की जानकारी आने से पहले मिल जाए।

प्राकृतिक आपदाएं अब व्यापक व विनाशकारी साबित हो रही हैं क्योंकि धरती के बढ़ते तापमान के कारण वायुमंडल भी परिवर्तित हो रहा है। अमेरिका व ब्रिटेन समेत यूरोपीय देशों में दो शताब्दियों के भीतर बेतहाशा अमीरी बढ़ी है। औद्योगिकीकरण और शहरीकरण इसी अमीरी की उपज हैं। यह कथित विकासवादी अवधारणा कुछ और नहीं, प्राकृतिक संपदा का अंधाधुंध दोहन कर पृथ्वी को खोखला करने का ऐसा उपाय है, जो ब्रह्मांण्ड में फैले अवयवों में असंतुलन बढ़ा रहा है। इस विकास के लिए पानी, गैस, खनिज, इस्पात, ईंधन और लकड़ी जरूरी हैं। नतीजतन, जो

कॉर्बन गैसें बेहद न्यूनतम मात्रा में बनती थीं, वे अब अधिकतम मात्रा में बनने लगी हैं। न्यूनतम मात्रा में बनी गैसों का शोषण और समायोजन भी प्राकृतिक रूप से हो जाता था, किंतु अब वनों का विनाश कर दिए जाने के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है, जिसकी वजह से वायुमंडल में इकतराफा दबाव बढ़ रहा है। इस कारण धरती पर पड़ने वाली सूरज की गर्मी प्रत्यावर्तित होने की बजाय धरती में ही समाने लगी है। गोया, धरती का तापमान बढ़ने लगा जो जलवायु परिवर्तन का कारण तो बना ही, प्राकृतिक आपदाओं का कारण भी बन रहा है।

संक्षिप्त समाचार

## पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों पर गाज, पाक कोर्ट ने सुनाई करीब 200 लोगों को 10-10 साल की सजा

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को पंजाब प्रांत में नौ मई, 2023 को आईएसआई भवन और अन्य सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमले के सिलसिले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के कुछ सांसदों सहित 166 सदस्यों को 10-10 साल की सजा सुनाई है। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं को सजा सुनाए जाने की खबर देश भर में पांच अगस्त से प्रस्तावित 'फ्री इमरान खान मूवमेंट' के शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले आई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने फैसलाबाद आतंकवाद निरोधक अदालत (एटीसी) के फैसले की कड़ी निंदा की है और इसे संसद से उसके सांसदों को अयोग्य ठहराने तथा पार्टी को शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने से रोकने की साजिश का हिस्सा बताया है। अदालत ने बृहस्पतिवार को फैसलाबाद में आईएसआई भवन पर हमले के मामले में 185 आरोपियों में से 108 को दोषी ठहराया और शेष 77 को बरी कर दिया। फैसलाबाद में एक पुलिस थाने पर हमले से संबंधित मामले में 58 आरोपियों को 10-10 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। अदालत ने नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब, सीनेट में विपक्ष के नेता शिबली फराज तथा पीटीआई के प्रमुख नेता जरताज गुल और साहिबजादा हामिद रजा को 10-10 साल की सजा सुनाई। दोषियों में नेशनल असेंबली के छह सदस्य, पंजाब विधानसभा का एक सदस्य और एक सांसद शामिल हैं। नौ मई की घटना के मुकदमों में अब तक इमरान खान की पार्टी के 14 सांसदों को दोषी ठहराया गया है और पद से अयोग्य घोषित किया गया है। पार्टी के अंतरिम चेयरमैन गौहर अली ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ इस फैसले को लाहौर उच्च न्यायालय में चुनौती देगी।

## वेटिकन बनेगा दुनिया का पहला कार्बन तटस्थ देश

**वेटिकन सिटी, एजेंसी।** वेटिकन सिटी रोम के उत्तर में मौजूद 430 हेक्टेयर (एक हजार एकड़) भूमि पर सौर ऊर्जा फार्म विकसित करने की योजना बना रहा है। इस फार्म से वेटिकन सिटी को उम्मीद है कि वे अपनी जरूरत के लिए पर्याप्त बिजली का उत्पादन कर पाएंगे और वेटिकन सिटी दुनिया का पहला कार्बन-तटस्थ देश बन जाएगा। जिस जगह सौलर फार्म विकसित किया जाना है, वह जगह इटली और वेटिकन सिटी के बीच विवाद का कारण रही थी। हालांकि अब दोनों देशों में इसे लेकर समझौता हो गया है। समझौते के तहत वेटिकन सिटी सौर ऊर्जा फार्म के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जमीन में कृषि उपयोग संरक्षित रखेगा। वेटिकन को सौर पैनल आयात करने के लिए इतालवी करों का भुगतान करने से छूट मिलेगी, लेकिन उसे उन वित्तीय प्रोत्साहनों का लाभ नहीं मिलेगा जो इतालवी लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने पर मिलता है। था। वेटिकन के अधिकारियों का अनुमान है कि सौर फार्म विकसित करने में 10 करोड़ यूरो (11.4 करोड़ डॉलर) की लागत आएगी, और इतालवी संसद द्वारा इसे मंजूरी मिलने के बाद, इस काम के लिए अनुबंधों की बोली लगाई जाएगी।

## न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी में भारी बारिश से बाढ़, इमरजेंसी लागू

**वॉशिंगटन डी सी, एजेंसी।** अमेरिका के पूर्वी तट पर गुरुवार को तेज तूफान और भारी बारिश से बाढ़ आ गई। जिसके कारण न्यूयॉर्क शहर और न्यू जर्सी में इमरजेंसी की घोषणा करनी पड़ी। तूफान का असर न्यूयॉर्क से वाशिंगटन डीसी तक दिखा। मौसम विभाग के अनुसार, कुछ इलाकों में एक घंटे में 3 इंच (7.6 सेमी) तक बारिश हुई, जिससे नाले और नदियां उफान पर आ गईं। न्यूयॉर्क में मेट्रो स्टेशनों में पानी भर गया। स्टेशन में दीवारों से पानी रिसता दिखा। भारी बारिश के कारण पटरियां पानी में डूब गईं जिससे कई ट्रेनें और यात्री फंस गए। रेस्क्यू टीम ने यात्रियों को बचाया। सड़कों पर पानी भरने से कई गाड़ियां डूब गईं, और एक्सप्रेसवे बंद करना पड़ा। वहीं न्यू जर्सी में 14 हजार से ज्यादा लोग 24 घंटे बिना बिजली के रहे। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने शहर और आसपास के इलाकों में आपातकाल की घोषणा की है। शुक्रवार तक और बारिश की आशंका है। प्रशासन ने लोगों को यात्रा न करने और बाढ़ से बचने की सलाह दी है। 16 जुलाई को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में भारी बारिश से बाढ़ आई थी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। भारी बारिश का कारण मौसम में बड़ा बदलाव बताया जा रहा है।

# फिर लोकतंत्र की पटरी पर लौटेगा पड़ोसी देश म्यांमार
# इमरजेंसी खत्म, इस साल दिसंबर तक होंगे चुनाव

यांगून, एजेंसी। पूर्वी पड़ोसी देश म्यांमार के सैन्य शासक वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग ने देश में आपातकाल खत्म करने की घोषणा की है। इसके साथ ही जुंटा शासन ने वहां नयी संघीय सरकार और राज्य सुरक्षा एवं शांति आयोग का गठन किया है। ताकि अगले छह महीने के अंदर चुनाव कराया जा सके। सैन्य शासक,हलेंग ने गुरुवार (स्थानीय समय) को इस बारे में घोषणा की कि अक्टूबर 2024 में होने वाली राष्ट्रव्यापी जनगणना पूरी होते ही इस साल के अंत तक यानी दिसंबर 2025 तक राष्ट्रीय चुनाव होंगे।

जुंटा शासन की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर एक टेलीविजन संबोधन में मिन आंग हलेंग ने कहा कि मतदान जनगणना पूरी होने के बाद होगा। इसके साथ ही उन्होंने देश में बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह घोषणा फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सेना द्वारा सत्ता हथियाने के तीन साल से भी अधिक समय बाद हुई है।

**तख्तापलट के बाद होगा पहला चुनाव**

2021 में हुए तख्तापलट के बाद यह पहला चुनाव होगा। तख्तापलट ने म्यांमार को गृहयुद्ध और अराजकता में धकेल दिया है। इस वजह से संदेह पैदा हो रहा है कि क्या विश्वसनीय मतदान हो पाएगा। बहरहाल, म्यांमार के अधिकारियों ने भी घोषणा की है कि चुनाव दिसंबर 2025 में होंगे, हालाँकि, इसके लिए सटीक तारीख अभी तय नहीं हुई है।

सैन्य शासक अब बन गए राष्ट्रपति इस बीच, वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग ने अब भंग हो चुकी राज्य प्रशासन परिषद के प्रमुख और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। हालाँकि, अब वे एक नई व्यवस्था के तहत व्यापक शक्तियों के साथ कार्यवाहक राष्ट्रपति बन गए हैं, जिससे उनका प्रमुख राजनीतिक प्रभाव बरकरार रहेगा। राष्ट्रीय स्वामित्व वाली म्यांमार रेडियो और टेलिविजन की रिपोर्ट के अनुसार अब यू न्यो साव संघीय सरकार में प्रधानमंत्री होंगे और वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग सुरक्षा और शांति आयोग के अध्यक्ष होंगे।रिपोर्ट में बताया गया है कि रक्षा सेवाओं के कमांडर-इन-चीफ को संप्रभु शक्तियाँ हस्तांतरित करने का निर्णय भी रद्द कर दिया है।

31 जुलाई तक रहा आपातकाल फरवरी 2021 में तख्तापलट के बाद तब के कार्यवाहक राष्ट्रपति यू मियंट स्वे ने म्यांमार में एक साल के लिए आपातकाल की घोषणा की थी और संप्रभु शक्तियों को रक्षा सेवा के कमांडर-इन-चीफ को स्थांतरित कर दिया था। कमांडर-इन-चीफ ने बाद में राज्य प्रशासन परिषद का गठन किया और मिन आंग हलेंग इसके अध्यक्ष नियुक्त हुए। एनडीसी ने इस साल 31 जुलाई तक कई बार छह -छह माह के लिए आपातकाल का विस्तार किया है।

## शेख हसीना और 99 अन्य पर जमीन घोटाले के 6 मामलों में आरोप तय

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की दो अलग-अलग अदालतों ने बृहस्पतिवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 99 अन्य के खिलाफ एक आवास परियोजना में जमीन आवंटन में अनियमितताओं के छह मामलों में आरोप तय किए। इन छह मामलों में से ढाका विशेष न्यायाधीश कोर्ट-4 के जज रबीउल आलम ने तीन मामलों में आरोप तय किए। अदालत ने इन मामलों में गवाही दर्ज करने के लिए 13 अगस्त की तारीख तय की और आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए।

इसी तरह ढाका विशेष न्यायाधीश कोर्ट-5 के जज मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने भी तीन मामलों में आरोप तय किए । बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) के सरकारी वकील मीर अहमद अली सलाम के हवाले से बताया कि आयोग ने आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है और मामलों में गवाही दर्ज करने के लिए 11 अगस्त की तारीख तय की है। गौर हो कि पिछले सप्ताह दोनों अदालतों ने राजुक पूर्वाचल न्यू टाउन परियोजना में भूखंडों के आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े छह मामलों में आरोप-पत्र दाखिल करने के लिए 31 जुलाई की तारीख तय की थी।

## 20 करोड़ डॉलर की लागत से बनेगा व्हाइट हाउस स्टेट बॉलरूम, 650 लोगों के बैठने की होगी क्षमता

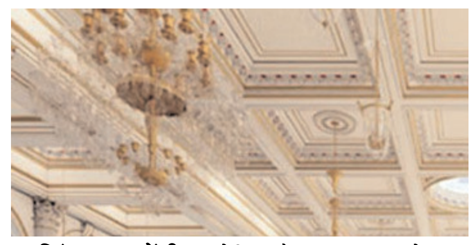

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के व्हाइट हाउस में अब एक नया और बड़ा बॉलरूम बनाया जाएगा। व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को इसकी घोषणा की। इसका नाम व्हाइट हाउस स्टेट बॉलरूम होगा। इसका क्षेत्रफल करीब 90,000 वर्ग फीट होगा और इसमें 650 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। अभी व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में केवल 200 लोगों के बैठने की जगह है। व्हाइट हाउस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि 150 वर्षों से राष्ट्रपति, प्रशासन और व्हाइट हाउस के कर्मचारी व्हाइट हाउस परिसर में एक ऐसे बड़े आयोजन स्थल की जरूरत महसूस कर रहे थे, जिसमें वर्तमान में अनुमत संख्या से कहीं अधिक अतिथियों को समायोजित किया जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस जरूरत को समझते हुए इसे पूरा करने का वादा किया है। अभी बड़े समारोहों की मेजबानी करने में असमर्थ व्हाइट हाउस बयान में कहा गया कि व्हाइट हाउस दुनिया की सबसे खूबसूरत और ऐतिहासिक इमारतों में से एक है, फिर भी व्हाइट हाउस वर्तमान में विश्व नेताओं और अन्य देशों के सम्मान में आयोजित होने वाले बड़े समारोहों की मेजबानी करने में असमर्थ है, क्योंकि इसके लिए उसे मुख्य भवन के प्रवेश द्वार से लगभग 100 गज दूर एक बड़ा तंबू लगाना पड़ता है। इसलिए अब यह नया बॉलरूम बनाया जा रहा है, जो सुंदर और सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। ट्रंप ने हाल ही में डिजाइन को लेकर कई बैठकें कीं बयान में कहा गया है कि हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बॉलरूम के डिजाइन और योजना पर चर्चा करने के लिए कई बैठकें कीं। इसमें व्हाइट स्टाफ, राष्ट्रीय उद्यान सेवा, व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय और सीक्रेट सर्विस के लोग शामिल थे।

## ट्रंप ने कनाडा पर लगाया 35 प्रतिशत टैरिफ, ड्रग तस्करी पर रोक नहीं लगाने से अमेरिकी राष्ट्रपति नाराज

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका ने कनाडा पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कनाडा से आने वाले सामान पर अब 35 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति कनाडा से होने वाली ड्रग तस्करी को लेकर नाराज हैं। ऐसे में ट्रंप ने अवैध ड्रग्स पर सहयोग की कमी का हवाला देते हुए कनाडा से आने वाले सामानों पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाने का आदेश दिया। नया टैरिफ शुक्रवार से प्रभावी है। इससे पहले ट्रंप ने कनाडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसे बढ़ाकर अब 35 प्रतिशत कर दिया गया है। व्हाइट हाउस की ओर से गुरुवार देर रात की गई घोषणा में कहा गया कि कनाडा, तस्करों, अपराधियों और अवैध ड्रग्स की तस्करी, जब्ती और रोकथाम के लिए पर्याप्त कदम उठाने में विफल रहा है। ट्रंप ने पहले धमकी दी थी कि अगर शुक्रवार तक कोई समझौता नहीं हुआ, तो वह कनाडा पर और भी ज्यादा टैरिफ लगा देंगे। कनाडा को ट्रंप द्वारा गुरुवार देर रात जारी की गई टैरिफ दरों की सूची में शामिल नहीं किया गया था। ये आयात शुल्क 7 अगस्त से लागू होने वाले हैं। कार्यकारी आदेश में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार और सुरक्षा समझौते करने के लिए कुछ व्यापारिक साझेदार देश सहमत हो गए हैं।

# भारतीय हाई कमिश्नर ने साइप्रस के पर्यटन मंत्री से की मुलाकात, सीधी उड़ान को लेकर हुई बात

**निकोसिया , एजेंसी।** भारत और साइप्रस के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। इसी कड़ी में भारत के हाई कमिश्नर (उच्चायुक्त) मनीष ने निकोसिया में साइप्रस के उप पर्यटन मंत्री कोस्टास कूमिस से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच पर्यटन सहयोग को और बढ़ाना था। बैठक में दोनों पक्षों ने विशेष पर्यटन पहलों के माध्यम से सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा की। साथ ही यह भी विचार किया गया कि दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सेवाएं शुरू करने के लिए एयरलाइंस को किस तरह से जोड़ा जा सकता है।

इस बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि दोनों देशों के बीच संपर्क को और गहरा किया जाएगा। सांस्कृतिक आदान-प्रदान और ऐतिहासिक विरासत के माध्यम से रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में गंभीर चर्चा हुई।

भारत के साइप्रस स्थित उच्चायोग ने अपने एक्स पोस्ट में जानकारी दी, उच्चायुक्त मनीष ने साइप्रस के उप पर्यटन मंत्री कोस्टास कूमिस से मुलाकात की और पर्यटन सहयोग को बढ़ाने के लिए विशेष पहलों पर चर्चा की। दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की संभावनाओं पर भी बातचीत हुई।

पोस्ट में आगे कहा गया, भारत और साइप्रस के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी के बीच, इस बैठक में द्विपक्षीय पर्यटन को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और फिल्म निर्माण में

संभावित सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में दोनों देशों के बीच लोगों के स्तर पर रिश्तों को मजबूत करने, आपसी पहचान को बढ़ावा देने और ऐतिहासिक संवाद के माध्यम से रिश्तों को गहरा करने की प्रतिबद्धता दिखाई दी। जून महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साइप्रस की यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडूलाइड्स से विस्तृत बातचीत की थी। इस बातचीत में द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

साथ ही दोनों नेताओं ने पर्यटन बढ़ाने और भारत-साइप्रस के बीच सीधी हवाई सेवा की संभावनाओं पर भी बात की थी। दोनों पक्षों ने सांस्कृतिक और जन-जन के संपर्क को बढ़ावा देने को विशेष महत्व दिया। साथ ही 2025 के अंत तक मोबिलिटी पायलट प्रोग्राम अरेंजमेंट को अंतिम रूप देने पर सहमति बनी।

# हार्टअटैक से ही हुई हल्क होगन की मौत, फ्लोरिडा के मेडिकल परीक्षक की रिपोर्ट हुई पुष्टि

**फ्लोरिडा , एजेंसी।** महान अमेरिकी रेसलर हल्क होगन की पिछले सप्ताह हार्टअटैक से ही मौत हुई थी। इस बात की पुष्टि फ्लोरिडा के मेडिकल परीक्षक की बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को जारी रिपोर्ट में हुई है।

मेडिकल परीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार, जब हल्क होगन की मौत हुई, तब वह 71 साल के थे और उनका असली नाम टेरी बोलिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें पहले से ही ब्लड कैंसर (ल्यूकेमिया) और दिल की धड़कन की बीमारी (एट्रियल फिब्रिलेशन) थी।

गवर्नर ने सम्मान में शुक्रवार को हल्क होगन दिवस घोषित किया

फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने उन्हें सम्मान देने के लिए शुक्रवार को हल्क होगन दिवस घोषित किया है। इस दिन फ्लोरिडा के सभी सरकारी भवनों पर झंडे आधे झुकाए जाएंगे। रिपब्लिकन गवर्नर ने कहा कि हल्क होगन एक सच्चे फ्लोरिडावासी थे।

90 मिनट से भी कम समय में अस्पताल में मृत घोषित किया पुलिस के मुताबिक, 24 जुलाई की सुबह जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा, तो डॉक्टर क्लियरवॉटर स्थित उनके घर पहुंचे। लेकिन 90 मिनट से भी कम समय में उन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि मौत स्वाभाविक कारणों से हुई। हल्क होगन की पत्नी स्काई डेली ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें उम्मीद थी कि होगन अपनी बीमारियों से उबर जाएंगे, लेकिन यह सब अचानक हो गया। उन्होंने कहा, दुनिया के लिए वह एक सुपरस्टार थे, लेकिन मेरे लिए वह मेरे टेरी थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई के बड़े सितारों में से एक थे हल्क होगन हल्क होगन डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सितारों में से एक माने जाते थे। 1985 में पहले रेसलमेनिया में वह मुख्य आकर्षण थे और उन्होंने कई बड़े पहलवानों से मुकाबला किया था- जैसे आंद्रे द जाइंट, द रॉक, और विंस मैकमोहन। उनकी बेटी ब्रुक बोलिया ओलेक्सी, जिन्हें ब्रुक होगन के नाम से जाना जाता है, ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने पिता को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं बहुत आभारी हूं कि मैं उनके असली रूप को जानती थी। सिर्फ उस रूप को नहीं जिसे दुनिया ने एक खास नजरिये से देखा। होगन के अंतिम संस्कार की योजना अभी तक सार्वजनिक रूप से घोषित नहीं की गई है।

# इजरायल के भी सगे नहीं रहे डोनाल्ड ट्रंप, लगा दिया 15 पर्सेंट टैरिफ

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत कुल 92 व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ लगाया गया है। इन देशों पर 10 से 41 फीसदी तक टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप ने अपने इस कार्यकारी आदेश के जरिए उस कहावत को भी चरितार्थ किया है कि बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया.. और इसी क्रम में ट्रंप ने अपने दोस्त नेतन्याहू को भी नहीं बख्शा। अमेरिका ने नई व्यापार नीति के तहत इजरायल पर 15प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया है। वाइट हाउस ने घोषणा की है कि ट्रम्प प्रशासन की नई व्यापार नीति के तहत इजरायल से आने वाले सामानों पर 15 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। इससे पहले अप्रैल में लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ में इजरायल पर दो फीसदी ज्यादा यानी कुल 17 फीसदी का टैरिफ लगाया गया था। नए आदेश में सीरिया पर 41प्रतिशत तक टैरिफ लगाया गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका पर 30प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। इसके अलावा, कनाडा से आने वाले सामानों पर मौजूदा टैरिफ 25प्रतिशत को बढ़ाकर 35प्रतिशत कर दिया गया है।

**पाकिस्तान पर 19प्रतिशत टैरिफ :** आदेश में कहा गया है कि धरती पर मौजूद हर देश से अमेरिका में आयातित वस्तुओं पर कम से कम 10प्रतिशत टैरिफ तो लगाया ही जाएगा। द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका की तरफ से जारी नई लिस्ट में कुल 92 देश शामिल हैं, जो उच्च टैरिफ रेट के अधीन हैं। ट्रंप ने पहले अफ्रीकी देश लेसोथो पर 50प्रतिशत टैरिफ की लगाने की धमकी दी थी लेकिन इस देश से आने वाले सामानों पर 15प्रतिशत टैरिफ ही लगाया गया है। इनके अलावा ताइवान पर 20प्रतिशत, पाकिस्तान पर 19प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। 15 फीसदी के टैरिफ दायरे में इजरायल के अलावा और जो देश हैं, उनमें आइसलैंड, फिजी, घाना, गुयाना, इक्वाडोर, वेनेजुएला,दक्षिण कोरिया, तुर्की, अंगोला, बोत्सवाना, कैनरुन, चाड, कांगो, जापान, जॉर्डन, मेडागास्कर, मलावी, मॉरीशस. वनातु, जिम्बाव्वे और जाम्बिया आदि शामिल हैं।

# रूस ने कीव पर रातभर दागे ड्रोन और मिसाइलें, 13 लोगों की मौत, 130 से ज्यादा घायल

**कीव, एजेंसी।** रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर बुधवार रातभर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि मरने वालों में एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। इसके अलावा, हमले में 132 लोग घायल भी हुए हैं। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के मुताबिक, घायल लोगों में 14 बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें एक पांच महीने की बच्ची भी है। सार्वजनिक रिकॉर्ड के अनुसार, रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से ये अब तक का सबसे बड़ा हमला है, जिसमें एक साथ इतने बच्चे घायल हुए हैं। हमले में नौ मंजिला इमारत का हिस्सा ढहा कीव के सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि हमले में एक नौ मंजिला इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है। बचाव दल मलबे में दबे लोगों को निकालने में लगे हुए हैं। वहीं, क्षतिग्रस्त इमारत में रहने वाली 35 वर्षीय याना झाबोरोवा ने बताया कि तेज धमाकों की आवाज से उनकी नींद खुल गई। उन्होंने देखा कि हमलों की वजह से घर के दरवाजे और खिड़कियां टूट गईं। पांच महीने के शिशु और पांच साल के बच्चे की मां झाबोरोवा ने कहा, यह सिर्फ तनाव और सदमा है, कुछ भी नहीं बचा है। कीव में 100 से ज्यादा इमारतें क्षतिग्रस्त तकाचेंको ने बताया कि कीव में कम से कम 27 जगहों पर हमला हुआ है, जिसमें सोलोमिंस्क्यी और स्वियातोशिनस्क्यी जिलों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि कीव में 100 से ज्यादा इमरातें

क्षतिग्रस्त हो गई, जिनमें घर, स्कूल, किंडरगार्टन, चिकित्सा केंद्र और विश्वविद्याल शामिल हैं। रूस ने रातभर में 309 ड्रोन और 8 क्रूज मिसाइलें दागीं यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने रातभर में कुल 309 ड्रोन और 8 क्रूज मिसाइलें दागीं। इनमें से यूक्रेनी सेना ने 288 ड्रोन और तीन मिसाइलों को रोक दिया। लेकिन पांच मिसाइलें और 21 ड्रोन अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहे। डेनेट्स्क क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख वादिम फिलाश्किन के अनुसार, रूसी सैनिकों ने पूर्वी यूक्रेनी शहर क्रामाटोर्स्क में एक पांच मंजिला आवासीय इमारत पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 11 अन्य घायल हो गए।

# शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

**ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।**

## क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

## मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

## स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

## मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

## अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

## विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

## सहस्रार चक्र

सहस्रार चक्र व्यक्ति के मष्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दुःख का उस पर असर नहीं होता है।

## आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र '' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

## रेसिपी

### ब्लैक करंट शीर

**सामग्री**

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवईं: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप ■ दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून ■ इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

**विधि**

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रुट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

### दही पराठा

**सामग्री**

- आटा: 2 कप ■ दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी ■ घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा ■ अजवाइन: 1/4 टीस्पून ■ 3 हरी मिर्च बारीक काटी ■ 1/2 छोटी कटोरी दाल ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ पराठा सेंकने के लिए तेल ■ जरूरत के अनुसार पानी

**विधि**

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

## काकुरो पहेली - 1795

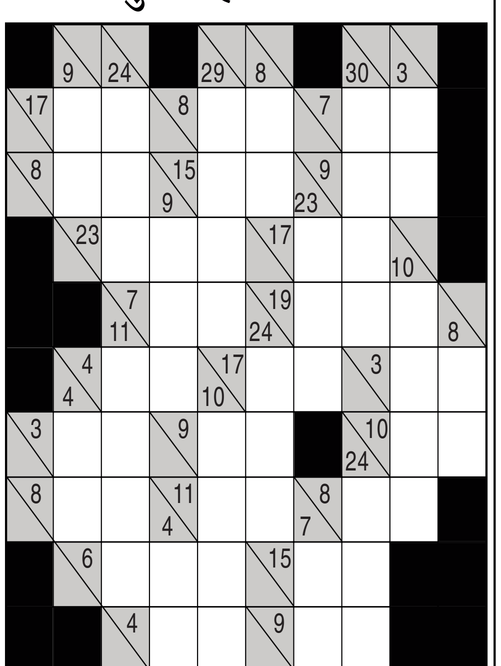

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणतः**

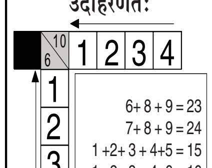

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

**काकुरो - 1794 का हल**

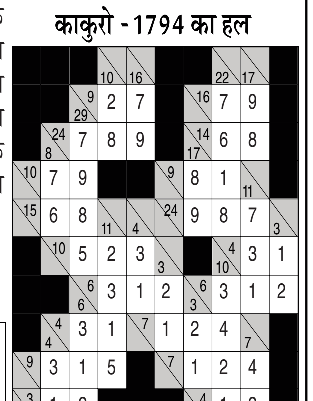

## लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

□ □ □

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली- 1795

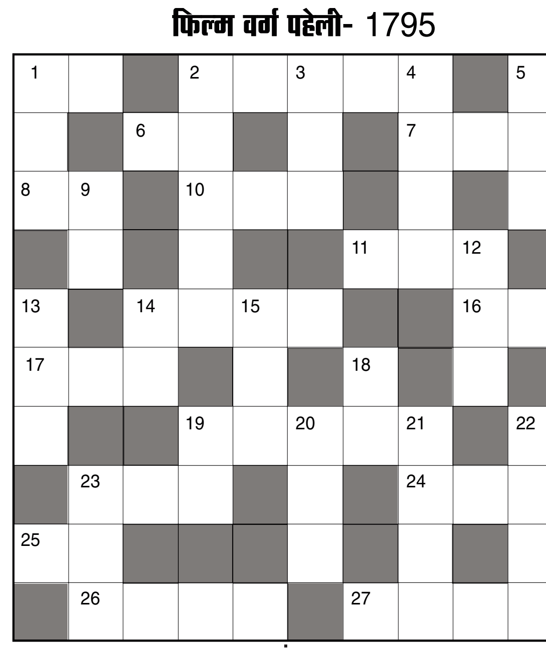

**बायें से दायें:-**

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

**ऊपर से नीचे:-**

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चॉद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

**फिल्म वर्ग पहेली- 1794**

## सुडोकू

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 9 | | | 7 | 4 | | 8 | |
| | 8 | 5 | 6 | 2 | | | 4 | 9 |
| 7 | | | | | | 6 | | 3 |
| | 3 | 9 | 5 | | | | 1 | |
| 1 | | | | 8 | | | | 5 |
| | 6 | | | | 2 | 9 | 3 | |
| 4 | | 7 | | | | | | 2 |
| 8 | 2 | | | 5 | 9 | 1 | 7 | |
| | 1 | | 2 | 3 | | | 5 | 8 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 5 | 3 | 9 | 1 | 7 | 2 | 8 | 4 |
| 9 | 1 | 8 | 2 | 6 | 4 | 3 | 7 | 5 |
| 7 | 4 | 2 | 5 | 3 | 8 | 1 | 9 | 6 |
| 3 | 7 | 1 | 6 | 9 | 2 | 4 | 5 | 8 |
| 8 | 6 | 9 | 1 | 4 | 5 | 7 | 2 | 3 |
| 5 | 2 | 4 | 8 | 7 | 3 | 9 | 6 | 1 |
| 2 | 9 | 5 | 4 | 8 | 1 | 6 | 3 | 7 |
| 4 | 3 | 6 | 7 | 5 | 9 | 8 | 1 | 2 |
| 1 | 8 | 7 | 3 | 2 | 6 | 5 | 4 | 9 |

## शब्द पहेली - 1795

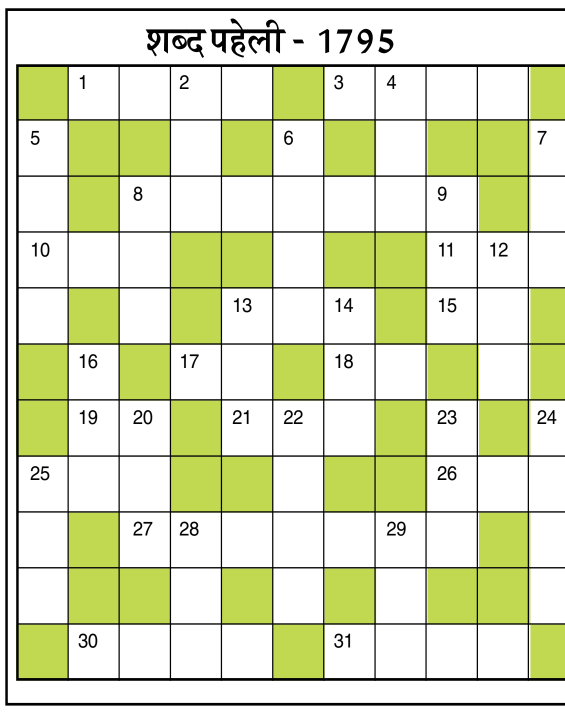

**बाएँ से दाएँ**

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

**ऊपर से नीचे**

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

**शब्द पहेली - 1794 का हल**

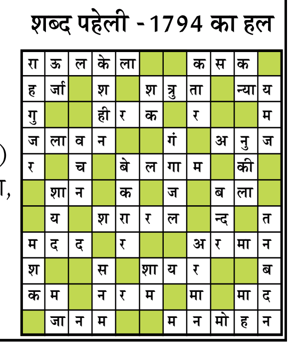

## त्योहारों में भीड़भाड़ वाले 73 प्रमुख स्टेशनों पर तैनात होंगे स्टेशन निदेशक, टिकट बिक्री पर रखेंगे नियंत्रण

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** रेल मंत्रालय ने त्योहारी सीजन के दौरान रेलवे स्टेशनों पर बढ़ती भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत देश के 73 भीड़भाड़ वाले प्रमुख स्टेशनों पर एक-एक स्टेशन निदेशक की नियुक्ति की जाएगी। इन्हें तत्काल निर्णय लेने के अधिकार दिए जाएंगे, जिसमें ट्रेनों की क्षमता और उपलब्धता के अनुसार टिकटों की बिक्री को सीमित करना भी शामिल है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि सभी प्रमुख स्टेशनों पर एक वरिष्ठ अधिकारी को स्टेशन निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाएगा। अन्य सभी विभाग स्टेशन निदेशक को रिपोर्ट करेंगे। स्टेशन निदेशक को वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार दिए जाएंगे ताकि वे स्टेशन के सुधार के लिए तत्काल निर्णय ले सकें। उन्होंने बताया कि भीड़ नियंत्रण के लिए स्टेशनों पर प्रवेश नियंत्रण व्यवस्था लागू की जाएगी। केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को ही प्लेटफॉर्म तक जाने की अनुमति दी जाएगी। वेटिंग लिस्ट और बिना टिकट यात्रियों को बाहर बने स्थायी होल्डिंग एरिया में रुकना होगा, जब तक उनकी ट्रेन प्लेटफॉर्म पर न आ जाए। इसके तहत देशभर के 73 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर स्थायी होल्डिंग एरिया, प्रवेश नियंत्रण, विस्तृत फुटओवर ब्रिज, सीसीटीवी निगरानी और वार रूम की व्यवस्था की जाएगी।

## भारत ने ब्रिटिश संसदीय समिति की रिपोर्ट को खारिज किया

**नई दिल्ली।** भारत ने ब्रिटेन की एक संसदीय समिति की उस रिपोर्ट को आधारहीन, शत्रुतापूर्ण एवं जानबूझकर बदनाम करने वाली करार देते हुए खारिज कर दिया है जिसमें भारत पर ब्रिटेन में रहने वाले व्यक्तियों एवं समुदायों को डराने-धमकाने का आरोप लगाया गया है। ब्रिटेन की संसद में मानवाधिकारों पर संयुक्त समिति (जेसीएचआर) की रिपोर्ट में भारत के संदर्भों के संबंध में मीडिया के प्रश्नों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने उक्त रिपोर्ट में भारत के संदर्भों को देखा है और इन आधारहीन आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज किया है। ये दावे असत्यापित और संदिग्ध स्रोतों से उत्पन्न होते हैं, जो मुख्य रूप से प्रतिबंधित संस्थाओं और भारत विरोधी शत्रुता के स्पष्ट, प्रलेखित इतिहास वाले व्यक्तियों से जुड़े होते हैं। बदनाम स्रोतों पर जानबूझकर निर्भरता रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर ही सवाल उठाती है। इस ब्रिटिश संसदीय समिति ने जारी 'ट्रांसनेशनल रिप्रेशन इन द यूके' रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि ब्रिटेन में व्यक्तियों और समुदायों को चुप कराने और डराने-धमकाने के प्रयासों में विदेशी सरकारें तेजी से दुस्साहसी हो रही हैं। रिपोर्ट में भारत सहित 12 देशों के नाम लेकर दावा किया गया है कि इन देशों के खिलाफ उसे अंतरराष्ट्रीय दमन (टीएनआर) के सबूत मिले हैं।

## रेलवे सुरक्षा बल को मिली पहली महिला प्रमुख, आईपीएस सोनाली मिश्रा ने संभाला पदभार

**नई दिल्ली।** रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के 143 वर्षों के इतिहास में पहली बार किसी महिला अधिकारी ने महानिदेशक का पद संभाला है। आईपीएस अधिकारी सोनाली मिश्रा ने आरपीएफ की महानिदेशक (डीजी) के रूप में पदभार ग्रहण कर एक ऐतिहासिक अध्याय की शुरुआत की है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है और वे 31 अक्टूबर, 2026 तक इस पद पर कार्यरत रहेंगी। वे 1993 बैच की मध्य प्रदेश कैडर की भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं और पुलिस सेवा में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव रखती हैं। पदभार संभालने से पहले वे पुलिस चयन एवं भर्ती की अतिरिक्त महानिदेशक, पुलिस प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल तथा मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी की निदेशक के रूप में कार्य कर चुकी हैं। वे सीबीआई, बीएसएफ तथा संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन (कोसोवो) में भी सेवा दे चुकी हैं। उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक (विशिष्ट सेवा) और पुलिस पदक (सराहनीय सेवा) जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

## वाराणसी में गंगा की लहरें चेतावनी बिंदू के पार

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सदानीरा गंगा चेतावनी बिंदु को पार कर खतरे के निशान की ओर बढ़ चली है। गंगा में लगातार उफान और पलट प्रवाह से सहायक नदी वरूणा ने रौद्र रूप ले लिया है। दोनों नदियों के तटवर्ती क्षेत्र बाढ़ के पानी में घिर गए हैं। इन इलाकों में जनजीवन ठहर सा गया है। हालात विषम देख प्रभावित इलाके के लोग घर छोड़कर पलायन कर रहे हैं। मोक्षतीर्थ मणिकर्णिका घाट की गलियों में दूसरी बार नौका चल रही है। हालात पर प्रदेश सरकार भी नजर रखे हुए है। शासन के निर्देश पर वाराणसी जिला प्रशासन, एनडीआरएफ और जल पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद हैं और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव के लिए निर्देश दिए गए हैं। अपरान्ह में वाराणसी परिक्षेत्र के कमिश्नर एस राजलिंगम और उपमहानिरीक्षक 11वीं एनडीआरएफ मनोज शर्मा ने संयुक्त रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों -गंगा घाटों तथा वरुणा नदी के कोनिया, सलारपुर, हुकुलगंज एवं चौकाघाट का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया।

# तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य में युद्ध के दौरान लापरवाही या चूक की गुंजाइश नहीं : राजनाथ सिंह

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज के अनिश्चित समय में सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए नागरिक और सैन्य कर्मियों के बीच तालमेल बढ़ाने का आह्वान किया है। उन्होंने ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता के पीछे रक्षा मंत्रालय के विभिन्न विभागों से सशस्त्र बलों को दिए गए समर्थन को मुख्य वजह बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि युद्ध सिर्फ सेना नहीं लड़ती, बल्कि पूरा देश लड़ता है और आज के तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य में हम जरा सी भी लापरवाही या चूक की गुंजाइश नहीं छोड़ सकते। रक्षा मंत्री नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन में 84वें सशस्त्र बल मुख्यालय नागरिक सेवा दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मजबूत सैन्य शक्ति के लिए एक मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था के

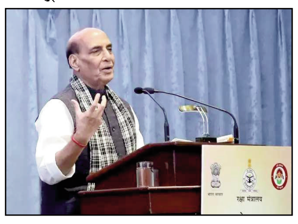

अनिवार्य होने पर जोर देते हुए राजनाथ सिंह ने युद्ध और शांति काल में देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाने के लिए वायु सेना को सराहा। रक्षा मंत्री ने वायु सेना मुख्यालय के अधिकारियों से सर्वोत्तम प्रणालियों का आकलन करने और उन्हें अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियां, नई चुनौतियां और बदलते वैश्विक परिदृश्य इस बात का संकेत हैं कि प्रशिक्षण केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि विकास का एक सतत चक्र होना चाहिए। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने संयुक्त सचिव एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय की पुनर्विकसित वेबसाइट www.cao-mod.gov.in का शुभारंभ किया, जिससे कर्मचारियों और आम जनता को कार्यालय से संबंधित सभी प्रासंगिक जानकारी मिल सकेगी। यहां कर्मचारी पदोन्नति, स्थानांतरण, चिकित्सा भत्ते की स्थिति, वेतन पर्ची और फॉर्म-16 आदि जैसे अपडेट मिलेंगे। रक्षा मंत्री ने वायु सेना मुख्यालय के कार्मिकों को खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया तथा कर्मचारियों के कुछ बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार दिए। राजनाथ सिंह ने 'विकसित भारत@2047: कर्मचारियों के विचार' पुस्तक और 'संवाद' पत्रिका का भी विमोचन किया। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, सचिव (पूर्व-सैनिक कल्याण) डॉ. नितेन चंद्रा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत और वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएं) डॉ. मयंक शर्मा तथा रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## भारी बारिश के बाद 3 अगस्त तक रोकी गई अमरनाथ यात्रा

**एजेंसी**

**जम्मू।** भारी बारिश के बाद तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 अगस्त तक स्थगित कर दी गई है। यात्रा के दोनों मार्गों पर तत्काल मरम्मत और रखरखाव कार्य किए जा रहे हैं। सुबह पहलगाम मार्ग से तीर्थयात्रियों के किसी नए जत्थे को गुफा मंदिर जाने की अनुमति नहीं दी गई। जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से तीर्थयात्रियों की आवाजाही लगातार दूसरे दिन भी स्थगित रही।कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी ने कहा कि यात्रा के पहलगाम और बालटाल मार्गों पर हाल ही में भारी बारिश हुई है। भारी बारिश के बाद बालटाल मार्ग पर तत्काल रखरखाव कार्य किए जाने की आवश्यकता है। यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर 3 अगस्त को बालटाल मार्ग से भी यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आगे की जानकारी समय आने पर जारी की जाएगी। कश्मीर में मूसलाधार बारिश के कारण सड़कें असुरक्षित हो गई थीं, जिसके बाद बुधवार को बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। संभागीय आयुक्त ने आगे कहा कि यात्रा के पहलगाम मार्ग पर आवश्यक मरम्मत और रखरखाव कार्य पहले से ही किए जा रहे हैं। 17 जुलाई को कश्मीर में दोनों आधार शिविरों में भारी बारिश के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि इस साल अब तक 4.05 लाख से ज़्यादा यात्री पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। 2 जुलाई को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाने के बाद से अब तक कुल 1,44,124 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं।

## मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री को छत्तीसगढ़ में नक्सल उन्मूलन और उपलब्धियों की दी जानकारी

**एजेंसी**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दिल्ली दौरे पर हैं। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे के तीसरे दिन संसद भवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, माओवादी चुनौती से निपटने की रणनीति और उपलब्धियों सहित विभिन्न विषयों पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय गृह मंत्री को माओवादी(नक्सल) विरोधी अभियानों की उपलब्धि एवं भविष्य की कार्ययोजना से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में नक्सल गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों में पिछले डेढ़ वर्षों में उल्लेखनीय सफलता मिली है। दिसंबर 2023 से अब तक 33 बड़ी मुठभेड़ों में शीर्ष माओवादी नेताओं सहित 445 माओवादी प्रभावहीन किए गए हैं। वहीं 1554 माओवादी गिरफ्तार किए गए हैं और 1588 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा राज्य सरकार की 'समन्वित विकास और सुरक्षा' नीति के तहत माओवादी प्रभाव को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दिशा में सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। इन प्रयासों से

न केवल नक्सल प्रभाव कम हुआ है, बल्कि स्थानीय समुदायों में प्रशासन के प्रति भरोसा भी बढ़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ सरकार की माओवाद उन्मूलन के किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने माओवादी उन्मूलन के लिए राज्य सरकार के प्रयासों को ऐतिहासिक बताया और केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का वादा किया। इसमें छत्तीसगढ़ के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले अमृत रजत महोत्सव 2025 की तैयारियों पर भी चर्चा हुई मुख्यमंत्री साय ने बताया कि इस आयोजन को भव्य और यादगार बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से राज्य की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता, और आर्थिक उपलब्धियों को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया जाएगा।

## यूपी के मैनपुरी में सड़क हादसे में एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

**एजेंसी**

**मैनपुरी।** उत्तर प्रदेश में मैनपुरी जिले के बेवर थाना क्षेत्र में एक मार्ग दुर्घटना में कार सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है। एक बच्ची घायल है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों की पहचान के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा ने बताया कि मैनपुरी के हरीपुर कैथोली गांव निवासी दीपक चौहान अपने परिवार के साथ आगरा में रहने वाली भतीजी काव्या चौहान का जन्मदिन मनाकर लौट रहा था। जीटी रोड हाईवे पर ग्राम नगला ताल के पास कार अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर पार करते हुए कानपुर-आगरा लेन में पहुंच गई। इस दौरान सामने से आ रहे ट्रक से उनकी कार टकरा गई। हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एसपी ने बताया कि सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। मार्ग

दुर्घटनामें मरने वालों की पहचान मैनपुरी के हरीपुर कैथोली गांव निवासी दीपक चौहान (36), उनकी पत्नी पूजा (34), बेटियां आशी (9), आर्या (4) और बहन सुजाता (50) के रूप में हुई है। दीपक की 11 वर्षीय बेटी आराध्या गंभीर रूप से घायल हैं, जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेवर ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त किया और जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया अस्पताल पहुंच कर घायल को तत्काल समुचित उपचार और यथासंभव मदद पहुंचाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

## शिवराज सिंह ने मेघालय अनानास महोत्सव का किया शुभारंभ

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में 'मेघालय अनानास महोत्सव-2025' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा सहित केंद्र और राज्य के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि मेघालय के अनानास स्वाद और गुणवत्ता की दृष्टि से विशिष्ट हैं। मेघालय के किसान, वहां के लोग ईमानदारी से अथक प्रयास कर रहे हैं, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। मेघालय के अधिकतर उत्पाद जैविक हैं, जिनका प्रमोशन किया जाना चाहिए। मेघालय के चाहे फल, मसाले, हल्दी, अदरक, कॉफी, चाय, कटहल, मशरूम सहित अन्य विभिन्न कृषि उत्पादों की गुणवत्ता उच्च और अद्भुत है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के उत्पादों के राज्य से बाहर और विदेशों में निर्यात के लिए केंद्र सरकार द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर

काम किया जा रहा है। इस काम में प्राइवेट सेक्टर की भूमिका भी अहम है और यह प्रसन्नता की बात है कि राज्य सरकार समझौता ज्ञापन के माध्यम से इस दिशा में बल दे रही है। कृषि मंत्री ने कहा कि वह जल्द फिर से वैज्ञानिकों की टीम के साथ मेघालय का दौरा करेंगे। 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के दौरान मेघालय का जब दौरा किया था, तब किसानों ने कई समस्याओं और कृषि चुनौतियों को उजागर किया था। किसानों ने कृषि उत्पादों की 'शेल्फ लाइफ' बढ़ाने की दिशा में भी मांग की थी। इस संबंध में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। अनुसंधान के माध्यम से ठोस उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग बेहद जरूरी है। सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना भी की है। राज्य सरकार द्वारा 'एयर लिफ्टिंग' का भी प्रस्ताव है, जिसके लिए योजना बनाई जाएगी। ट्रेन के जरिए भी उत्पाद भेजने के विकल्प पर काम किया जाएगा। प्रति हेक्टेयर अनानास के उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। राज्य सरकार के साथ मिलकर मेघालय के कृषि क्षेत्र के विकास का रोडमैप बनाया जाएगा। शिवराज ने विद्यार्थियों और युवाओं से कृषि स्टार्टअप में भागादारी का आह्वान किया। साथ ही देशवासियों से मेघालय के उत्पादों का अधिकाधिक उपयोग करने की अपील भी की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे देश के उत्पाद दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं, उनका उपयोग कीजिए। कार्यक्रम की शुरुआत में अनानास से संबंधित विभिन्न समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने 'कृषि क्षेत्र में मेघालय की प्रगति' से जुड़ी एक संदर्भ पुस्तिका का विमोचन किया।

## सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सप्रे ने भोपाल में किया ब्लैक स्पॉट्स का निरीक्षण

**एजेंसी**

**भोपाल।** उच्चतम न्यायालय की गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने मध्य प्रदेश में भोपाल प्रवास के दौरान शहर के चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इन स्थलों पर चल रहे सुधार कार्यों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को ब्लैक स्पॉट्स के उन्मूलन कार्यों को तीव्र गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए। न्यायमूर्ति सप्रे ने अपने भ्रमण की शुरुआत प्लेटिनम प्लाजा ब्लैक स्पॉट से की। यहाँ उन्होंने दुर्घटनाओं की संख्या, मृतकों की संख्या और दुर्घटनाओं के संभावित कारणों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस स्थान पर ब्लैक स्पॉट्स को समाप्त करने के कार्य शीघ्रता से पूर्ण किए जाएं। इसके बाद न्यायमूर्ति सप्रे तरुण पुष्कर तिराहे पहुंचे, जहाँ लेफ्ट टर्न की अनुपलब्धता की समस्या की जानकारी दी गई। उन्हें अवगत कराया गया कि स्मार्ट पोल की शिफ्टिंग के उपरांत सुधार कार्य प्रगति पर है। इसके पश्चात न्यायमूर्ति सप्रे रेडक्रॉस अस्पताल के समीप स्थित चौराहे पर पहुँचे, जहाँ रोटरी के पुनः डिजाइन की योजना से उन्हें अवगत कराया गया। इसके बाद जिला न्यायालय के सामने स्थित चौराहे पर लेफ्ट टर्न की स्थिति पर चर्चा हुई और सुधार की आवश्यकता जताई गई।उन्होंने पर्यावास भवन के समीप उस पुराने ब्लैक स्पॉट का भी निरीक्षण किया जिसे लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व बंद किया गया था।

## अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं के विकास के लिए सरकार प्रयासरत : रिजिजू

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने बहुत पहले बता दिया था कि किसी समाज के विकास का पैमाना उस समाज की महिलाओं की स्थिति से जुड़ा होता है। इसी दिशा में सरकार अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। रिजिजू ने राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित भारत में मुस्लिम महिलाओं के अधिकार विषय पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक के उद्घाटन सत्र में कहा कि मुस्लिम महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सशक्त करना, समावेशी विकास की दिशा में एक अहम कदम है। महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण जरूरी है, जब महिलाएं आर्थिक रूप से सम्पन्न

होती हैं तो वे शक्तिशाली भी होती हैं तथा आर्थिक सशक्तीकरण के साथ वे स्वयं ही सामाजिक रूप से भी सशक्त होती हैं। रिजिजू ने कहा कि वे इस परामर्श बैठक से प्राप्त हुई अनुशंसाओं को आगे बढ़ाने में योगदान देंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने इस परामर्श बैठक को मुस्लिम महिलाओं की आवाज़ नीति-निर्माण तक पहुंचाने का एक सशक्त मंच बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आयोजन नहीं है, यह एक प्रयास है उन आवाज़ों को मंच देने का, जिन्हें लंबे समय तक अनसुना किया गया। यह एक साझा संकल्प है कि अब कोई भी महिला, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से आती हो, न्याय, सम्मान और मानवाधिकार से वंचित नहीं रहेगी। भारतीय संदर्भ में मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की जब हम बात करते हैं, तो केवल कानून की पुस्तकों को खोलना पर्याप्त नहीं होता। हमें समाज के उन बदलते चेहरे को भी देखना होगा।उन्होंने कहा कि कानून तब तक जीवंत नहीं होते जब तक वे जनमानस की सोच में न उतरें और सोच तब तक नहीं बदलती जब तक संवाद न हो, जब तक सुनवाई न हो, जब तक मंच न मिले। इस कार्यक्रम में रिजिजू ने 'नया दौर' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

## विकसित भारत के अग्रदूत बनें छात्र : राष्ट्रपति

**एजेंसी**

**रांची।** राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु धनबाद स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-आईएसएम) में आयोजित 45वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं और कुल 1880 छात्रों को डिग्री प्रदान कीं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार पीके मिश्रा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि भी दी गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस अवस पर कहा कि दीक्षांत समारोह जीवन के नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। राष्ट्रपति ने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा और कौशल का उपयोग समाज, देश और विश्व की समस्याओं के समाधान के लिए करें। आईआईटी-आईएसएम की 100 वर्षों की गौरवशाली विरासत की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्थान खनन और भूविज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञ तैयार करने के उद्देश्य से स्थापित हुआ था। समय के साथ इसने अपने शैक्षिक दायरे को विस्तृत

कर उच्च शिक्षा और अनुसंधान का अग्रणी केंद्र बन गया है। उन्होंने संस्थान की ओर से तकनीकी विकास और नवाचार में योगदान को भी रेखांकित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने छात्रों से इस विकास यात्रा के अग्रदूत बनने का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत का अर्थ है, एक ऐसा राष्ट्र जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, गरिमा और बेहतर जीवन स्तर प्राप्त हो। आपकी शिक्षा केवल तकनीकी उत्कृष्टता तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि राष्ट्र निर्माण से जुड़ी होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी राष्ट्र का विकास उसके सभी वर्गों के उत्थान में है। उन्होंने आईआईटी-आईएसएम से उत्कृष्ट इंजीनियर और शोधकर्ताओं के साथ-साथ करुणामय, संवेदनशील और उद्देश्यपूर्ण पेशेवर तैयार करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देकर आप देश के भविष्य को आकार दे सकते हैं। राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी और डिजिटल असमानता जैसी वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि आईआईटी-आईएसएम जैसे संस्थान इनके स्थायी समाधानों में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने भारत की तकनीकी प्रगति और आईआईटी संस्थानों के योगदान की सराहना की, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं।

## हरियाणा के नारनौल में अवैध रूप से रह रहे 14 बांग्लादेशी नागरिकों को किया गया डिपोर्ट

**एजेंसी**

**नारनौल।** हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में स्थित नारनौल नामक नगर में अवैध रूप से रह रहे 14 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़कर बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया।महेंद्रगढ़ जिले की पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने बताया कि ये बांग्लादेशी नागरिक पिछले कुछ महीनों से अवैध तरीके से जिले में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि अप्रैल में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आकोदा क्षेत्र की पूजा ब्रिक्स कंपनी भट्टा से इन 14 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया था। पूछताछ में वे भारत में रहने के लिए वैध दस्तावेज जैसे पासपोर्ट, वीजा या पहचान पत्र पेश नहीं कर सके। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के माध्यम से सभी को बांग्लादेश वापस भेज दिया गया।उन्होंने बताया कि अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए डॉग स्क्वायड और कमांडो की टीमें समय-समय पर विशेष जांच अभियान चला रही हैं। जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

## पुणे जिले के यवत गांव में आपत्तिजनक पोस्ट के बाद आगजनी, दो गिरफ्तार

**एजेंसी**

**मुंबई।** महाराष्ट्र के पुणे जिले के दौंड तहसील के यवत गांव में सुबह एक आपत्तिजनक पोस्ट की वजह से तनाव फैल गया। गुस्साए लोगों ने कई जगह आगजनी की। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए आसू गैस के गोले दागे पड़े। इस मामले में यवत पुलिस स्टेशन की टीम ने आपत्तिजनक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप गिल ने घटना की जानकारी मिलते ही यवत का दौरा किया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि यवत के साप्ताहिक बाजार में आज लोग जमा थे। उसी समय एक युवक ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डाली थी। इसके बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल बन गया। कई जगह तोड़फ़ोड़ की गई, जिससे यहां अतिरिक्त पुलिस बल मंगाया गया। पुलिस ने तत्काल आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने सभी लोगों को घर जाने के लिए कहा है।

उन्होंने कहा कि अफवाहों पर लोग विश्वास न करें, इस मामले की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि यवत के एक मंदिर में स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति के साथ अपमानजनक व्यवहार किया था। तब से यहां तनावपूर्ण स्थिति थी। आज सुबह अचानक सैयद नामक शख्स ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट कर दिया, इससे लोगों का गुस्सा बढ़ गया था। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने आपत्तिजनक पोस्ट डालने वाले युवक के घर में आग लगा दिया। साथ ही कई घरों में तोड़ फोड़ की और टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागे । इसके बाद पुलिस ने दोनों समाज के प्रमुख लोगों से चर्चा कर स्थिति को नियंत्रित किया है। पुलिस ने गाँव के नागरिकों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की है। इस बीच, प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यवत और आसपास के इलाकों में सोशल मीडिया पर कोई भी भडक़ाऊ सामग्री पोस्ट करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# सिराज और कृष्णा के झटकों से इंग्लैंड 247 रन पर सिमटा, भारत के स्टंप तक दो विकेट पर 75 रन

**लंदन (एजेंसी)।** मोहम्मद सिराज (86 रन देकर चार विकेट) और प्रसिद्ध कृष्णा (62 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड को पहली पारी में 247 रन पर समेटने के बाद भारत ने शुक्रवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में दो विकेट पर 75 रन बनाकर 52 रन की बढ़त हासिल कर ली।

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 51 रन और रात्रिप्रहरी आकाश दीप चार रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। जायसवाल आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की 23 रन की बढ़त को खत्म किया, इस दौरान दो बार उनका कैच छूटा। उन्होंने जैमी ओवरटन की शॉर्ट लेंथ गेंद पर अपरकट से छक्का जड़कर 44 गेंद में श्रृंखला में अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया।

भारत ने केएल राहुल (07) और साई सुदर्शन (11) के विकेट गंवा दिए। राहुल लूज शॉट खेलकर जोश टंग का शिकार हुए जबकि सुदर्शन स्टंप से तुरंत पहले गस एटकिंसन की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। जायसवाल ने एटकिंसन के शुरुआती ओवर में तीन चौके जड़े जिसमें एक शानदार स्ट्रेट ड्राइव भी शामिल था। स्टंप से पहले तीसरा कैच छूटा जब जाक क्रॉली ने सुदर्शन को कैच करने का मौका गंवा दिया।

इससे पहले हैरी ब्रुक की 64 गेंद में 53 रन की आक्रामक पारी के समाप्त होने के बाद इंग्लैंड अंतिम सत्र में ऑल आउट हो गया। क्रिस वोक्स कंधे की चोट के कारण बल्लेबाजी करने नहीं उतरे और इंग्लैंड के 247 रन पर नौंवा विकेट गंवाते ही पहली पारी समाप्त हो गई जिससे उसने 23 रन की बढ़त हासिल की।

सुबह भारत की पहली पारी आधे घंटे के अंदर 224 रन पर खत्म हो गई और टीम ने बचे हुए चारों विकेट 20 रन के अंदर गंवा दिए। सिराज ने दोपहर के सत्र में आठ ओवरों के शानदार स्पैल में तीन विकेट चटकाकर भारत को वापसी कराई जिससे चाय तक इंग्लैंड ने सात विकेट पर 215 रन बना लिए थे। चाय सत्र के बाद बारिश के व्यवधान के कारण कुछ देर तक खेल रोकना पड़ा, तब तक इंग्लैंड ने गस एटकिंसन के रूप में आठवां विकेट खो दिया था जो कृष्णा का शिकार हुए।

खेल शुरू होने के बाद सिराज ने ब्रुक (53 रन) को बोल्ड कर उसका आखिरी विकेट झटक लिया। सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दूसरे सत्र में तीन तीन विकेट झटके जिससे इंग्लैंड ने मुख्य बल्लेबाज जो रूट (29 रन), जाक क्रॉली (64 रन), कार्यवाहक कप्तान ओली पोप (22 रन) और जैकब बेथेल (छह रन) के विकेट गंवा दिए। रूट और कृष्णा के बीच इस दौरान तीखी नोकझोंक भी हुई।

शुरुआती सत्र में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से रन जुटाए। लेकिन भारतीय तेज गेंदबाजों ने ब्रेक के बाद लेंथ हासिल करते हुए वापसी की। कृष्णा की गेंद पर क्रॉली ने पुल शॉट लगाने में गलती की और मिडविकेट पर कैच आउट हो गए। पिच से तेज गेंदबाजों को लगातार मदद मिल रही है। सिराज ने पोप और रूट को पगबाधा आउट किया। फिर एक इनस्विंग यॉर्कर से बेथेल को भी पगबाधा आउट किया। सिराज लगातार कोशिश करते रहे और उन्हें इसका फल भी मिला। एक बार फिर उन्होंने दिखाया कि वे कार्यभार प्रबंधन में विश्वास नहीं रखते। कृष्णा भी प्रभावशाली रहे। उन्होंने चाय सत्र के अंतिम ओवर में जैमी स्मिथ और जैमी ओवरटन के विकेट झटके।

भारत को खेल के पहले आधे घंटे में पहली पारी में 224 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज क्रॉली और बेन डकेट ने मेहमान टीम के तेज गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। डकेट (43 रन) और क्रॉली ने मर्जी से चौके जड़े जिससे इंग्लैंड लंच ब्रेक तक एक विकेट पर 109 रन बना चुका था। आकाश दीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की तिकड़ी के पास इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों के लिए कोई रणनीति नहीं दिख रही थी। पर भारत को लंच से 15 मिनट

पहले डकेट का विकेट मिलने से राहत मिली।

आकाश दीप की गेंद पर एक और रिवर्स हिट लगाने की कोशिश में डकेट विकेट के पीछे कैच आउट हो गए। इस तरह इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने महज 77 गेंद में 92 रन बना लिए। क्रॉली ने 12 चौके से पांच सिराज की गेंदों पर लगाए। उन्होंने आकाश दीप की गेंद पर थर्ड मैन पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। डकेट ने इच्छानुसार शॉट लगाए। उन्होंने आकाश दीप की गेंद पर रिवर्स स्कूप शॉट लगाया और इसके बाद सिराज की गेंद पर रैंप ऑफ पर छक्का जड़ दिया। डकेट के आउट होने के बाद पोप क्रीज पर उतरे। उन्होंने कवर ड्राइव शॉट्स लगाकर शुरुआत की।

वहीं दिन की शुरूआत छह विकेट पर 204 रन से शुरू करने वाले भारत ने पहले 30 मिनट में 20 रन के अदंर बाकी के चार विकेट गंवा दिए। करुण नायर (109 गेंद में 57 रन) और वाशिंगटन सुंदर (26 रन) जल्दी आउट हो गए जिसके बाद एटकिंसन ने पुछल्ले बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया। इंग्लैंड के लिए एटकिंसन ने पांच जबकि जोस टंग ने तीन विकेट चटकाये।

## एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा लक्ष्य : स्वीटी

**उदयपुर (एजेंसी)।** भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले साल होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्वीटी के अनुसार एशियाई कप में मुकाबले आसान नहीं रहेंगे। उसे इसमें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे जैसी मजबूत टीमों के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। ऐसे में टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए उसे इससे पहले होने वाले दोस्ताना मैच में मेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम महिला एशियाई कप की शुरुआत में ग्रुप सी में 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ शुरुआती मुकबाला खेलेगी। वहीं इसके बाद उसे 7 मार्च को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से खेलना होगाहोगा।

स्वीटी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए आसान नहीं होगा पर हमारी पूरी तैयारी रहेगी। हम अगले साल मार्च तक कई मैत्री मैच खेलेंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साथ ही कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के किये जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे महिला फुटबॉल का विकास होगा। इसी कड़ी में जिंक फुटबॉल अकादमी का प्रारंभ होना भी सकारात्मक कदम है।

इस महीने क्वालिफायर में मेजबान थाईलैंड को 2-1 से हराकर स्वीटी की कप्तानी में भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने टूर्नामेंट के लिए एशियाई कप के क्वालिफाई किया था।

स्वीटी ने कहा, मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तानी करने का अवसर मिला। मैं भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी और अपने फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए प्रयास करूंगी। मुझे भरोसा है कि हमारी टीम में इस प्रकार की क्षमता है हालांकि इसके लिए हमें कठिन प्रयास करने होंगे।

## सीए को एशेज में रिकार्ड दर्शकों के आने की उम्मीद

**सिडनी (एजेंसी)।** क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को उम्मीद है कि आगामी एशेज सीरीज को देखने रिकार्ड संख्या में दर्शक आयेंगे। सीए के के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग के अनुसार भारत और इंग्लैंड के बीच जिस प्रकार के रोमांचक मुकाबले हुए हैं उसका भी सकारात्मक प्रभाव एशेज सीरीज पर पड़ेगा और अधिक से अधिक दर्शक ये मुकाबले देखना चाहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज इस साल के अंत में होगी। ग्रीनबर्ग को उम्मीद है कि एशेज में दर्शकों की संख्या भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के दर्शकों से अधिक होगा। बीजीटी के दौरान कुल 837,879 दर्शक स्टेडियम पहुंचे थे। ग्रीनबर्ग ने कहा, '' एक क्रिकेट प्रशंसक के तौर पर अगर कहा जाये तो भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही सीरीज देखने लायक होगी। इसका प्रभाव एशेज पर भी नजर आयेग और जमकर टिकट बिकेंगे।''

## बुमराह को अपने मैच तय करने का अधिकार : डोइशे

**लंदन (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे ने कहा है तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के आराम लेने से किसी को भी समस्या नहीं होनी चाहिये। डोइशे ने कहा कि बुमराह को अधिकार है कि वह ये तय करें कि उन्हें कितने मैच खेलने हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में तीन टेस्ट ही खेले हैं और सीरीज की शुरुआत में ही उन्होंने ये घोष्णा कर दी थी। बुमराह ने पहला टेस्ट खेला पर वह दूसरे टेस्ट से बाहर रहे। इसके बाद लॉडर्स और ओल्ड टैफर्ड में उन्होंने लगातार दो मैच खेले। वहीं अंतिम टेस्ट से भी वह बाहर हैं।

डोइशे ने कहा कि बुमराह जैसे खिलाड़ी के बिना उतरना हमेशा ही कठिन रहता है। उन्होंने कहा, 'बुमराह का मामला कठिन । हम चाहते थे कि वह खेले पर उसके कार्यभार के कारण फिटनेस पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए हमें लगा कि उसे टीम में शामिल करना सही नहीं होगा। उसने काफी ओवर फेंके हैं। मुझे पता है कि ऐसा लगता नहीं क्योंकि उसने तीन ही टेस्ट खेले और मैनचेस्टर में एक ही पारी में गेंदबाजी की। डोइशे ने आगे कहा, 'लेकिन उसका कार्यभार देखें तो उसने काफी ओवर डाले हैं। उसने दौरे से पहले ही कह दिया था कि वह तीन ही टेस्ट खेलेगा और हमें लगा कि उसके फैसले का सम्मान करना चाहिए।

डोइशे ने कहा, 'यह कहना सही नहीं होगा। उसने कहा था कि वह तीन ही मैच खेलेगा और उसने हम पर छोड़ दिया कि वह तीन मैच कौन से होंगे। मुझे लगता है कि उन खिलाड़ियों पर ध्यान देना जरूरी है जो नहीं खेल रहे हैं, खासकर जब आपके पास 18 खिलाड़ी हों। उन्होंने कहा कि हमने सभी फैसले टीम हित में लिए हैं। साथ ही कहा कि जिन खिलाड़ियों को इस सीरीज में अवसर नहीं मिला है। वे भी काफी अच्छे हैं हालांकि टीम संयोजन को बनाये रखने उन्हें अवसर नहीं मिल पाया।

## भारत और इंग्लैंड मैच देखते नजर आये ललित मोदी और विजय माल्या पर भड़के लोग

ओवल (एजेंसी)। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच जारी अंतिम टेस्ट मैच में आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मालिक रहे विजय माल्या को बैठे देखकर सभी हैरान हो गये। ये दोनो ही भारत में करोड़ों के घोटाले के बाद भाग गये थे। ऐसे में मैच में इनकी मौजूदगी से विवाद पैदा हो गया। ललित मोदी ने सोशल मीडिया मे कुछ तस्वीरे जारी की थीं जिसमें वह विजय माल्या के साथ बैठे नजर आ रहे थे। इनके साथ ही वेस्टंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल और भारत के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर भी दिखे। इन तस्वीरों के सामने आते ही लोगों में नाराजगी फैल गयी। आपत्ति उठा रहे लोगों का कहना है कि भारत से घोटाला कर भागे ये लोग किस प्रकार आराम से मैच देख रहे थे। इससे पहले जुलाई में भी ललित मोदी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह और माल्या फैंक एक गाना गाते नजर आए थे। यह वीडियो ललित के लंदन स्थित घर पर हुए एक कार्यक्रम का था। ललित मोदी ने ही साल 2008 में आईपीएल शुरु की थी पर वह साल 2010 वित्तीय गड़बड़ियों और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोपों के बाद देश छोड़कर भाग गये थे।

## कृष्णा बोले , मैदान के बाहर रुट मेरे अच्छे दोस्त

ओवल । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के बीच यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए पांचवे टेस्ट मैच के दूसरे दिन तीखी बहस हो गयी। इसा दौरान अंपायर ने हस्तक्षेप करते हुए कृष्णा को शांत कराया। इंग्लैंड की पारी के 22वें ओवर का ये मामला है तब रूट को गेंद डालने के बाद कृष्णा ने कुछ कहा। इसके बाद अंपायर बीच में आये। रूट आम तौर पर अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देते हैं और विवादों से दूर रहते हैं पर इस बार वह भी भड़क गये। वहीं कृष्णा ने दिन का खेल समाप्त होने पर इसे अच्छी लड़ाई बताया है और कहा है कि मैदान के बाहर रूट से उनकी अच्छी दोस्ती है। कृष्णा ने रूट के साथ हुई बहस पर कहा, यह एक छोटी सी बात थी, एक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त। वहीं कृष्णा ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बाहर रने को लेकर कि कि वह खेलें या न खेलें। हमें पता है कि क्या करना है। मुझे उनकी जगह इसलिए लिया गया है ताकि मैं अपनी भूमिका निभा सकूं। वहीं अगर मैं मैच नहीं खेल पाऊंगा, तो मुझे अपनी रणनीति पर काम करना होगा। मैं यहां टीम के लिए काम करने आया हूं। मेरे लिए यह एक प्रक्रिया है, प्रदर्शन नहीं। मैच के दूसरे दिन भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान टीम को 247 रनों पर ही समेट दिया। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 4-4 विकेट लिए। वहीं इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 224 रन बनाये थे।

## पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 को जीतने उतरेगी वेस्टइंडीज

**फ्लोरिडा (एजेंसी)।** वेस्टइंडीज की टीम पाकिस्तान के खिलाफ यहां दूसरे टी20 मैच को हर हाल में जीतने उतरेगी। सीरीज के पहले मैच में वेस्टइंडीज की टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। इस मुकाबले में जहां पाक टीम को बल्लेबाजी में सईम अयूब, फखर जमान, हसन नवाज और कप्तान सलमान आगा वहीं गेंदबाजी में शाहीन अफरीदी, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ और फहीम अशरफ से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं वेस्टइंडीज की टीम कप्तान शाई होप के अलावा शेरफेन रदफोर्ड, जेसन होल्डर, शमर जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स और ज्वेल एंड्रयू के भरोसे रहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो पाक का पलड़ा भारी दिखता है। दोनो ही टीमों के बीच साल 2011 से लेकर अब तक 22 टी20 मैच खेले गये हैं। जिसमें 16 मैच पाकिस्तान ने जीते हैं और केवल तीन मुकाबले ही वेस्टइंडीज जीती है। तीन मुकाबलों में कोई परिणाम नहीं आये। पाक ने वेस्टइंडीज को पहले टी20 में 14 रनों से हराया था। पाक टीम ने पहल मैच में छह विकेट पर 178 रन बनाये थे जिसके जवाव में वेस्टइडीज की टीम 164 रन ही बना पायी। ऐसे में सीरीज बराबर करने के लिए वेस्टइंडीज को ये मैच हर हाल में जीतना रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**पाक:** सलमान आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सईम अय्यूब, शाहीन शाह अफरीदी और सुफियान मुकीम।

**वेस्टइंडीज:** शाई होप (विकेटकीपर कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, एलिक एथनाज, जेदिया ब्लेड्स, कीसी कार्टी, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जेसन होल्डर, अकील होसेन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड और रोमारियो शेफर्ड।

## एशिया कप: भारत-पाकिस्तान मुकाबले के लिए बीसीसीआई की सहमति के खिलाफ शिवसेना ने किया प्रदर्शन

**जम्मू, (एजेंसी)।** शिवसेना (यूबीटी) की जम्मू-कश्मीर इकाई ने बीसीसीआई द्वारा आगामी एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के लिए सहमति जताए जाने का आज विरोध किया। उन्होंने कहा कि पिछले चार दशकों से आतंकवाद का गंदा खेल खेल रहे पाकिस्तान के साथ खेल संबंध बहाल करना देश की जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम होगा। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष मनीष साहनी ने कहा, 'पिछले चार दशकों से जम्मू-कश्मीर में पुलवामा और पहलगाम हमलों सहित आतंकवाद का गंदा खेल खेल रहे पाकिस्तान के साथ खेल संबंध बहाल करना देश की जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम होगा। मैच के दौरान सट्टेबाजी से आतंकवाद को बढ़ावा मिलता है। जब जल और वायु क्षेत्र को रोका जा सकता है, तो खेल संबंध क्यों?' साहनी के नेतृत्व में शिवसेना कार्यकर्ताओं ने मुट्ठी के पास प्रदर्शन किया और हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर लिखा था, 'सिंदूर के हत्यारों के साथ खेल संबंध असहनीय हैं', 'जल और वायु क्षेत्र बंद, क्रिकेट क्यों?', 'मैच सट्टेबाजी के जरिए आतंकवाद को बढ़ावा देना' आदि।

साहनी ने कहा कि 'सिंदूर' के दुश्मनों के साथ किसी भी तरह का रिश्ता बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपमानित और गिड़गिड़ाने के बाद, पाकिस्तान ने एक बार फिर सीमा पर घुसपैठ और आतंकवादियों को पालना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस साल जनवरी से जुलाई (2025) तक जम्मू-कश्मीर में 98 आतंकवादी घटनाएँ हुईं और 32 आतंकवादी मारे गए। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद, मई में 13 घटनाओं में 13 आतंकवादी मारे गए, जून में 12 घटनाओं में चार आतंकवादी मारे गए और जुलाई में आठ घटनाओं में तीन आतंकवादी मारे गए। अगस्त के पहले ही दिन, कश्मीर के कुलगाम में एक आतंकवादी मारा गया, जबकि मुठभेड़ अभी भी जारी है, साहनी ने कहा कि पाकिस्तान नाम की पूंछ कभी सीधी नहीं होगी। भारत-पाक क्रिकेट मैच के दौरान सट्टा किंग दाऊद इब्राहिम खासकर और पाकिस्तान की गोद में छिपे उसके गुर्गे ज़्यादा सक्रिय हो जाते हैं। क्योंकि सबसे ज़्यादा सट्टा तब लगता है जब ये दोनों देश आमने-सामने होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस पैसे का एक बड़ा हिस्सा आतंकवादियों को पालने-पोसने में इस्तेमाल होता है। साहनी ने बीसीसीआई पर राष्ट्रीय भावनाओं को ठेस पहुंचाने और अपनी तिजोरियां भरने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने बीसीसीआई को हाल ही में आयोजित चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के दौरान भारतीय खिलाड़ियों (जिन्होंने पाकिस्तान के साथ लीग और सेमीफाइनल खेलने से साफ इनकार कर दिया था) से सीख लेने की सलाह दी है।

## नेशनल बैंक ओपन : जेसिका हारी, स्वियातेक और सेवास्तोवा जीती

मांट्रियल । अमेरिका की जेसिका पेगुला जेसिका पेगुला नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में हार के साथ ही बाहर हो गयी। दो बार की विजेता जेसिका को तीसरे दौर के मुकाबले में लाटीविया की अनास्तासिया सेवास्तोवा ने 6-3, 4-6, 1-6 से हराया। सेवास्तोवा का मुकाबला अब जापान की नाओमी ओसाका से होगा, ओसाका ने एक अन्य मुकाबलें लाटविया की येलेना ओस्टापेंको को 6-2, 6-4 से हराया था। वहीं अन्य मुकाबलों की बात करें तो पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जर्मनी की इवा लिस को 6-2, 6-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। स्वियातेक का मुकाबला अब डेनमार्क की क्लारा टाउसन से होगा, टाउसन ने एक अन्य मुकाबले में यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-0 से हराया था। एक अन्य मुकाबले में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने इंग्लैंड की एम्मा राडूकानू को 6-2, 6-1 से पराजित किया। अब अमांडा का सामना यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना से होगा। स्वितोलिना ने रूस की अन्ना कालिंस्काया को 6-1, 6-1 से हराया। वहीं पुरुष वर्ग के एकल में अमेरिका के टेलर फिट्ज ने कनाडा के लंबे गैब्रियल डायलो को 6-4, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनायी फिट्ज का सामना अब चेक गणराज्य के 19वीं वरीयता प्राप्त जिरि लेहेका से होगा। एक अन्य मैच में अमेरिका के बेन शेल्टन ने हमवतन ब्रेंडन नकाशिमा को 6-7, 6-2, 7-6 से हराया। अब वह इटली के 13वीं वरीयता प्राप्त फ्लावियो कोबोली से खेलेंगे। रूस के छठी वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को 5-7, 6-4, 6-3 से हराया

## अंपायर कुमार धर्मसेना पर भड़के राहुल

ओवल । यहां भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों के बीच कई बार विवाद भी हुए। इंग्लैंड की बल्लेबाजी के दौरान जो रूट और भारतीय टीम के गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के बीच बहस हो गयी जिसमें के एल राहुल भी बीच में पड़ गये उनकी अंपायर कुमार धर्मसेना से बहस भी हो गयी। ये मामला इंग्लैंड की पारी के 22वें ओवर का है तब रूट को गेंद फेंकने के बाद कृष्णा ने कमेंट किया जिसपर रुट ने आपत्ति जतायी। मामला बढ़ने पर राहुल भी बहस में शामिल हो गये। सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी आया है। इसमें राहुल ने रूट और कृष्णा की बहस को लेकर कहा, क्या, आप चाहते हैं कि हम कुछ न बोलें? इसपर धर्मसेना ने कहा, क्या आप चाहते हैं कि कोई गेंदबाज आए और आपसे इस तरह बात करे? नहीं आप ये नहीं कर सकते। नहीं राहुल, हमें उस रास्ते पर नहीं जाना चाहिए। राहुल ने कहा, आप हमसे क्या चाहते हैं? सिर्फ बल्लेबाजी और गेंदबाजी करे व घर जाएं? हम मैच के अंत में इस पर बात करेंगे। आप इस तरह बात नहीं कर सकते ।卐 अब देखना है कि अंतरराष्ट्रीय किकेट परिषद (आईसीसी) के पास ये मामला जाता है तो वह क्या फैसला करती है। आईसीसी के नियमों के अनुसार, अंपायर के साथ की बहस को लेवल-1 या लेवल-2 अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है।

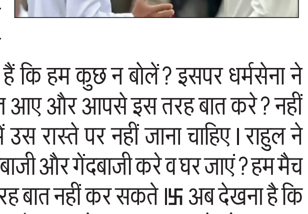

## यशस्वी जायसवाल के सामने पस्त हुए इंग्लिश गेंदबाज, शतक लगाते ही की रोहित और गावस्कर की बराबरी

**लंदन (एजेंसी)।** यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड दौरे की शुरुआत जहां शानदार शतकीय पारी से की थी, वहीं सीरीज के आखिरी टेस्ट मैच की दूसरी पारी में भी शतक लगाकर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में टीम इंडिया की दूसरी पारी में जायसवाल ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। पहले पारी में महज 2 रन बनाकर आउट होने वाले यशस्वी ने इस बार अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए किसी भी अवसर को बेकार नहीं जाने दिया।

### सीरीज में ठोका दूसरा शतक

यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अब तक चार शतक लगा लिए हैं, जिससे उन्होंने रोहित शर्मा और सुनील गावस्कर के बराबर स्थान हासिल कर लिया है। जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में अब तक 1100 से अधिक रन बनाए हैं। भारत की तरफ से इंग्लैंड के खिलाफ सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर पहले स्थान पर हैं, जिनके नाम सात- सात शतकीय पारियां दर्ज हैं। यशस्वी इस सूची में वर्तमान में चौथे स्थान पर हैं, जहां उनके ऊपर कप्तान शुभमन गिल समेत कुछ अन्य खिलाड़ी भी शामिल हैं।

### सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ा

यशस्वी जायसवाल ने सचिन तेंदुलकर के एक बड़े रिकॉर्ड को भी तोड़ डाला है। उन्होंने महज 23 साल की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। यशस्वी के नाम 23 साल की उम्र तक इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में नौ फिफ्टी प्लस पारियां हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर ने इसी उम्र तक आठ फिफ्टी प्लस पारियां खेली थीं।

## शहनाज गिल की आगामी फिल्म 'एक कुड़ी' में गाना गाएंगे हनी सिंह

सिंगर-एक्ट्रेस शहनाज गिल अपनी आगामी फिल्म एक कुड़ी से काफी चर्चा में हैं। यह फिल्म कुछ महीनों के अंदर दर्शकों के बीच होगी। हाल ही में अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इनमें एक्ट्रेस मशहूर रैपर हनी सिंह के साथ नजर आ रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अभिनेत्री की आगामी फिल्म के लिए हनी सिंह एक धमाकेदार गाना लेकर आने वाले हैं।

### हनी सिंह के साथ मस्तमौले अंदाज में दिखीं शहनाज

शहनाज गिल ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों की बात की जाए तो पहली ही तस्वीर में एक्ट्रेस हनी सिंह के साथ दिख रही हैं, जिसमें दोनों काफी खुश दिख रहे हैं। इस तस्वीर में रैपर अभिनेत्री की ओर देखते हुए हंसते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा शहनाज गिल ने खुद की कुछ और फोटोज शेयर की हैं, जिनमें उन्हें अनोखी हेयरस्टाइल में देखा जा सकता है। साथ ही एक्ट्रेस वेस्टर्न आउटफिट और ब्लैक कलर का लॉन्ग बूट पहने दिख रही हैं।

### एक कुड़ी के लिए सॉन्ग लेकर आ रहे हनी सिंह?

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए शहनाज गिल ने हनी सिंह को टैग करते हुए कैप्शन दिया कि ये हंसी देसी है। इस पोस्ट के वायरल होते ही कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि हनी सिंह अभिनेत्री की आगामी फिल्म एक कुड़ी के लिए एक शानदार गाना लेकर आने वाले हैं। आपको बताते चलें कि इससे पहले भी हनी सिंह इस फिल्म के लिए एक गाना गा चुके हैं।

### एक कुड़ी फिल्म के बारे में

शहनाज गिल की यह पंजाबी फिल्म 19 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म को 13 जून को रिलीज किया जाना था। फिल्म का निर्देशन अमरजीत सिंह द्वारा किया जा रहा है और उन्होंने ही इसकी कहानी भी लिखी है। इस फिल्म का इंतजार एक्ट्रेस के साथ-साथ उनके फैंस भी बड़ी बेसब्री से कर रहे हैं।

# सैयारा के सपोर्ट में आईं तनीषा मुखर्जी, मेकर्स पर लग रहे थे पेड रिएक्शन के इल्जाम

18 जुलाई को रिलीज हुई मोहित सूरी की फिल्म सैयारा साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक साबित हुई है। नए कलाकारों अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत इस फिल्म की कहानी ने युवा दर्शकों को आकर्षित किया है। सिनेमाघरों में लोगों की प्रतिक्रियाओं के भावुक वीडियो वायरल हो रहे हैं। जहां कई लोगों ने फिल्म की तारीफ की है, वहीं कुछ लोगों ने इस पर संदेह भी जताया है, जिसके बाद अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

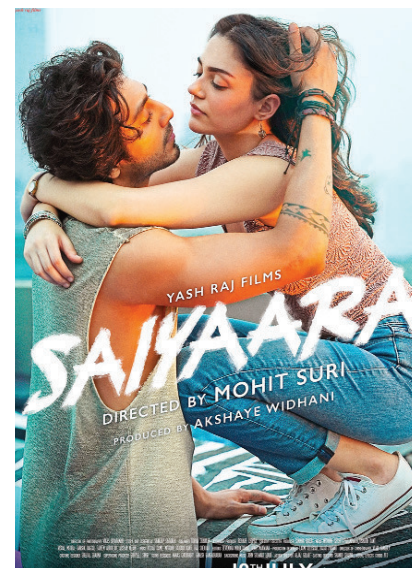


### नकली प्रदर्शन करने के लिए दिए जा रहे पैसे?

दरअसल यूट्यूब पर एक चैनल द बार्बर शॉप विद शांतनु में दावा किया गया कि सिनेमाघरों में भावनात्मक चीजें नकली और बनावटी होते हैं। वक्ता ने आरोप लगाया कि फिल्म देख कर सिनेमाघरों में लोग जो प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं वह झूठी हैं। उन्होंने कहा इस बेतुकी सैयारा फिल्म के साथ क्या हो रहा है? मेरे विचार से, इस फिल्म के निर्माता ने कई युवाओं को सिनेमाघरों में जाकर रोने का भावनात्मक प्रदर्शन करने के लिए 500 रुपये दिए हैं। इस तरह फिल्म का प्रचार हो रहा है।

### तनीषा का फूटा गुस्सा

तनीषा मुखर्जी ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे नकारात्मक बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा पूरी तरह से असहमत। समय बदल रहा है और ये लोग अतीत में ही उलझे हुए हैं। नए लोगों को प्यार दें और उनकी तारीफ करें। यह आदमी बकवास कर रहा है। क्या उसे फिल्म के बारे में कुछ भी पता है? वह सैयारा के बहाने नकारात्मक बातें करके व्यूज बटोर रहे हैं। अगर लोग किसी फिल्म को पसंद कर रहे हैं तो इसमें गलत क्या है? सिर्फ इसलिए कि वह खुद को उससे जोड़ नहीं पा रहे हैं, इसका मतलब यह नहीं कि युवा पीढ़ी भी उससे जुड़ाव महसूस नहीं करती। हर पीढ़ी अलग होती है। हम कह रहे हैं जाकर फिल्म देखिए और देखिए दर्शक कैसे प्रभावित होते हैं, फिर बात कीजिए। यह तो सिर्फ बॉलीवुड की आलोचना है!

### बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चल रही है सैयारा

आपको बता दें कि फिल्म सैयारा बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के सिर्फ 13 दिनों में ही इस फिल्म ने भारत में 286 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया है। यशराज फिल्म्स द्वारा समर्थित सैयारा ने दर्शकों के साथ एक जुड़ाव बनाया है।

## रांझणा में मेरे लिए आनंद ने लगाया था अपना पैसा

साउथ के सुपरस्टार धनुष ने फिल्म रांझणा को लेकर एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उन्हें कास्ट करना आसान नहीं था। धनुष ने कहा,

उस वक्त आनंद एल राय के पास मुझे कास्ट करने के लिए बजट नहीं था। मैंने लगभग फिल्म को मना कर दिया था। लेकिन आनंद सर का जुनून इतना गहरा था कि उन्होंने हर हाल में मुझे ही कुंदन के रोल में देखना चाहा। धनुष ने आगे बताया... उन्होंने इस किरदार के लिए हर मुश्किल का सामना किया, यहां तक कि अपनी जेब से भी पैसा लगाया। उन्होंने मुझमें कुंदन को देखा और अपने विजन पर अडिग रहे। बता दें कि रांझणा में धनुष ने बनारस के एक जुनूनी प्रेमी कुंदन का किरदार निभाया था, जो दिल टूटने के बाद राजनीति की दुनिया में चला जाता है। इस फिल्म के बाद धनुष और आनंद एल राय ने अतरंगी रे में साथ काम किया और अब दोनों तेरे इश्क में नाम की फिल्म पर फिर से साथ आ रहे हैं, जो इसी साल रिलीज होगी। इसमें धनुष के साथ कृति सेनन भी दिखेंगी।

## सनी देओल और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने पहली बार मिलाया हाथ

एक्टर सनी देओल ने हाल ही में गदर 2 और जाट जैसी हिट फिल्में दीं। उनके पास बॉर्डर 2, लाहौर 1947 और रामायणः पार्ट वन जैसी बड़ी फिल्में हैं। सूत्रों के मुताबिक, जल्द सनी देओल एक्सेल एंटरटेनमेंट की बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म में भी नजर आएंगे। एक सूत्र ने बताया कि इस फिल्म से सनी देओल और एक्सेल एंटरटेनमेंट की पहली बार पार्टनरशिप होगी। दोनों के बीच इसको लेकर काफी वक्त से बातचीत चल रही थी। अब एक हाई-कॉन्सेप्ट और बड़े स्केल की फिल्म पर मिलकर काम शुरू हो रहा है। यह भी बताया गया कि इस फिल्म से बालाजी डायरेक्शन में डेब्यू करेंगे। वह इससे पहले कई तमिल ब्लॉकबस्टर फिल्मों में असिस्टेंट और एसोसिएट डायरेक्टर रह चुके हैं। फिल्म की शूटिंग दिसंबर से शुरू होगी। सूत्र ने बताया, यह एक दमदार फिल्म होगी। इसमें सनी उसी अवतार में दिखेंगे, जिसमें दर्शकों ने उन्हें हमेशा पसंद किया है।

## क्या बिग बॉस 19 का हिस्सा होंगी मल्लिका शेरावत? एक्ट्रेस ने बताई सच्चाई

बॉलीवुड स्टार सलमान खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला बिग बॉस भारत के सबसे पसंदीदा रियलिटी शो में से एक है। यह शो अपने 19वें सीजन के साथ वापस आ गया है और इसमें भाग लेने के लिए किन हस्तियों से संपर्क किया गया है, इस बारे में पहले से ही अटकलें लगाई जा रही हैं। इस बीच ये भी खबरें आईं कि बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत भी बिग बॉस 19 में नजर आएंगी। अब शो में हिस्सा लेने पर एक्ट्रेस ने चुप्पी तोड़ी है और सारी सच्चाई बताई है।

### मल्लिका ने चर्चाओं को किया खारिज

अपने बिग बॉस 19 में जाने की चर्चाओं के बीच अब मल्लिका शेरावत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। इस स्टोरी में मल्लिका ने बिग बॉस में उनको लेकर चल रही चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है। एक्ट्रेस ने बिग बॉस से जुड़ी चर्चाओं को खारिज करते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, सभी अफवाहों पर विराम लगाते हुए मैं बिग बॉस नहीं कर रही हूं और कभी नहीं करूंगी। धन्यवाद। मल्लिका इससे पहले बिग बॉस 18 के दौरान अपनी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के प्रमोशन के लिए एक गेस्ट के तौर पर शो में आई थीं।

हाल ही में बिग बॉस के निर्माताओं ने एक प्रोमो वीडियो के साथ शो के 19वें सीजन की घोषणा की। वीडियो में नए लोगो की भी झलक दिखाई गई है। जिसमें एक कलरफुल आंख दिखाई दे रही है, जो शो के अलग-अलग रंग दिखाती है। मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर शेयर करके बताया गया कि काउंटडाउन शुरू हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बिग बॉस का 19वां सीजन इस बार कई बड़े बदलावों के साथ लौट रहा है। इस बार का फॉर्मेट न सिर्फ पूरी तरह से नया होगा, बल्कि शो के लोकप्रिय डायलॉग और कंटेस्टेंट्स के रोल्स में भी अहम फेरबदल किया गया है।

# कौन है मेधा राणा, अनीत पड्डा से हो रही है तुलना

**मेधा राणा अचानक सुर्खियों में आ गई हैं। उनकी तुलना सैयारा गर्ल अनीत पड्डा से हो रही है। मेधा की बॉर्डर 2 में एंट्री हुई है। वह फिल्म में वरुण धवन के साथ रोमांस करती दिखेंगी।**

सैयारा की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद अनीत पड्डा की पॉपुलैरिटी आसमान छू रही है। अप्रैल में जब इस फिल्म का ऐलान हुआ था, तब इंस्टाग्राम पर अनीत को 34 हजार यूजर्स फॉलो कर रहे थे, लेकिन अब यह बढ़कर 2 मिलियन के करीब पहुंच गए हैं। अनीत देश की नई नेशनल क्रश बन गई हैं। अब इसी बीच और एक हसीना की इस चकाचौंध में एंट्री हुई है। नाम है मेधा राणा। उन?हें बॉर्डर 2 में वरण धवन के अपोजिट कास्ट किया गया है। मजेदार बात ये है कि जैसे ही मेधा का नाम सामने आया, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तैरने लगी हैं। लोग मेधा की तुलना अनीत पड्डा से कर रहे हैं। कह रहे हैं कि सैयारा गर्ल की तरह ही मेधा राणा भी बॉलीवुड की बेजोड़ फ्रेश फेस बनेंगी। अब आप भी सोच रहे होंगे कि ये मेधा राणा है कौन? तो आइए, तफ्सील से बताते हैं।

### बॉर्डर 2 में वरुण धवन की प्रेमिका बनेंगी मेधा राणा

सबसे पहले, सबसे जरूरी बात। साल 1997 की ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर के सीक्वल बॉर्डर 2 का हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। इस वॉर ड्रामा में सनी देओल के साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। 28 जुलाई को निर्माताओं ने फिल्म में वरुण धवन की प्रेमिका के रूप में एक नए चेहरे को पेश किया। मेधा राणा का स्वागत करते हुए टी-सीरीज ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हर कहानी को अपने लोग मिल जाते हैं। हमें बॉर्डर 2 परिवार में वरुण धवन के साथ मुख्य भूमिका में मेधा राणा का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। साहस और देशभक्ति की एक यादगार गाथा के लिए तैयार हो जाइए। बॉर्डर 2 अगले साल 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

### मेधा राणा ने लंदन फाइल्स से किया था एक्टिंग डेब्यू

अनीत पड्डा की तरह ही मेधा राणा सिनेमा की दुनिया के लिए थोड़ी नई जरूर हैं, लेकिन बॉर्डर से पहले वह एक्टिंग डेब्यू कर चुकी हैं। साल 2022 में आई वेब सीरीज लंदन फाइल्स में आपने मेधा को देखा होगा। इस सीरीज से ही मेधा राणा ने एक्टिंग में डेब्यू किया। सीरीज में अर्जुन रामपाल और पूरब कोहली लीड रोल में थे।

### बाबिल की गर्लफ्रेंड का निभा चुकी हैं रोल

मेधा राणा वेब सीरीज के अलावा OTT पर नेटफ्लिक्स की फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान में भी नजर आ चुकी हैं। इसमें वह बाबिल खान की गर्लफ्रेंड बनी थीं। यही नहीं, वह अमेजन एमएक्स प्लेयर के मिनी सीरीज इश्क इन द एयर में शांतनु माहेश्वरी के साथ भी नजर आ चुकी हैं। वह इसी प्लेटफॉर्म की सीरीज डांसिंग ऑप द ग्रेव में सबाह के रोल में दिखीं।

### मेधा राणा की उम्र और एजुकेशन, वरुण धवन से 12 साल छोटी

मेधा राणा की उम्र 24 साल बताई जा रही है। उनका जन्म 25 दिसंबर 1999 को गुरुग्राम में हुआ है। हालांकि, उनकी पढ़ाई-लिखाई चंडीगढ़ और बेंलगुरु में हुई है। मेधा ने चंडीगढ़ के कार्मेल कॉन्वेंट और फिर बेंगलुरु के क्राइस्ट यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। वैसे, मेधा उम्र में अपने ऑनस्?क्रीन हीरो वरुण धवन से 12 साल छोटी हैं। वरुण धवन 24 अप्रैल 1987 को पैदा हुए हैं।

### मॉडलिंग से पहले मुंबई में की थी इंटर्नशिप

मॉडलिंग और एक्टिंग में करियर शुरू करने से पहले मेधा राणा ने मुंबई में मार्केटिंग और कम्यूनिकेशन कंपनी डीडीबी मुद्रा ग्रुप में इंटर्नशिप भी की है।

### मेगा मॉडल हंट की विनर रही हैं मेधा राणा

साल 2018 में मेधा पर फैशन की दुनिया की नजर तब पड़ी, जब वह एक मेगा मॉडल हंट की विनर बनीं। साल 2019 में एचटी ब्रंच मैगजीन ने मेधा को देश की टॉप मॉडल्स की लिस्ट में जगह दी।

### अनीत पड्डा की तरह चॉकलेट के विज्ञापन में दिखी थीं मेधा राणा

मेधा राणा ने इसके बाद कई टीवी विज्ञापनों में काम किया, जिसमें कैडबरी फ्यूज चॉकलेट का ऐड भी है। अब यह मजेदार संयोग ही है कि सैयारा फेम अनीत पड्डा भी इसी कंपनी के सिल्क चॉकलेट के विज्ञापन में नजर आई थीं।

# बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म–निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक–दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक–शॉप से कौन–सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह स्पष्ट है–मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे–मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते–बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म–निर्भर बना सकते हैं।

## उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

## छोटे–छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे–छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन–सा फ्लेवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

## अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

## घर के छोटे–छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग–अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

## अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई–बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादब़च्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एंन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी–छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

# छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

**कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।**

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी–सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था–'कैसी हो स्वीटहार्ट' ? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार–बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

## क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी–सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

## बस थोड़ी–सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी–छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं।

प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर–ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

# माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

**बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।**

## गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

## ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें। सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

## कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

# बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

## खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उल्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

## कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

## चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

## शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या–क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

## चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

## अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

# बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

## समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन–रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

## बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी–कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

## कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।